ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य सरकार को ताम-झाम बंद करके अयोग्य लोगों को बाहर निकालना @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 11 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-250

भारत और नेपाल के बीच बोया जा रहा सांस्कृतिक विभाजन का विष

घर भारत में... खेत नेपाल में... रिश्ते मुश्किल में पड़े!

^maV Am¡a Zonmb के बीच सांस्कृतिक विभाजन का विष बोया जा रहा है। कोशिश है कि भारत और नेपाल के पौराणिक सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्ते बिखर जाएं। नेपाल-भारत सीमा पर सैकड़ों ऐसे गांव हैं जहां के निवासियों के खेत नेपाल में हैं। बिहार में तो अनगिनत घर ऐसे मिलेंगे जहां घर का एक हिस्सा भारत में तो दूसरा हिस्सा नेपाल में है। ऐसे में आपसी रिश्ते बेहद मुश्किल में पड़ते जा रहे हैं। नेपाल में अड्डा बनाए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के गुर्गों, आतंकी संगठनों, कट्टर इस्लामिक तत्वों और बांग्लादेशियों एवं रोहिंग्या घुसपैठियों के कारण नाक में दम हो चुका है। तस्करों के कारण दोनों देशों के बीच चुनौतियां पहले से रही हैं। अब नेपाल की बांग्लादेश जैसी हालत से हालत अत्यंत खराब हो रही है।

शुभ-लाभ सरोकार

नेपाल में चल रही ताजा राजनीतिक उथल-पुथल ने भारत-नेपाल सीमा पर तनाव बढ़ा दिया है। उत्तर बिहार के कई जिलों मसलन सीतामढ़ी, मधुबनी, मोतीहारी, सुपौल और उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड के नेपाल सीमा से जुड़े जिलों में लोगों की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं। भारत और नेपाल के बीच की सीमा सिर्फ एक लाइन नहीं है, बल्कि सदियों पुराने रिश्तों का प्रतीक है। यहां रोटी-बेटी का बंधन है, सांस्कृतिक समानताएं हैं और रोजमर्रा की जिंदगी में आपसी जुड़ाव है। लेकिन ये रिश्ते अब नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। तस्करी, अपराध, घुसपैठ और यहां तक कि आतंकवाद की साजिशें इस खुली सीमा को खतरे में डाल रही हैं।

भारत और नेपाल के बीच की सीमा लगभग 1,751 किलोमीटर लंबी है। ये सीमा पांच भारतीय राज्यों से गुजरती

है सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्त-राखंड। सिक्किम में यह 99 किमी, पश्चिम बंगाल में 100 किमी, बिहार में 729 किमी, उत्तर प्रदेश में 560 किमी और उत्तराखंड में 263 किमी फैली हुई है। यह सीमा ज्यादातर खुली हुई है, यानि कोई दीवार या फेंसिंग नहीं है। दोनों देशों के लोगों को आसानी से आने-जाने की आजादी है। कभी यह खुलापन आपसी रिश्ते के लिए जरूरी था, लेकिन अब यह खुलापन सुरक्षा के लिए सिरदर्द बन गया है। वर्ष 1815-16 के एंग्लो-नेपाल युद्ध के बाद 2 दिसंबर 1815 को हुई सुगौली संधि के जरिए नेपाल का एक-तिहाई हिस्सा ब्रिटिश भारत के हवाले कर दिया गया था, जिसमें तराई के ज्यादातर इलाके शामिल थे। संधि में काली नदी (महाकाली) को पश्चिमी सीमा के रूप में तय किया गया, जो आज भी विवाद का कारण है। संधि में तराई का बड़ा हिस्सा, कुमाऊं-गढ़वाल, सिमला हिल्स, सिक्किम और दार्जिलिंग जैसे क्षेत्र शामिल थे, जो भारत की तरफ रहे। नेपाल की पश्चिमी सीमा को महाकाली नदी (काली नदी) से तय किया गया, पूर्वी सीमा को मेची नदी से। नेपाल को कोशी और गंडक नदियों के बीच के तराई इलाके देने पड़े, लेकिन बाद में 1816 में एक अतिरिक्त संधि से नेपाल को कुछ तराई क्षेत्र वापस मिल गए।

इस्लामी कट्टरपंथियों घुसपैठियों और तस्करों के कारण चुनौतियां गंभीर

इस संधि ने सीमा का बंटवारा किया, लेकिन इसमें कई खामियां थीं। नदियों के बदलते रास्ते और जंगलों ने सीमा को अस्पष्ट बना दिया। नतीजा ये हुआ कि कई गांव और खेत बंट गए। जैसे, एक तरफ घर भारत में तो खेत नेपाल में। ऐसे कई इलाके हैं जहां परिवार बंटे हुए हैं। उदाहरण के लिए सुस्ता और कालापानी जैसे क्षेत्र आज भी विवादित हैं, जहां नदी के बदलते बहाव ने सीमा को उलझा दिया है। संधि के समय ब्रिटिश अधिकारियों ने नक्शे बनाए, लेकिन वे सटीक नहीं थे। ▶10 पर

नेपाल में अनियंत्रित हिंसा को काबू करने उतरी सेना

अब अंतरिम प्रधानमंत्री चुनने की कवायद

काठमांडू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में जारी अनियंत्रित हिंसा को काबू में करने के लिए आखिरकार सेना को मैदान में उतरना पड़ा। वैसे भी प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और तमाम मंत्रियों के इस्तीफे से नेपाल में शासनिक-प्रशासनिक संकट खड़ा हो गया था। सेना ने सम्पूर्ण नेपाल में कर्फ्यू लागू कर दिया है। नेपाली सेना के प्रमुख जनरल अशोक राज सिगडेल ने देश के नाम अपने संबोधन में प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए आगे आने की अपील की। सेना प्रमुख ने चेतावनी दी कि अगर हिंसा, लूटपाट और आगजनी बंद नहीं हुई, तो सेना सख्त कार्रवाई करेगी। सेना प्रमुख ने कहा कि कुछ समूह इस स्थिति का अनुचित लाभ उठा रहे हैं और आम नागरिकों तथा सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। गिरफ्तारियां जारी हैं, लेकिन हिंसा भी जारी है। नेपाल की कई जेलों को भी तोड़ कर सैकड़ों अपराधी कैदी फरार हो गए हैं। यूपी सीमा पर कई कैदी दबोचे गए हैं। अब यह बात सामने आ रही है कि हिंसा में शामिल तत्व नेपाली नहीं थे। हिंसा फैलाने वाले उपद्रवियों में कट्टरपंथी इस्लामिक तत्व शामिल थे, जिन्होंने न केवल पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी को जिंदा जलाया, बल्कि हिंदुओं के पवित्रतम मंदिर पशुपतिनाथ पर भी हमला करने की कोशिश की। नेपाल के युवकों का

पीएम, राष्ट्रपति समेत पूरे शासन का इस्तीफा

हिंसा में शामिल तत्वों पर संदेह, जेल भी तोड़ा

ही कहना है कि पशुपतिनाथ मंदिर पर हमला करने का पाप नेपाल के युवक कैसे कर सकते हैं।

हिंसाग्रस्त नेपाल में नया कार्यकारी प्रधानमंत्री चुनने की कवायद भी शुरू हो गई है। पहले तो बालेन शाह का नाम चला लेकिन अब नेपाल की प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकीं सुशीला कार्की के नाम को भारी समर्थन मिल रहा है। नेपाल की अस्थिरता के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है और जरूरी हिदायतें दी हैं। नेपाल से खबर मिली है कि जेल तोड़ कर भागने वाले कैदियों की संख्या छह हजार से अधिक है। यह नेपाल और पड़ोसी देश भारत के लिए अतिरिक्त सिरदर्दी साबित हो रहा है। कास्की जेल से सबसे ज्यादा 773 कैदी भागे हैं। वहीं चितवन से 700 कैदी, कैलाली से 612 कैदी और जलेश्वर से 576 कैदी फरार हो गए हैं। इससे हिंसा और खतरनाक साबित हो सकती है। नेपाल के जलेश्वर से भागे 10 कैदियों ने भारत की सीमा में घुसने की कोशिश की, जिन्हें सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) ने पकड़ लिया।

प्रदर्शन के नाम पर फैलाई गई हिंसा में अब तक दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और देश के सुप्रीम कोर्ट, संसद, राष्ट्रपति भवन से लेकर तमाम सार्वजनिक संपत्तियां नष्ट हुई हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरेस ने शांति बनाए रखने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नेपाल में हुई हिंसा हृदयविदारक है और इसमें कई युवाओं की जान गई है, जिससे उन्हें बहुत पीड़ा हुई है। उन्होंने नेपाल की स्थिरता, शांति और समृद्धि को भारत के लिए महत्व-पूर्ण बताते हुए, सभी नेपाली भाई-बहनों से शांति बनाए रखने की विनम्र अपील की।

नेपाल में अंतरिम प्रधानमंत्री के चयन को लेकर हुई बैठक में शामिल पांच हजार से अधिक लोगों ने ▶10 पर

असम सरकार ने जारी की मानक संचालन प्रक्रिया

10 दिन में साबित करनी होगी नागरिकता

गुवाहाटी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। असम सरकार ने प्रदेश में नई मानक संचालन प्रक्रिया (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर -एसओपी) जारी की है। इस एसओपी के मुताबिक किसी के संदिग्ध घुसपैठिया होने की दशा में उसे अपनी भारतीय नागरिकता साबित करने के लिए 10 दिन का समय दिया जाएगा। इसमें असफल होने पर जिला प्रशासन 24 घंटे के भीतर उसके लिए डिपोर्टेशन का आदेश जारी कर देगा।

इस नए एसओपी से स्पष्ट है कि असम में घुसपैठिया होने के शक में पकड़े जाने पर अब सिर्फ 10 दिन में अपनी नागरिकता का प्रमाण देना होगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में असम कैबिनेट की बैठक

फेल हुए तो डिपोर्टेशन का आदेश जारी होगा

30,000 से अधिक घुसपैठिए बाहर किए गए

के बाद कहा कि राज्य ने अब तक 30,128 घुसपैठियों को वापस बांग्लादेश भेजा है। इसके साथ ही असम सरकार ने एक नए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) लागू करने पर मुहर लगाई है। असम में घुसपैठियों को डिपोर्ट करने के लिए सरकार लगातार कमर कस कर काम कर रही है। ऑपरेशन पुशबैक समेत हर तरह से सरकार घुसपैठियों को राज्य और देश से बाहर निकालने पर काम कर रही है। इसी में अब राज्य में अवैध घुसपैठियों की समस्या से निपटने के लिए बड़ा कदम उठाया है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने असम की कैबिनेट बैठक में कई अहम निर्णय लिए। इन फैसलों का मूल उद्देश्य असम राज्य की सांस्कृतिक पहचान और जनसांख्यिकीय संतुलन को सुरक्षित रखना है। बैठक में 1950 के प्रवासी निष्कासन अधिनियम के तहत एक नया स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) मंजूर किया गया। ▶10 पर

कई बैंकों से की गई 346 करोड़ की धोखाधड़ी

दिवालिया कंपनी के मालिकों और दलालों ने किया फ्रॉड

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। 346 करोड़ के बैंक फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दिल्ली, एनसीआर, तमिलनाडु और कर्नाटक में व्यापक छापामारी की। यह घोटाला बिजली क्षेत्र की कंपनी और उसके प्रवर्तकों की ओर से किया गया। गुरुग्राम स्थित हाइथ्रो पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), उसके निदेशकों अमूल गबरानी और अजय कुमार बिश्नोई के अलावा कुछ अन्य के खिलाफ ईडी की जांच चल रही है। एचपीसीएल कंपनी खुद को दिवालिया भी घोषित कर चुकी है और उसके लिक्विडेशन की प्रक्रिया भी चल रही है। दूसरी तरफ, कर्नाटक के

काले धन से अय्याशी: कांग्रेस विधायक ईडी के शिकंजे में

कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पर भी सौ करोड़ से अधिक की अवैध सम्पत्ति मामले में ईडी ने कार्रवाई की है।

धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज ईडी का मामला फरवरी 2025 में सीबीआई की ओर से दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है। प्रवर्तकों पर आरोप है कि उन्होंने ऋण राशि को अपनी कुछ संबद्ध संस्थाओं को हस्तांतरित कर दिया, जिससे बैंकों को नुकसान हुआ। ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने इस जांच के तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित पांच परिसरों, चेन्नई में तीन और बेंगलुरु में एक परिसर की तलाशी ली। शिकायतकर्ता बैंकों की ओर से घोषित कथित धोखाधड़ी की राशि 346.08 करोड़ रुपए है, जिसमें पीएनबी की ओर से 168.07 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक की ओर से 77.81 करोड़ रुपए, कोटक महिंद्रा बैंक की ओर से 44.49 करोड़ रुपए और यूनियन बैंक की ओर से 55.71 करोड़ रुपए शामिल हैं। यह धोखाधड़ी 2009 और 2015 के बीच हुई बताई गई है। एचपीसीएल एक विद्युत पारेषण और वितरण क्षेत्र की कंपनी है। यह विद्युत पारेषण लाइनों के लिए टर्नकी परियोजनाओं के डिजाइन, निर्माण और निर्माण में लगी हुई थी। यह आरोप है कि कंपनी के प्रवर्तकों और निदेशकों ने बहु-बैंकिंग व्यवस्था के तहत कंसोर्टियम के प्रमुख बैंक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से कुल 165.71 करोड़ रुपए की ऋण सुविधाएं प्राप्त कीं। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि बैंक गारंटियों को वित्तपोषित ब्याज सावधि ऋण (एफआईटीएल) में बदलने सहित कई पुनर्गठनों के बावजूद एचपीसीएल ने डिफॉल्ट किया और 31 मार्च, 2015 को इसे गैर-निष्पादित ▶10 पर

धर्म सपना दिखाता है और उसे साकार करने का मार्ग भी दिखाता है: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने बी टी लेआउट में पगलिया के पावन प्रसंग पर जीवन में धर्म का महत्व समझाते हुए कहा कि धर्म सपना दिखाता है और उसे साकार करने का मार्ग भी दिखाता है। जीवन जीने के दो मार्ग है, या तो खुद के लिए जीयो, या दूसरों के लिए जीयो। अगर आप अपने लिए नहीं जीते हो तो दूसरों के लिए जीते हो। यदि आप आपके लिए काम नहीं करते हो तो दूसरे के लिए काम करते हो। अपने लिए काम करने वाला, अपने सपनों के लिए काम करने वाला मालिक है। दूसरों के लिए काम करने वाला, दूसरों के सपनों के लिए काम करने वाला नौकर है। सेठ पैसे कमाता है, खुद

के लिए। मैनेजर पैसे कमा रहा है, सेठ के लिए। आप आपका जीवन खुद के लिए जीते हो या दूसरों के लिए, यह स्पष्ट कर लेना जरूरी है। दूसरों की स्वार्थपूर्ति के लिए जीने में आनंद नहीं होता। अपने सपनों के लिए जीयो। जीवन में एक श्रेष्ठ स्वप्न होना चाहिए। जब आप अपने अच्छे सपनों को साकार करने की कोशिश करोगे तो परोपकार अपने-आप होगा। सफल व्यक्तियों के जीवन में दो विशेषताएं देखने मिलती हैं। वे सपना देखते हैं जिसे और किसी ने नहीं देखा। वे अपने सपने को साकार करने के लिए - अपने-आपको समर्पित कर देते हैं। केवल सपने देखना काफी नहीं है। बिना सपनों की मेहनत और बिना मेहनत का सपना दोनों व्यर्थ होते हैं। इस दुनिया में बुद्धिशाली सपने देखने वालों की कमी है, लेकिन सौ में से अस्सी व्यक्ति अपने सपने पर काम नहीं करते। उन्हें अपने सपनों पर विश्वास नहीं होता। वे दूसरे लोगों की बातों के प्रभाव में अपने सपने की भद्धा छोड़ देते हैं। वे निष्फल ही रह जाते हैं। ऐसे लोगों का लक्ष्य स्पष्ट नहीं होता। वे सफल होना नहीं चाहते, सिर्फ दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि, मैं सफल हूं। काम करने जैसा है और मुझे काम करना है इन दोनों बातों में बड़ा अंतर है। आपके सपनों पर आपको विश्वास होना चाहिए, तब ही आपको काम करने की अंतः प्रेरणा मिलेगी। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ ट्रस्टी राजु भंडारी ने बताया कि साध्वीवृंद के पगलिया, प्रवचन और साधर्मिक भक्ति का लाभ बॉम्बे स्टेशनरी मुकेश कुमार, गौतम कुमार, विमल कुमार जैन और मनुबाई मोहनलाल सोलंकी राजेंद्र डिस्ट्रीब्यूटर, और संघवी भावेश सुरेश कुमार घेवरचंद बालगोत्र ने लिया। राजेन्द्र नवयुवक मंडल ने व्यवस्था में सहयोग किया।

पोस्टर प्रतियोगिता और रक्तदान शिविर का आयोजन

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो।
विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 2025 के अवसर पर एसडीएम फिजियोथेरेपी कॉलेज और श्री धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर विश्वविद्यालय द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता और रक्तदान शिविर प्रमुख आकर्षण रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, शिक्षाविद और एसडीएम डेंटल एवं साइंस कॉलेज की अकादमिक गवर्निंग कमेटी के सदस्य महेंद्र सिंघी ने कहा फिजियोथेरेपी दिवस केवल एक पेशे का उत्सव नहीं, बल्कि मानव सेवा और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने फिजियोथेरेपिस्टों को स्वास्थ्य सेवा वज्ञ गुमनाम नायक बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। महेंद्र सिंघी ने रक्तदान को 'करुणा और मानव सेवा की भावना का प्रतीक' बताते हुए कहा आज जो छात्र रक्तदान कर रहे हैं, वे वास्तव में

जीवन दाता हैं। एक छोटा सा दान किसी की पूरी जिंदगी बदल सकता है। उन्होंने पूज्य धर्माधिकारी डॉ. वीरेंद्र हेगड़े के नेतृत्व की भी सराहना की, जिनकी प्रेरणा से संस्था सेवा के कार्यों में अग्रणी बनी हुई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. निरंजन कुमार (कुलपति) ने की। इस अवसर पर पद्म लता निरंजन (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स सदस्य), साकेत शेट्टी (निदेशक प्रशासन), वी. जीवनधर कुमार (प्रो-वाइस चांसलर), डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बलराम नायक, डॉ. संजय परमार (प्राचार्य), डॉ. चिदेन्द्र शेट्टर (रजिस्ट्रार), डॉ. श्वेता कुलकर्णी (कार्यक्रम प्रभारी), डॉ. तुलसी कुलकर्णी (कार्यक्रम संयोजक) तथा महावीर कुंदुर (अध्यक्ष, संस्कार स्कूल) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों ने रचनात्मकता के साथ फिजियोथेरेपी की महत्ता, जागरूकता और मानव सेवा के संदेश को प्रस्तुत किया। यह आयोजन न केवल छात्रों के लिए एक शैक्षणिक अनुभव रहा, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी जागृत करने वाला सिद्ध हुआ।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी मंडल मंत्री पिंकी इसरानी के चमराजपेट स्थित निवास स्थान पर हुई। उन्होंने मंडल के सदस्यों का स्वागत किया। इस बार क्षमापना दिवस व न्यूमेरोलॉजी (विशेष में नंबर 9) पर चर्चा की गई, जो सभी के लिए रोचक और ज्ञानवर्धक रहे। जाने अनजाने में की गई भूल को क्षमा कर सभी जीवों से क्षमा याचना कर के ही अपने जीवन का उद्धार होगा। अपने सारे पाप निष्फल हो ऐसे कार्य ही करने चाहिए। हमेशा सभी का हित सोचना चाहिए। संतोष रायसोनी ने सभी सदस्यों को मेडिटेशन द्वारा क्षमापना कहने का प्रयोग कराया। सभी सदस्यों ने मीटिंग का भरपूर आनंद लिया और मनोरंजक खेलों में हिस्सा भी लिया। मंजू रायसोनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जहां झूठ नहीं वहां डर और चिंता नहीं:संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि जिसका जन्म हुआ है उसको मारना भी है। कच्ची और छोटी मौत होने पर खेद ज्यादा होता है। बूढ़ा मरता है तो खेद कम होता है। पेड़ का पत्ता और फल पेड़ से गिरता ही है। कोई छुएगा भी नहीं तो भी समय आने पर गिर जाएगा। जो पक गया है उसको गिरना ही है। जो सच्चा है वह डरता नहीं है। जो झूठा होता है वह हमेशा डरता रहता है। सच्चे को किसी चीज की

चिंता नहीं होती है। लेकिन जो झूठा है उसको हर समय चिंता और डर लगता रहता है। जिंदगी में कभी किसी को झूठ नहीं बोलना चाहिए। कम खाओ लेकिन सही मार्ग से कमा कर ही खाओ। गलत मार्ग से कमाई में लगोगे तो हर वक्त डर लगता रहेगा।

जहां झूठ है वहां डर है जहां सच है वहां कोई डर और चिंता नहीं है। जीवन में चिंता मुक्त रहने के लिए झूठ बोलने से बचना चाहिए। इस जग में कर्म से बलवान कुछ नहीं होता है। मनुष्य का जैसा कर्म होगा उसको वैसा ही मिलेगा। जब कर्मों का उदय होगा तो भुगतना पड़ेगा। रोने से भी कर्म छोड़ेगा नहीं। जैसा खेत में बीज बोओगे वैसा ही फल मिलेगा। इसलिए कहते हैं कि कर्म से बलवान कुछ नहीं है। समय और कर्म बलवान होता है। कर्म तीर्थंकर भगवंतों को भी नहीं छोड़ता है। एक झटके में सब कुछ खत्म हो जाता है। इस लिए मनुष्य को हमेशा सही मार्ग पर ही चलना चाहिए। मनुष्य कितना भी बलवान क्यों न हो लेकिन कर्म से बलवान कुछ नहीं होता है। पैसा रहे या ना रहे लेकिन संस्कार होना बहुत जरूरी है। संस्कारी मनुष्य समय के हिसाब से सब कुछ हासिल कर लेता है। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

सिंगापुर जैन मंदिर में प्रतिष्ठा महोत्सव के वरघोड़े में गूंजे सीमंधरस्वामी के जयकारे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कुआलालंपुर में जैन मंदिर में गुजराती एसोसिएशन के तत्वावधान में परमात्मा श्री सीमंधरस्वामी एवं गणधर श्री गौतमस्वामी के प्रतिष्ठा महोत्सव में जैन मित्र फाउंडेशन एवं जैन दोस्ती फेडरेशन द्वारा आयोजित मलेशिया सिंगापुर एवं थाईलैंड का अध्यात्म संग विश्व विहार के यात्रीगण बंगसर मलेशिया में आयोजित प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिन भव्य वरघोड़ा के आयोजन में सम्मिलित हुए। कुआलालंपुर के मुख्य आवासीय मार्गों से गुजरते हुए जैनम जयति शासन, वंदे वीरम् एवं त्रिशलानंदन वीर की जय बोलो महावीर की आदि नारों से गगन गुंजायमान करते हुए शोभायात्रा जैन मंदिर परिसर पहुंची।

तत्पश्चात अंतरराष्ट्रीय जैन विधिकारक मनोज बाबुमल हरण द्वारा गौतमस्वामी महापूजन संपन्न कराया गया। सायंकाल सिद्धेश्वर गुरुदेव के सानिध्य में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के संस्थापक ट्रस्टी व अध्यक्ष अशोककुमार सुराणा, दक्षिण शांतिसूरि धाम के महामंत्री विजयकुमार सुराणा, जैन मित्र फाउंडेशन एवं जैन दोस्ती फेडरेशन के अध्यक्ष मितेश सुराणा एवं मंत्री महेंद्र कटारिया आदि पदाधिकारीगण ने यात्रा संघ के विशिष्ट सहयोगी संघपति विनयकुमार, धीरज कुमार बच्छावत परिवार कून्नूर को माला, केसरिया पट्ट, चांदी का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। गुजराती एसोसिएशन के अध्यक्ष भास्कर चीतलिया, मंत्री दीपक दमानी आदि पदाधिकारीगण ने जैन मित्र फाउंडेशन एवं जैन दोस्ती फेडरेशन के पदाधिकारियों का अभिनंदन किया।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में, तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा आयोजित तेरापंथ के आद्यप्रवर्तक महामना आचार्य श्री भिक्षु के 223वें चरमोत्सव (भादवा शुक्ल त्रयोदशी) के उपलक्ष्य में तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर में एक भव्य धम्म जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ मुनि पुलकित कुमार जी द्वारा मंगलाचरण के साथ हुई। तपश्चात मुनि आदित्य कुमार जी द्वारा एक गीतिका का संगान किया गया तथा प्रज्ञा संगीत सुधा ने अपने आद्य प्रवर्तक गुरु भिक्षु स्वामी के प्रति भावांजलि अर्पित करते हुए भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुतिया अर्पित की, जिसने सभी को आध्यात्मिकता से सराबोर कर दिया। इस विशेष अवसर पर तेयुप साथी, किशोर मंडल, महिला मंडल एवं श्रावक-श्राविका समाज की व्यापक उपस्थिति रही। अभ्यर्थना एक क्रांति की 2.0 अंतर्गत सभी भिक्षु भक्तों ने उपवास व एकासन जैसे तप आराधनाएँ कीं। इस आयोजन को सफल बनाने में जप संयोजक प्रकाश सालेचा, तपोयज्ञ संयोजक मोहित सुराणा एवं प्रज्ञा संगीत सुधा संयोजक आदित्य सेठिया का विशेष योगदान रहा।

त्याग की हमेशा महिमा होती है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि त्याग की हमेशा महिमा होती है। सामर्थ्य होते हुए, अनुकूलता होते हुए स्वेच्छा से आसक्ति हटाना त्याग है। व्रत लेने की इच्छा ही श्रद्धा है। युवक जयमल ने मात्र एक प्रवचन सुना और जीवन भर के लिए संसार की सभी स्त्री जाति को मात्र मां और बहन की दृष्टि से ही देखने की भीष्म प्रतिज्ञा ले ली। ब्रह्मचर्य व्रत मन की पवित्रता का पुरुषार्थ है। ब्रह्मचर्य व्रत के आराधक को देवता भी नमन करते हैं।

प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि इस जगत में कोई भी किसी को तिरा नहीं सकता है। प्रभु मात्र मार्ग प्रदर्शक हो सकते हैं। पुरुषार्थ तो स्वयं को ही करना पड़ता है। मात्र चर्चा से मंजिल नहीं मिलती है। चर्या से मंजिल मिलती है। जैन कुल में जन्म लेना महत्वपूर्ण नहीं है। जैन बनने के लिए व्रत आराधक होना पड़ता है। रात्रि भोजन त्याग अपनी चर्या होनी चाहिए। यह शरीर, स्वास्थ और धर्म अनुकूल साधना है और साधु संतों के आहार दान में सहायक होती है। आज जिस तरह से रात्रि भोजन का आकर्षण बढ़ रहा है, ऐसा लगता है भविष्य में साधु संतों को सायंकाल भोजन दुर्लभ हो जाएगा। तन मन धन की पवित्रता के लिए हम सामिष निरामिष संयुक्त होटलों से परहेज रखें। प्रवचन सभा में सज्जन बाई लोढ़ा ने 16 उपवास की तपस्या पूर्ण की। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने उनका सम्मान किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

एक ज्ञानवर्धक और रोचक कार्यशाला का आयोजन

अंकशास्त्र के रहस्यों की अनोखी झलक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ के तत्वावधान में एक ज्ञानवर्धक और रोचक कार्यशाला, नंबर्स ऑफ ग्रेस, अंकशास्त्र के रहस्यों की अनोखी झलक का भव्य आयोजन, वेन्यू पार्टनर अरिहंत कॉलेज में किया गया। इसमें 200 सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रसिद्ध अंकशास्त्री और बिजनेस कोच रिंकु भंसाली ने सदस्यों को संबोधित किया और अंकों के रहस्यों से पर्दा उठाया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई। इसके बाद दीप प्रज्वलन की पावन रस्म सम्पन्न हुई, जिसमें प्रशिक्षक रिंकु भंसाली, जीतो महिला विंग के संयोजक प्रवीण सोफादिया, जेआईआईएफ एवं जे पॉइंट की संयोजक अनीता पिरगल, श्रमण आरोग्यम की संयोजक सुनीता गांधी तथा जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना जैसे विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया।

चेयरपर्सन बबिता रायसोनी ने सभी उपस्थितजनों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ न केवल ज्ञानवर्धक होती हैं, बल्कि सदस्यों को जोड़ने और जीवन के गहरे पहलुओं को समझने का अवसर भी देती हैं। गणित की क्लास में टीचर ने हमें संख्याओं से डराना सिखाया था, लेकिन आज वही संख्याएँ हमें ताकत और मार्गदर्शन देंगी। संख्या उलझन भी बन सकती है और समाधान भी, यह हमारे हाथ में है कि हम उसे कैसे देखें। जन्मतिथि से लेकर नाम तक, हर अंक हमारी कहानी कहता है। आज हम उन कहानियों

को सुनेंगे और समझेंगे। प्रशिक्षक रिंकु भंसाली का परिचय संयोजक प्रिया गांधी ने कराया। उन्होंने बताया कि रिंकु एक कुशल बिजनेस कोच और ख्यातिप्राप्त अंकशास्त्री हैं, जिन्होंने अंकशास्त्र के माध्यम से हजारों लोगों का जीवन मार्गदर्शन किया है। रिंकु ने अपने रोचक अंदाज, सहज उदाहरणों और हास्य के तड़के से पूरे सत्र को जीवंत बना दिया। उनकी प्रस्तुति इतनी प्रभावशाली थी कि सदस्य आरंभ से अंत तक मंत्रमुग्ध होकर सुनते रहे। रिंकु ने जन्मांक के अनुसार व्यक्तित्व की विशेषताएँ और जीवन के सबक विस्तार से समझाए। 1 अंक वाले, लीडर नेतृत्व क्षमता वाले, आत्मविश्वासी, व्यवसाय के लिए उपयुक्त होते है। 2, पीसमेकर, संवेदनशील, रचनात्मक, संतुलनकारी, पर निर्णय-क्षमता विकसित करनी होगी। 3 क्रिएटिव सोल, हँसमुख, दानशील, कला व संवाद में दक्ष, खुशियाँ फैलाने वाले। 4, बिल्डर मेहनती और स्थिर, पर भावुक। निर्णय दिमाग से लें और लेट गो की आदत डालें। 5 एडवेंचरर, स्वतंत्रता-प्रेमी, परिवर्तनशील परिस्थितियों में सफल, ऊर्जावान। 6 नरचरर, जिम्मेदार, प्रेमपूर्ण, परिवार-केंद्रित, अक्सर विलासी जीवन से सम्पन्न। 7, थिंकर, आध्यात्मिक व विश्लेषणात्मक। आत्मचिंतन के साथ लोगों से जुड़ाव भी आवश्यक।

8 अचीवर, महत्वाकांक्षी और शक्तिशाली। वित्त और नेतृत्व में दक्ष, पर किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें।

9 ह्यूमैनिटेरियन, दयालु और ऊर्जावान। ऊर्जा को सही दिशा में लगाने हेतु मार्गदर्शन और मेंटर की आवश्यकता। पर्याप्त पानी न पीने से स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं। इसके बाद रिंकु ने मास्टर नंबर्स की गूढ़ व्याख्या की। 11, दिव्यता और आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि का आशीर्वाद। 22 है मास्टर बिल्डर जो सपनों को वास्तविकता में बदलने की क्षमता रखता है।

33 है सबसे दुर्लभ संख्या, लक्ष्मी का प्रतीक और समृद्धि का द्योतक। रिंकु ने बताया कि कैसे पिछले जन्मों के कर्म इस जीवन में अंकों के रूप में परिलक्षित होते हैं। उन्होंने चार प्रमुख कर्मिक नंबर्स बताए। 13 है धन संबंधी चुनौतियाँ, अल्पकालिक व्यवसाय या कोर्ट केस से बचें। 14 हैं दूसरों का सम्मान आवश्यक, लापरवाही से विवाद और अल्जाइमर जैसी स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं। 16 है पिछले जन्म के रिश्तों की उलझन, सच्चा सुख दान, उपहार और आध्यात्मिकता में है। 19 है हमेशा दूसरों का आदर करें और उनके उत्थान में योगदान दें। उन्होंने यह भी बताया कि किसी व्यक्ति की जन्मतिथि 35 वर्ष तक जीवन का मार्गदर्शन करती है और 50 वर्ष तक व्यवसाय एवं करियर निर्णयों को प्रभावित करती है। परंतु सच्चा भाग्य और दिशा अंततः नेम न्यूमरोलॉजी पर निर्भर करते हैं। सत्र का संचालन निधि पालरेचा ने बड़े आत्मीय और ऊर्जा से भरे अंदाज में किया। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों और लीडरशिप बोर्ड की जानकारी भी साझा की।

को-कन्वीनर वनीता बचावत ने भावपूर्ण वोट ऑफ थैंक्स दिया और सभी उपस्थितजनों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष लता बोहरा व नीलम शांड, संयुक्त सचिव चंद्रा जैन, तथा प्रबंध समिति सदस्य संगीता सियाल, अंगिका बाफना, तरुणा मेहता, अर्पिता लधानी, हेमलता सोलंकी, रेखा विनोद जैन सहित अनेक सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राज्य सरकार को ताम-झाम बंद करके अयोग्य लोगों को बाहर निकालना चाहिए: विजयेन्द्र

मद्दुर घटना की हो न्यायिक जाँच

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान, भद्रावती विधायक का बयान - ये सब राज्य सरकार की ओर से आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने माँग की कि पुलिस की नाकामी आदि उजागर हो। इसके लिए मद्दुर घटना की न्यायिक जाँच होनी चाहिए। विपक्षी नेताओं और प्रमुख लोगों ने इस पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि हम भी जुलूस में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हम हिंदू संगठनों और कार्यकर्ताओं को हिम्मत देंगे। प्रभारी मंत्री चालुवरायस्वामी ने आपत्तिजनक बयान दिया है। मुख्यमंत्री ने बयान दिया है कि भाजपा सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का काम कर रही है। उन्हें तब जाग जाना चाहिए था जब साजिश रची जा रही थी, जब उन्होंने मस्जिद के अंदर जाकर पत्थर उठाया था। उन्होंने आपत्ति जताई कि अब वे हम पर और हिंदुओं पर आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री इसे राजनीति समझें, उन्हें कुछ और सोचने दें। हम अपना फर्ज निभाएँगे। अगर सरकार में जरा भी शराफत है, तो उन देशद्रोहियों पर गुंडा एक्ट लगा देना चाहिए जिन्होंने पत्थर इकट्ठा करके फेंके और गुंडों जैसा व्यवहार करने लगे। उन्हें बाहर निकाल देना चाहिए। निर्दोष हिंदू महिलाओं पर सिर्फ एफआईआर दर्ज करके हिंदू कार्यकर्ताओं को परेशान करना ठीक नहीं है। उन्होंने पुलिस पर एहतियात न बरतने का आरोप लगाया और कहा कि ये घटनाएँ उनकी लापरवाही का नतीजा हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि आपकी सत्त-ाधारी पार्टी के विधायक विदेश यात्रा पर हैं। ऐसे में उन्हें और मजा आ रहा है और विधायक कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हिंदू कार्यकर्ताओं को डरने की जरूरत नहीं है। सिर्फ बीजेपी ही नहीं, जेडीएस के लोग भी यहाँ आए हैं। हम सभी हिंदू संगठनों और कार्यकर्ताओं के पक्ष में हैं, चाहे वे किसी भी पार्टी से जुड़े हों। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य सरकार को खिलवाड़ करना बंद करना चाहिए और अयोग्य लोगों को बाहर निकालना चाहिए। हिंदू संगठनों और कार्यकर्ताओं को हाथ न लगाएँ। जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने पिछले दिनों हुई घटना की पूरी जानकारी दी है। उनके शब्दों के आधार पर, एक बात स्पष्ट है। जानकारी मिली है कि एक खास समुदाय के लोग कह रहे हैं कि हिंदुओं को उस गली में मार्च नहीं करना चाहिए। गणपति जुलूस भी नहीं निकलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने खुद गुंडों के व्यवहार का उल्लेख किया है। बदमाशों की हिंसा सड़कों पर उतरीं हिंदू महिलाओं के गुस्से से स्पष्ट है। यहाँ गांजा और अफीम का भी धंधा बहुतायत में चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर मद्दुर में ऐसा माहौल बनाया जाता है जहाँ हिंदू लड़कियों का सम्मान के साथ सड़क पर चलना असंभव है, तो यह अकेले दिखाता है कि देशद्र-ोही कैसे फल-फूल रहे हैं। अगर आप मुख्यमंत्री और मंत्रियों के बयानों को देखें, तो ऐसा लगता है कि वे हिंदुओं के वोट लिए बिना सत्ता में आ गए। उनका व्यवहार भी उन्हें बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने देशद्रोहियों पर आरोप लगाया कि उनमें से कुछ जिहादी मानसिकता से ग्रस्त हैं, इसीलिए उनकी हिम्मत बढ़ी है। उन्होंने माँग की कि राज्य सरकार दंगों की पूरी जिम्मेदारी ले। धार्मिक स्थलों के मुद्दे पर सरकार का व्यवहार लोगों ने देखा है। सरकार ने महिलाओं को चामुंडी हिल्स जाने से रोकने का दुस्साहस किया है। वे सत्ता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं और हिंदुओं पर अत्याचार कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि उनका पाप पूरा हो गया है। उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया कि आज नहीं, कल उनके लिए सड़कों पर चलना मुश्किल हो जाएगा। भाजपा मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी सबका साथ की नीति पर काम कर रहे हैं।

कर्नाटक में यातायात जुर्माने में छूट से 17 दिनों में 54 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार की लंबित यातायात जुर्माने पर 50 प्रतिशत छूट योजना को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, और केवल 17 दिनों में 54.30 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्र की गई है।

23 अगस्त से लागू यह योजना 12 सितंबर तक लागू रहेगी, जिससे वाहन मालिकों को कम दरों पर अपने लंबित बकाया का भुगतान करने का मौका मिलेगा।

राज्य सरकार ने लंबे समय से लंबित यातायात उल्लंघन जुर्माने के निपटान को प्रोत्साहित करने और यातायात नियमों के अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए 50 प्रतिशत छूट योजना शुरू की है। यह छूट केवल 11 फरवरी, 2023 से पहले ई-चालान प्रणाली में दर्ज उल्लंघनों पर लागू है।

इसमें सिग्नल जंपिंग, जेबरा क्रॉसिंग उल्लंघन, बिना हेलमेट वाहन चलाना, नंबर प्लेट उल्लंघन और नो-पार्किंग जुर्माना जैसे अपराध शामिल हैं। बेंगलूरु यातायात पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त से 8 सितंबर के बीच 19,36,556 लंबित मामलों में जुर्माना अदा किया गया, जिससे कुल 54 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्रित हुई। उल्लेखनीय है कि इस योजना के पहले ही सप्ताह में 28 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्र की गई, जो जनता की जबरदस्त प्रतिक्रिया को दर्शाता है।

वाहन मालिक अपने लंबित चालान ऑनलाइन देख सकते हैं और ऑनलाइन भुगतान, कर्नाटक वन, बेंगलूरु वन केंद्रों या पेटीएम ऐप के माध्यम से जुर्माना भर सकते हैं या बकाया राशि का भुगतान करने और रसीद प्राप्त करने के लिए वाहन पंजीकरण संख्या के साथ नजदीकी ट्रैफिक पुलिस स्टेशन जा सकते हैं।

50 प्रतिशत छूट की पेशकश 12 सितंबर को समाप्त हो जाएगी। इस तिथि के बाद, बकाया जुर्माना वाले वाहनों को पुलिस या परिवहन विभाग के अधिकारी जब्त कर सकते हैं, और मालिकों को पूरा जुर्माना भरना होगा। जब्त किए गए वाहन को छुड़ाने के लिए, मालिकों को अदालत में पेश होकर जुर्माना चुकाना होगा। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन मालिकों से इस सीमित समय के अवसर का लाभ उठाने और जल्द से जल्द अपना बकाया चुकाने का आग्रह किया है।

तुष्टिकरण के कारण लोग परेशान हैं: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री सबको एक साथ लाने का काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने गणेश विसर्जन के दौरान हो रही अप्रिय घटनाओं के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह स्थिति इसलिए आ रही है क्योंकि यह सरकार एकतरफा रुख अपना रही है। उन्होंने पूछा कि क्या यह सही है कि जो सरकार सबको समान और निष्पक्ष कहती है, उसका इस तरह व्यवहार करना सही है? हाल ही में गणेश विसर्जन के दौरान अनियोजित घटनाएँ हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि कांग्रेस ने अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए किसी तरह का तुष्टिकरण किया है, जिससे पूरे राज्य में लोगों को परेशानी हो रही है। आप गणेश विसर्जन की अनुमति भी नहीं दे रहे हैं। एसपी ने आदेश जारी किया है कि चित्रदुर्ग में कोई जुलूस नहीं निकलने दिया जाएगा। उन्होंने पूछा कि क्या आपको हमारे गाँव में हमें अनुमति नहीं देनी चाहिए?

नेपाल में दंगा प्रभावित काठमांडू हवाई अड्डे पर कन्नड़ लोग फंसे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के एक दंपत्ति समेत कई कन्नड़ लोग दंगा प्रभावित नेपाल हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं और बिना खाने के संघर्ष कर रहे हैं। दंपत्ति ने मीडिया को बताया कि वे नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं। बेंगलूरु के रजनी मस्की और रघुवीर यावगल ईशा फाउंडेशन के 130 लोगों के साथ मानसरोवर गए थे। लेकिन नेपाल में मौजूदा तनाव के कारण, वे 24 घंटे से ज्यादा समय से काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं। हमें समझ नहीं आ रहा कि क्या करें। हवाई अड्डा बंद कर दिया गया है। हमें बाहर जाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा न खाना है, न पानी और न ही खाने के लिए कुछ खरीदने के लिए कोई दुकान खुली है। हवाई अड्डे पर फंसे कई लोग कर्नाटक, खासकर बेंगलूरु से हैं। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि हर कोई घर लौटने के लिए मदद की गुहार लगा रहा है। हम रात करीब 10:30 बजे होटल पहुँचे। चारों तरफ धुआँ था, लकड़ी के तख्ते और टायर जल रहे थे। रजनी ने बताया कि सड़कों पर ज्यादा लोग नहीं थे। अगले दिन, मंगलवार को, वह हवाई अड्डे गए क्योंकि दोपहर 1 बजे बेंगलूरु के लिए एक उड़ान थी। लेकिन तब तक गेट बंद हो चुके थे। उन्होंने कहा कि उड़ानें रद्द होने की खबर से वह तंग आ चुके थे। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग हजार लोग मौजूद हैं, जिनमें से लगभग 200 कर्नाटक के हो सकते हैं। उन्होंने सभी कन्नड़ लोगों को सुरक्षित वापस लाने के लिए जरूरी कदम उठाने का आग्रह किया है। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश को काठमांडू हवाई अड्डे पर फंसे सभी कन्नड़ लोगों को सुरक्षित राज्य वापस लाने का निर्देश दिया है।

मद्दुर में कट्टरपंथियों द्वारा पथराव के जवाब में हिंदुओं ने जयघोष के साथ गणपति प्रतिमा का किया विसर्जन

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

मद्दुर में गणपति विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव की घटना से अशांत मांड्या जिले के मद्दुर तालुक में, हिंदू समर्थक संगठनों ने कड़ी सुरक्षा के बीच गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन कर शक्ति प्रदर्शन किया। मद्दुर और आसपास के दस गाँवों की 18 गणपति प्रतिमाओं सहित कुल 28 गणपति प्रतिमाओं को पुलिस की घेराबंदी और तलाशी के बीच, हिंदू युवकों के गगनभेदी जयकारों और नारों के बीच शिमशा नदी में विसर्जित किया गया। हिंदू संगठनों द्वारा शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखे जा रहे इस जुलूस में हिंदू युवकों की अप्रत्याशित उपस्थिति देखी गई और यह संदेश दिया गया कि सभी हिंदू एक हैं। भाजपा-जेडीएस नेताओं ने मद्दुर कस्बे में आयोजित गणपति विसर्जन का समर्थन किया था, जो राख से ढका हुआ था। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विधानसभा के दोनों सदनों में विपक्ष के नेता आर. अशोक, चलवाडी नारायणस्वामी, मैसूरु-कोडागु के सांसद यदुवीर वाडियार, विधायक चन्नबसप्पा, पूर्व मंत्री सी.टी. रवि, पुट्टाराजू, डॉ. अश्वथ नारायण, अभिनेत्री

सुमलता अंबरीश, पूर्व विधायक प्रीत गौड़ा, सुरेश गौड़ा, तमन्ना और दोनों दलों के अन्य प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे। यह शोभायात्रा सुबह 11.45 बजे मद्दुर शहर के काशी विश्वनाथ मंदिर से शुरू हुई और होलेबेडी, पेट स्ट्रीट, टीबी सर्कल, पुराने बेंगलूरु-मैसूरु रोड से होते हुए तीन किलोमीटर की यात्रा करते हुए कोल्ली सर्कल पहुँची और शिमशा नदी में विसर्जित कर दी गई। पूजा, होम, हवन जैसी परंपराओं के बीच, मूर्ति को शिमशा में विसर्जित किया गया। लगभग 3 किलोमीटर तक चली गणेश शोभायात्रा में डोल्लु कुनिता, वीरगासे, कंसाले और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बड़ी संख्या में युवा एकत्रित हुए और जय गणेश व जय विनायक के नारे लगाकर अपनी भक्ति प्रदर्शित की। हिंदू गणपति विसर्जन के उपलक्ष्य में पूरा मद्दुर कस्बा भगवा रंग में रंग गया। विनायक के भक्त मांड्या, श्रीरंगपटना, मालवल्ली और आसपास के तालुकों से बड़ी संख्या में पहुँचे थे। सुबह से ही बड़ी संख्या में कस्बे में पहुँचे युवा माथे पर तिलक, सिर पर रूमाल और भगवा शॉल ओढ़े जयकार के नारे लगा रहे थे। विजयेंद्र, अशोक और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आईबी सर्कल पर पूजा-अर्चना की और जुलूस को हरी झंडी दिखाई। जुलूस में शामिल हिंदू युवा अपने नेताओं को भी साथ लेकर चलते दिखाई दिए। जैसे ही जुलूस संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाकों से गुजरा, कुछ लोगों ने अचानक पटाखे फोड़कर जश्न मनाया।

राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा

विरोध प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए, विजयेंद्र, अशोक, सी.टी. रवि सहित कई लोगों ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। सरकार ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि आज हिंदू देवता गणेश की शोभायात्रा सरकारी तुष्टिकरण के कारण नहीं निकाली जा सकती। उन्होंने इस बात पर तीखा प्रहार किया कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था है या तालिबानी सरकार। जिहादी, जो इस मानसिक स्थिति में हैं कि वे चाहे कुछ भी करें, सरकार उनकी रक्षा करेगी, गणेश जुलूस पर पत्थर फेंकते हैं। नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार इसमें मदद कर रही है।

गणेश विसर्जन के दौरान पथराव से अशांत मद्दुर कस्बे में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने कड़ा पहरा लगा दिया था।

सामूहिक गणेश विसर्जन हो रहा है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एहतियात के तौर पर, सुरक्षा के लिए केएसआरपी, डीएआर और आरएएफ की टुकड़ियाँ तैनात की गईं। जुलूस से पहले, आईबी, दक्षिण क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक बोरलिंगैया, जिला पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी के नेतृत्व में पाँच पुलिस अधीक्षकों और चार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों सहित दो हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था।

कोर्ट ने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के आरोप में

कुमारस्वामी को जारी समन के आधार पर कार्यवाही जारी रखने की अनुमति दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 29 मई, 2005 को रामनगर तहसीलदार द्वारा केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को जारी समन के आधार पर कार्यवाही जारी रखने की अनुमति दे दी है। यह समन उन आरोपों के संबंध में है कि उन्होंने बेंगलूरु दक्षिण जिले के रामनगर तालुक के बिदादी होबली के केथागनहल्ली गाँव में अपनी स्वामित्व वाली भूमि से सटी सरकारी भूमि के कुछ हिस्सों पर अतिक्रमण किया है। मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की खंडपीठ ने एकपक्षीय अंतरिम आदेश पारित किया, जबकि एकल न्यायाधीश द्वारा पारित 19 जून के अंतरिम आदेश पर आंशिक रूप से रोक लगा दी। एकल न्यायाधीश ने तहसीलदार द्वारा जारी समन और 28 जनवरी, 2025 को जारी सरकारी आदेश (जीओ) पर रोक लगा दी थी, जिसमें कुमारस्वामी द्वारा कुछ सरकारी भूमि पर कथित

अतिक्रमण की जाँच के लिए एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। हालांकि, खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश के उस सरकारी आदेश पर रोक लगाने के आदेश में हस्तक्षेप नहीं किया जिसके माध्यम से एसआईटी का गठन किया गया था। कुमारस्वामी को नोटिस जारी करते हुए खंडपीठ ने कहा हम एकल न्यायाधीश द्वारा पारित विवादित आदेश पर 25 मई के समन पर अगली सुनवाई की तारीख 22 सितंबर तक रोक लगाते हैं। खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश तब पारित किया जब राज्य के महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने एकल न्यायाधीश के अंतरिम आदेश के खिलाफ सरकार द्वारा दायर अपील में तर्क दिया कि 28 जनवरी को जारी सरकारी आदेश में कर्नाटक भूमि राजस्व अधिनियम, 1964 की धारा 195 का गलत उल्लेख किया गया था और राज्य सरकार ने अपनी कोई भी शक्ति एसआईटी को नहीं सौंपी थी। महाधिवक्ता ने दावा किया कि तहसी-लदार द्वारा जारी समन केएलआर अधिनियम की धारा 28 के अनुसार तहसीलदार के माध्यम से जारी किया गया था। निस्संदेह, तहसीलदार को शपथ पर साक्ष्य लेने और किसी भी व्यक्ति को, जिसे वह किसी भी जाँच के लिए आवश्यक समझता है, बुलाने का अधिकार है, जिसके लिए अधिकारी को कानूनी रूप से अधिकार प्राप्त है। ऐसा प्रतीत होता है कि तहसीलदार के पास जाँच करने का अधिकार होने का कोई दावा नहीं है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि ''प्रथम दृष्टया एकल न्यायाधीश द्वारा समन पर रोक लगाना टिकने योग्य नहीं है और यदि तहसी-लदार द्वारा की जा रही जाँच पर रोक नहीं लगाई जाती है, तो कोई अपूरणीय क्षति नहीं होगी। कुमारस्वामी की ओर से एकल न्यायाधीश के समक्ष यह तर्क दिया गया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने के सरकारी आदेश का कानून की दृष्टि में कोई वैधानिक अस्तित्व नहीं है क्योंकि यह कोई अधिसूचना नहीं थी क्योंकि इसे आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित नहीं किया गया था।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मद्दुर मामले को भटकाने के लिए भाजपा की राजनीतिक साजिश: मंत्री

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो

कृषि मंत्री चेलुवरायस्वामी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने मांड्या जिले के मद्दुर में हुई घटना को एक अलग रूप देने की साजिश रची है। वे इसके लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमने पथराव के दोषियों के खिलाफ पहले ही कार्रवाई कर दी है। स्थिति नियंत्रण में है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीति भड़का रही है। जिले में सभी गणपति प्रतिमाओं का सामूहिक विसर्जन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि एडीजीपी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर डेरा डाले हुए हैं। गृह मंत्री और उन्होंने घटना की आगे की जाँच के आदेश दे दिए हैं। मंगलवार शाम एक शांति बैठक हुई। स्थानीय विधायक अपनी बेटी

केआगे की शिक्षा के लिए विदेश गए हैं। उन्होंने बताया कि उनकी अनुपस्थिति में, हमने एक शांति बैठक की है और लोगों से अपील की है कि सामूहिक गणेश विसर्जन के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए। भाजपा की प्राथमिकता मद्दुर दंगों को एक नए स्तर पर ले जाना है। राज्य सरकार ने दंगों के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि यह संदेश दिया गया है कि दोषियों के खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यहाँ हिंदू-मुस्लिम का कोई मेल नहीं है, पथराव करने वाले मुसलमानों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अभी तक हिंदू संगठनों और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है और न ही किसी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर आगे की जाँच में सबूत मिलते हैं, तो जरूरी कार्रवाई की जाएगी। हालाँकि सामूहिक विसर्जन के लिए गणेश प्रतिमाएँ उपलब्ध नहीं हैं, फिर भी उन्हें दूसरे जिलों से खरीदा जा रहा है। हम मद्दुर समेत पूरे जिले में शांतिपूर्वक गणेश विसर्जन की सुरक्षा करेंगे।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम भाजपा की राजनीति का करारा जवाब देंगे। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि भाजपा ने हमेशा सांप्रदायिक दंगे भड़काने और सांप्रदायिक भावनाओं के जरिए राजनीति करने की कोशिश की है, जब राजनीतिक रूप से चर्चा करने के लिए कोई मुद्दा नहीं होता। उन्होंने कहा कि वे अब भी उसी चलन पर चल रहे हैं।

बेंगलूरु से हुब्बल्ली-शिवमोग्गा तक यात्री ट्रेन सेवा फिर से शुरू करने का अनुरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नेलमंगला के रेल यात्रियों ने केंद्रीय मंत्री सोमन्ना से बेंगलूरु से हुब्बल्ली-शिवमोग्गा तक चलने वाली पैसेंजर ट्रेन को फिर से शुरू करने की अपील की है।

2019 से पहले, महालक्ष्मी फास्ट पैसेंजर, हुब्बल्ली-शिवमोग्गा, बेंगलूरु-हुब्बल्ली पैसेंजर, मैसूरु-बेलगावी एक्सप्रेस, विश्वमान्य एक्सप्रेस और बेंगलूरु-शिवमोग्गा ट्रेन नामक तीन पैसेंजर ट्रेनें नेलमंगला होकर चलती थीं। यह बहुत सुविधाजनक था। लेकिन कोरोना के कारण लॉकडाउन के बाद, इन ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया गया है। बेंगलूरु से नेलमंगला, त्यामगोंडलु, तुमकुरु आने वाले कई छात्र, शिक्षक, किसान, विभिन्न विभागों के कर्मचारी सहित कई लोग यहाँ के मंदिरों और मठों में जाने के लिए ट्रेन सेवा लेते थे। लेकिन अब ट्रेनों के चलने के समय में बदलाव किया गया है। यह इस क्षेत्र के यात्रियों के लिए सुविधाजनक नहीं है। सुबह के समय कोई ट्रेन नहीं चलेगी। इसलिए, उन्होंने अनुरोध किया है कि पहले चलने वाली 6 ट्रेनों को फिर से शुरू किया जाए। बेंगलूरु सिटी, मल्लेश्वरम, यशवंतपुर, चिक्कबनवारा, सोल-देवनहल्ली, गोल्लाहल्ली, भैरनायकनहल्ली, डोड्डाबेले, मुद्दलिंगनहल्ली, निदुवंडा, दबसपेट, हिरेहल्ली, कायथसंद्रा, तुमकुरु इलाकों में बड़ी संख्या में लोग रहते हैं और यात्री ट्रेनों के चलने से सुविधा होगी। इसलिए उन्होंने ट्रेनों को दोबारा शुरू करने की मांग की है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *केपी अग्रहारा में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा आयोजित अन्नमादेवी महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

ईडी केवल कांग्रेसियों को निशाना बना रही है: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कारवार विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक सतीश सैल को गिरफ्तार करने की कोई जरूरत नहीं थी। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आपत्ति जताई है कि सिर्फ कांग्रेसियों को ही चुन-चुनकर परेशान किया जा रहा है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उक्त विधायक के खिलाफ 2010 से मामला चल रहा है। अब उन्हें राजनीतिक कारणों से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेसियों के खिलाफ ऐसी गतिविधियाँ दुर्भावना से की जा

रही हैं। मांड्या जिले के मद्दुर में गणेश उत्सव के दौरान हुए दंगों पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह शहर में नहीं थे और ज्यादा जानकारी मिलने के बाद बयान देंगे। भाजपा के मद्दुर दौरे पर आपत्ति जताने वाले उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पास राजनीति करने के अलावा कोई और काम नहीं है। लोगों को बाँटना और आग लगाना ही उनका काम है। अगर भाजपा को जनता की चिंता है, तो उन्हें दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से धन प्राप्त करना चाहिए, नरेगा योजना का बकाया जारी करना चाहिए, कर वितरण में राज्य के साथ हुए अन्याय को ठीक करना चाहिए और मेकेदातु तथा महादयी योजनाओं को मंजूरी देनी चाहिए।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बेंगलूरु के विकास पर जिले के विधायकों के साथ एक बैठक बुलाई गई है। इस दौरान सिंचाई पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि बैठक में विशेष अनुदानों पर भी चर्चा होगी। मंत्री के लिए सिर्फ अपने निर्वाचन क्षेत्र का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें पूरे जिले का ध्यान रखना चाहिए। बेंगलूरु में कई निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस हार गई है। उन निर्वाचन क्षेत्रों में फिर से जीत हासिल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मंत्री को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। जवाहर लाल मंच देश के युवाओं को राजनीतिक समझ प्रदान करने में अच्छा काम कर रहा है। बेंगलूरु से 24 युवा नेताओं को राजस्थान में आयोजित हो रही राष्ट्रीय कार्यशाला में भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें वहाँ वर्तमान घटनाक्रमों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कांग्रेस विधायक से जुड़े 100 करोड़ रुपये के सट्टेबाजी मामले में ईडी ने 21 किलो सोना जब्त किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अवैध सट्टेबाजी और धन शोधन की चल रही जाँच में एक सनसनीखेज मोड़ तब आया जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कांग्रेस विधायक के.सी. वीरेंद्र पप्पी से जुड़े 21 किलो सोने के बिस्कुट सहित सोने का एक बड़ा भंडार बरामद किया। चल्लाकेरे स्थित एक बैंक पर छापेमारी के दौरान की गई इस जब्ती के साथ, इस मामले में जब्त की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। पहले से ही गिरफ्तार वीरेंद्र पप्पी को अब अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और बड़े पैमाने पर धन शोधन से जुड़े मामले में मुख्य आरोपी बनाया गया है। ईडी ने

कहा कि पप्पी ने अपने परिवार के सदस्यों और करीबी सहयोगियों के साथ मिलकर कई करोड़ रुपये मूल्य के उच्च-मूल्य वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई टिकट बुक किए, जो कथित तौर पर ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों से अवैध कमाई से वित्त पोषित थे। एजेंसी के अनुसार, इन लेनदेन के लिए भुगतान खच्चर बैंक खातों के एक नेटवर्क के माध्यम से किया गया था, जो सीधे अवैध सट्टेबाजी साइटों से प्राप्त राजस्व से जुड़े थे।

ईडी ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा इन उच्च-मूल्य वाले लेन-देन के लिए इस्तेमाल की गई धनराशि अवैध ऑनलाइन गतिविधियों से डायवर्ट की गई थी और उनके स्रोत को छिपाने के लिए कई मध्यस्थ खातों के माध्यम से भेजी गई थी। 6 सितंबर को, ईडी के अधिकारियों ने चित्रदुर्ग जिले के चल्लाकेरे में पप्पी के बैंक लॉकरों पर छापा मारा और कथित तौर पर एक्सिस बैंक की एक शाखा में भारी मात्रा में सोना छिपा हुआ पाकर दंग रह गए। जब्त किए गए सोने में 21.43 किलोग्राम 24 कैरेट सोने के बिस्कुट, 11 इकाइयों में फैले 10.98 किलोग्राम सोने से लेपित चांदी के बार और लगभग 1 किलोग्राम सोने के आभूषण शामिल हैं। ईडी ने अभी तक जब्त किए गए सोने के सटीक स्रोत का खुलासा नहीं किया है, जिसे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया है। ईडी ने पुष्टि की, इस जब्ती के साथ, इस मामले में जब्त की गई कुल आय का मूल्य अब 100 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। जांच में यह भी पता चला कि पप्पी कथित तौर पर किंग 567, राज 567, लायन 567, प्ले 567 और प्लेविन 567 जैसे नामों से कई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइटों का संचालन करता था। एजेंसी के अनुसार, इन प्लेटफार्मों के माध्यम से एकत्र किए गए धन को संसाधित करने और छिपाने के लिए कई भुगतान गेटवे का उपयोग किया गया था।

कुएं से तेंदुए के बच्चे को बचाया गया

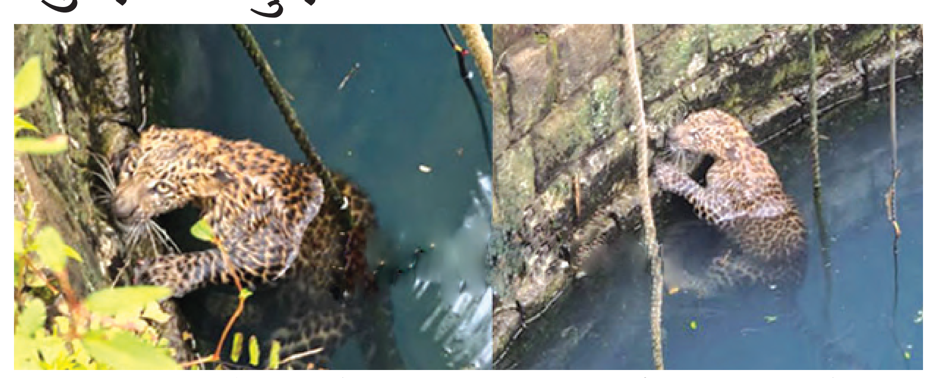

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मणिपुरा गाँव में सीएसआई चर्च के पास मंगलवार को एक कुएँ में गिरे एक तेंदुए के बच्चे को सफलतापूर्वक बचा लिया गया। यह घटना मणिपुरा ग्राम पंचायत के उपाध्यक्ष जॉन सेक्वेरा के भाई जैकब सेक्वेरा के बगीचे में स्थित कुएँ में हुई।

कुएँ में तेंदुए को देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत वन विभाग को सूचित किया। अधिकारी तुरंत मौके पर पहुँचे, बचाव अभियान चलाया और बाद में तेंदुए को सोमेश्वर वन्यजीव अभयारण्य में छोड़ दिया। जैकब सेक्वेरा अपने कुएँ में पानी का पंप देखने गए थे, जो काम नहीं कर रहा था। दोपहर में निरीक्षण के दौरान, उन्होंने पाया कि तेंदुआ कुएँ में फँसा हुआ है। यह शावक, जो लगभग 2-3 साल की मादा होने का अनुमान है, वन अधिकारियों, उडुपी एनजीओ के अक्षय शेट्टी और स्थानीय निवासियों के सहयोग से दो घंटे के अभियान के बाद बचा लिया गया। यह अभियान आरएफओ वारिजाक्षी के मार्गदर्शन में चलाया गया, जिसमें उप रेंज वन अधिकारी शिवानंद, वन रक्षक देवराज पान, रामचंद्र नायक, श्रीनिवास जोगी, मंजूनाथ और अखिलेश शामिल थे।

पुलिस ने मद्दुर में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तीन मामले दर्ज किए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मद्दुर पुलिस ने सोमवार को शहर में निकाले गए मार्च के दौरान कथित तौर पर उपद्रव फैलाने के आरोप में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। यह मार्च पिछली रात गणेश विसर्जन जुलूस पर हुए पथराव की घटना की निंदा करने के लिए निकाला गया था। मांड्या जिले के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी ने बताया कि पाँच लोगों के खिलाफ दर्ज एक मामला एक पूजा स्थल पर कथित तौर पर पथराव करने से संबंधित है, जबकि दूसरा मामला एक इलाके में लगाए गए झंडों और ध्वजों को फाड़ने में शामिल अज्ञात संख्या में लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि तीसरा मामला एक महिला के खिलाफ एक धार्मिक समुदाय के खिलाफ गाली-गलौज करने के आरोप में दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि रविवार रात मद्दुर शहर के राम रहीम नगर में गणेश प्रतिमा जुलूस पर पथराव की निंदा करने के लिए भाजपा और उसके प्रमुख संगठनों के आह्वान पर सोमवार को मद्दुर की सड़कों पर निकाले गए मार्च में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। मंगलवार को मद्दुर कस्बे में अशांत शांति रही क्योंकि अधिकारियों ने निषेधाज्ञा बढ़ा दी और कस्बे में सुरक्षा बढ़ा दी, जबकि सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज की निंदा में दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा आहूत बंद को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। हालांकि सुबह के समय कुछ दुकानें बंद रहीं, लेकिन दोपहर बाद अधिकांश व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कामकाज फिर से शुरू हो गया। हालांकि दिन के शुरुआती हिस्से में वाहनों की आवाजाही कम रही, लेकिन बसें और ऑटो सामान्य रूप से चलते रहे। बालादंडी ने कहा कि अधिकारियों ने मद्दुर में शराब की दुकानों को बुधवार तक बंद रखने का आदेश दिया है। पूरे कस्बे में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है और विशेष रूप से संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है, ताकि उपद्रवियों द्वारा शांति भंग करने के किसी भी प्रयास पर कड़ी निगरानी रखी जा सके। पुलिस अधीक्षक स्तर के चार अधिकारियों, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के तीन अधिकारियों, पंद्रह उपाधीक्षकों और तीस पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में लगभग 800 पुलिसकर्मी कस्बे की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे थे। कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस (केएसआरपी) की लगभग पंद्रह प्लाटून और जिला सशस्त्र रिजर्व (डीएआर) की दस प्लाटून भी तैनात की गई थीं।

कमिश्नर राजेंद्र चोलन ने सेंट्रल सिटी कॉर्पोरेशन का किया दौरा

अनाथ वाहनों की पहचान कर यातायात विभाग को सूची उपलब्ध कराने के निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आयुक्त राजेंद्र चोलन ने अधिकारियों को मध्य नगर निगम की सीमा में अनाथ वाहनों की पहचान कर यातायात विभाग को सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। यहां शिवाजीनगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का दौरा करते हुए उन्होंने कहा कि लंबे समय से सड़क किनारे खड़े अनाथ वाहन सुचारू यातायात के लिए काफी समस्याएँ पैदा कर रहे हैं। इस संबंध में, उन्होंने अधिकारियों को सड़कों पर अनाथ वाहनों की सूची तैयार कर यातायात विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बसंत नगर में माउंट कार्मेल के पास ऑटो टिपर मस्टरिंग पॉइंट का दौरा किया और 22 ऑटो और 5 कॉम्पैक्टर के चालकों और कर्मचारियों से बात की और उन्हें सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करके

ठीक से काम करने के निर्देश दिए। होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अपने परिसर को साफ-सुथरा रखने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए ताकि वहां कचरा या मलबा न हो। अगर वे इसका पालन नहीं करते हैं, तो उन पर सख्त जुर्माना लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने सलाह दी कि सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अपने परिसर को साफ-सुथरा रखने के लिए नोटिस दिए जाने चाहिए।

भवन निर्माण ठेकेदारों को फुटपाथ पर भवन का मलबा या निर्माण सामग्री नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने फुटपाथ पर रखकर नगर पालिका की संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वालों पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। फुटपाथ पर रखे ढीले पत्थरों और पत्थरों को हटाया जाए। केंद्रीय नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाले यातायात चौराहों पर यातायात सुचारू होना चाहिए। इस संबंध में, उन्होंने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी प्रमुख चौराहों को जोड़ने वाली सड़कों पर 200 मीटर की दूरी तक वाहनों का आवागमन गड्ढों, सतह की परतों और किसी भी असंतुलन के बिना सुचारू रूप से हो। मिलर ने देखा कि टैंक बंड रोड और जसमा देवी भवन रोड पर कारें खड़ी थीं। उन्होंने सुझाव दिया कि उन सड़कों की पहचान करने के लिए कदम उठाए जाएँ जहाँ इतनी लंबी पार्किंग होती है और पार्किंग नीति का उपयोग करते हुए पे एंड पार्क प्रणाली लागू की जाए। जसमा भवन रोड स्थित इंदिरा रसोई का दौरा किया और निर्देश दिया कि खाना पकाने के बर्तनों को हर समय ढका रखा जाए। उन्होंने खाना पकाने के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए।

ए–वन स्टील्स और बीएसपीपीएल विवाद में सेबी और एमसीए से हस्तक्षेप की मांग

मूल कंपनी को बताए बगैर लीज़ कंपनी ने बैंक से लिया सौ करोड़ का ऋण

650 करोड़ जुटाने के लिए आईपीओ लाने की जुगाड़ में लगी लीज़ कंपनी

बेंगलुरु, 10 सितंबर।
बसई स्टील्स एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड (बीएसपीपीएल) के निदेशकों में से एक के रविशंकर ने ए–वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड द्वारा कंपनी के मामलों में कॉर्पोरेट प्रशासन के उल्लंघन, नियामक निरीक्षण और वित्तीय गलतबयानी के बारे में गंभीर चिंता जताई है।

रविशंकर ने कहा कि जिसे सद्भावना के आधार पर बसई स्टील्स के महत्वपूर्ण शेयरधारकों में से एक बनाया गया था, वही तमाम अराजकताएं फैलाने में संलग्न है।

बसई स्टील्स एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक ने ड्राफ्ट रेफरी हियरिंग प्रॉस्पेक्टस में दिए गए गलत बयानों के आरोप लगाए हैं। बसई स्टील्स के बेल्लारी प्लांट–1 के लीज़ डीड के कानूनी दस्तावेज़, पंजीकरण और प्रावधानों को ताक पर रख कर ए–वन स्टील्स ने नियोजित तरीके से भ्रामक स्थिति पैदा की। बेल्लारी प्लांट–1 कभी भी ए–वन स्टील्स के स्वामित्व में नहीं था, लेकिन डीआरएचपी में इसके विपरीत दर्शाया गया है। ए–वन स्टील्स ने बसई स्टील्स की संपत्तियों को सुरक्षा के रूप में इस्तेमाल करते हुए बजाज फाइनेंस लिमिटेड से 100 करोड़ रुपए का टर्म लोन ले लिया। इसके लिए महत्वपूर्ण शेयरधारकों और केनरा बैंक सहित प्रमुख हितधारकों को आवश्यक नोटिस और जानकारी न देकर कानून का सीधा उल्लंघन किया गया।

इसके अलावा, ए–वन स्टील्स के दबाव में बसई स्टील्स के तथाकथित प्रबंधन ने संचार के अनौपचारिक साधनों का उपयोग करते हुए महज 55 मिनट का नोटिस देकर 07 अप्रैल 2025 को बोर्ड की बैठक आयोजित कर ली और उसमें पूंजी संरचना, लेखा परीक्षक परिवर्तन और कंपनी के नियंत्रण को प्रभावित करने वाले 16 एजेंडों पर निर्णय ले लिए गए। यह सचिवीय मानकों और कंपनी अधिनियम के प्रावधानों का आपराधिक उल्लंघन है।

बसई स्टील्स के निदेशक के. रविशंकर ने कहा, इस तरह तथ्यों को छिपा कर कंपनी की संपत्तियों का दुरुपयोग किया गया और तमाम निवेशकों के साथ–साथ भारत के प्रतिभूति बाजार को भी गुमराह किया गया। लिहाजा, इस मामले में तत्काल नियामक हस्तक्षेप ज़रूरी है। रविशंकर ने मर्चेंट बैंकर प्रभुदास लीलाधर कैपिटल की नाकामी पर भी गहरी चिंता जताई है।

यह ध्यान देने योग्य है कि ए–वन स्टील्स ने प्रतिभूति बाजारों से 650 करोड़ रुपए जुटाने के लिए दिसंबर 2024 में सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया था। इसके बाद, सेबी ने मई 2025 में बिना किसी अवलोकन के डीआरएचपी को मंज़ूरी दे दी।

विडंबना यह है कि जून और जुलाई 2025 में औपचारिक शिकायतें दर्ज होने के बावजूद, सेबी ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है, जिससे यह चिंता पैदा हो रही है कि महत्वपूर्ण मुद्दों को स्वतंत्र जांच के बिना खारिज किया जा रहा है। हितधारकों का आरोप है कि मई 2025 में ए–वन स्टील्स के डीआरएचपी को सेबी द्वारा मंज़ूरी देते समय संवेदनशील तथ्यों की अनदेखी की गई।

बसई स्टील्स में कॉर्पोरेट प्रशासन तंत्र की विफलता का मुद्दा भी एमसीए के समक्ष उठाया गया है। स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध होने के बाद खुदरा निवेशकों को होने वाले नुकसान को देखते हुए, निवेशकों की सुरक्षा और भारत के पूंजी बाजारों में कॉर्पोरेट प्रशासन मानकों को बनाए रखने के लिए मजबूत नियामक सतर्कता की तत्काल आवश्यकता है।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा अन्नदान का आयोजन

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा ने श्राद्ध पक्ष के अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम का हर्षोल्लासपूर्वक आयोजन किया। यह सेवा कार्य शाखा की अध्यक्षा शीतल जैन के नेतृत्व में लोअर टैंकमेंट स्थित गौशाला के बाहर सम्पन्न हुआ।शाखा मंत्री सुमन घोड़ेला द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सभी सदस्यों ने अपने–अपने घर से भोजन बनाकर लाया और लगभग 400 जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया। सभी की सक्रिय भागीदारी से यह कार्यक्रम

अत्यंत सफल रहा।कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व अध्यक्षा वर्षा मखाना, निवर्तमान अध्यक्षा रक्षा जैन, संरक्षक वीना जैन, पुष्पा कोठारी, संतोषी गुजरानी, मीना दुग्गड़, वंदना दुग्गड़, सीता गांधी, चंदा मोदी, ज्योति मखाना, बबीता शर्मा, उर्मिला ढल्ला, माया सेन, दुर्गा मालवीया, मधु शर्मा, शिल्पा जोशी, आशा लुणावत, संतोष चौहान, शीला धोखा, सुनीता डूंगरवाल, हंसा कतरी, सीमा खीवसरा, सरोज पुडवाल, अंजू बाफना, ममता चौरडिया एवं पूनम मनोत का विशेष सहयोग रहा ।

राजा सिंह ने किशन रेड्डी को दी चुनौती, कहा– मैं इस्तीफा नहीं दूंगा

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गोशामहल के विधायक राजा सिंह ने एक बार फिर अपने बयानों से राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह अपने विधायक पद से इस्तीफा नहीं देंगे और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह इस्तीफा देते हैं तो वह भी इस्तीफा देने को तैयार हैं।

मीडिया से बात करते हुए राजा सिंह ने कहा, मैं विधायक पद से इस्तीफा नहीं दूँगा। अगर किशन रेड्डी इस्तीफा देते हैं, तो मैं भी दे

दूँगा। फिर हम दोनों निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में एक साथ चुनाव लड़ सकते हैं। देखते हैं कि जनता किसे चुनती है।

उन्होंने राज्य में भाजपा की मौजूदा स्थिति के लिए सीधे तौर पर किशन रेड्डी को जिम्मेदार ठहराया। राजा सिंह ने वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष रामचंदर राव की भी आलोचना करते हुए उन्हें एक 'रबर स्टैंप' बताया। उन्होंने दावा किया कि पिछले तीन चुनावों में उनकी जीत में पार्टी का कोई समर्थन नहीं था, बल्कि यह गोशामहल की जनता का फैसला था।

राजा सिंह ने चेतावनी दी कि जब तक वर्तमान समिति सत्ता में है, भाजपा राज्य में दोबारा सत्ता हासिल नहीं कर सकती। उन्होंने यहाँ तक कहा कि अगर पार्टी किसी तरह सत्ता में आती है, तो वह राजनीतिक संन्यास लेने पर विचार कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह भाजपा नेता बने रहेंगे और उनका बीआरएस या कांग्रेस में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कुछ पार्टी नेताओं पर पद खोने के डर से चुप रहने का आरोप भी लगाया।

मोदी और मेलोनी ने व्यापार समझौते और यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत की

नई दिल्ली, 10 सिंतबर (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ बातचीत में भारत–यूरोपीय संघ व्यापार समझौते को जल्द संपन्न कराने में इटली के सहयोग तथा यूक्रेन में संघर्ष के जल्द समाधान के बारे में चर्चा की। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच टेलीफोन पर बातचीत के बाद श्री मोदी ने कहा कि दोनों देश भारत–इटली रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्रीमती मेलोनी ने भारत– यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के लिए इटली के समर्थन को दोहराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा , प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने भारत–इटली रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने की अपनी संयुक्त प्रतिबद्धता दोहराई तथा यूक्रेन में संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने में साझा रुचि दिखाई। पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत–यूरोपीय संघ व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने और भारत–पश्चिम एशिया–यूरोप गलियारे की पहल के माध्यम से संपर्क को बढ़ावा देने में इटली के सक्रिय सहयोग के लिए प्रधानमंत्री मेलोनी का धन्यवाद किया।

दिल्ली दंगा मामले में खालिद ने जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, 10 सिंतबर (एजेंसियां)।
वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में पिछले पांच वर्षों से जेल में बंद जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र उमर खालिद ने दिल्ली उच्च न्यायालय के जमानत नहीं देने के आदेश को बुधवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी।

गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार खालिद ने दिल्ली उच्च न्यायालय के दो सितंबर, 2025 के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में विशेष अनुमति याचिका दायर की।

नीतीश कुमार ईमानदार पर इर्द-गिर्द के कई मंत्री और अफसर भ्रष्ट: प्रशांत किशोर

बेगूसराय , 10 सिंतबर (एजेंसियां)।
बिहार के बेगूसराय में जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने पटना में दो दिनों से लाठीचार्ज पर कहा कि जो लाठी चार्ज करवा रहे हैं उनके पार्टी के नेता आपके गांव वोट मांगने जाएं तो उन्हें लाठी मारे या न मारे लेकिन उन्हें खदेड़ने का काम जरूर करें। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार ईमानदार हैं लेकिन उनके इर्द–गिर्द के पांच मंत्री और पांच अफसर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। वो ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में मकान खरीद रहे हैं। उन्हें जनसुराज का राज आने पर जेल भेजने का काम किया जाएगा।

दरअसल प्रशांत किशोर बुधवार को बछवारा विधानसभा के भगवानपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में बिहार बदलाव यात्रा पर पहुंचे थे। सभा के बाद पत्रकारों से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की जनता और युवा जब तक अपने अधिकार के लिए खड़े नहीं होंगे, जाति–धर्म के नाम पर लालू के डर से मोदी और मोदी के डर से लालू को वोट देते रहेंगे, तब तक बच्चों पर लाठी चलती रहेगी। बिहार के लोगों की जिम्मेदारी है कि जिस सरकार ने आपके बच्चों पर लाठी चलाया है, जब उसके नेता गांव आते हैं तो उस पर लाठी चलाइए या न चलाइए, उसको गांव से दौड़ा कर भगाइए। जिस तरीके से बच्चों को दौड़ाया गया, उसी तरह से नेता को दौड़ाइए।

प्रशांत किशोर ने कहा कि बड़े नेता और अफसर को चिह्नित किया जा रहा है, जब जन सुराज की सरकार बनेगी, तो उनके और उनके आने वाली पीढ़ी से बिहार से लूटे हुए पैसे का हिसाब किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचार चरम पर है, पैसा पर ऊपर तक जा रहा है। नीतीश कुमार चोर नहीं हैं, लेकिन उनके कैबिनेट के जितने मंत्री और अफसर हैं वो एक से बढ़कर एक भ्रष्ट हैं। सभी का कच्चा चिट्ठा पार्टी ने सामने रखा है। सबको मालूम है कि चार–पांच मंत्री और चार–पांच अधिकारी बिहार की जनता को लूट रहे हैं। बिहार के लोग खाए बगैर मर रहे हैं, गरीबों में जी रहे हैं और वो यहां से पैसा लूटकर ऑस्ट्रेलिया–इंग्लैंड में घर खरीद रहा है।

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार व्यक्तिगत तौर पर चोर नहीं हैं, ये कहने में कोई दिक्कत नहीं है। मनमोहन सिंह भी व्यक्तिगत रूप से ईमानदार थे, लेकिन यूपीए की उनकी सरकार को भ्रष्टाचार के लिए पूरे देश की जनता जानती है।

बिहार में जो चार भ्रष्ट मंत्री और अधिकारी हैं, चारों का नंबर एक साथ आ रहा है। भाजपा में दम है तो इसी मैदान पर आकर सभा कर लें पता चल जाएगा कि कौन फेसबुक और सोशल मीडिया का नेता है और कौन जमीनी नेता जाना जाता है। पप्पू यादव की ओर से गाली के सवाल पर उन्होंने कहा कि जिसका जो संस्कार है वही करेगा। बिहार क्रांतिकारियों की भूमि है, देश और राज्य में जो क्रांति हुई उसकी आवाज बेगू–सराय से गूंजी है।

नेपाल को लेकर बिहार के सीमावर्ती इलाके की सुरक्षा पर बैठक

पटना, 10 सिंतबर (एजेंसियां)।
नेपाल में हाल ही में हुए 'नशपन' द्वारा आंदोलन और जेल तोड़कर भागने की घटनाओं के मद्देनजर, बिहार सरकार ने सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने के लिए तत्काल कदम उठाए हैं। आज दिनांक 10 सितंबर, 2025 को बिहार के मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें नेपाल की सीमा से सटे सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य नेपाल की हालिया घटनाओं

से उत्पन्न होने वाली संभावित चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करना था। मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को कई महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से सीमा पार से बिहार में प्रवेश करने वाले सभी व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। किसी भी व्यक्ति को गहन जांच के बिना सीमा में प्रवेश न करने देने का सख्त आदेश दिया गया है। मुख्य सचिव ने राज्य के प्रतिष्ठित संस्थानों और महत्वपूर्ण आधारभूत संरचनाओं जैसे पुल, रेलवे स्टेशन, पावर प्लांट आदि पर भी कड़ी निगरानी रखने के लिए कहा, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। बैठक के दौरान, श्री प्रत्यय अमृत ने अधिकारियों को आश्वस्त किया कि किसी भी तरह की आपात स्थिति या अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होने पर वे सीधे उनसे या पुलिस महानिदेशक (ऊ्रझ) से संपर्क कर सकते हैं। यह निर्देश अधिकारियों को त्वरित निर्णय लेने और किसी भी परिस्थिति में देरी से बचने में मदद करेगा।

इस महत्वपूर्ण बैठक में पुलिस महानिदेशक विनय कुमार और अपर पुलिस महानिदेशक कुंदन कृष्णन भी उपस्थित थे। इसके अलावा, गृह विभाग के वरीय पदाधिकारी गण, सभी प्रमंडलीय आयुक्त, और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी, पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक इस बैठक से जुड़े थे।

एफटीए में घरेलू उद्योगों के हित के साथ निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की शर्त शामिल की जायेगी: गोयल

नई दिल्ली, 10 सिंतबर (एजेंसियां)।
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि विभिन्न देशों से साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर जारी वार्ताओं में भारत की ओर से घरेलू उद्योगों के संरक्षण के साथ निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का भी ध्यान रखा जायेगा।

श्री गोयल ने यहां वाहन डीलरों के महासंघ (फाडा) के सातवें वार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुये कहा, ''हम कई विकसित देशों के साथ एफटीए पर बात कर रहे हैं। भारतीय बाजार के बड़े आकार को देखते हुये कई कंपनियां भी यहां निवेश कर रही हैं। हम निश्चित रूप से घरेलू उद्योगों और घरेलू विनिर्माताओं की सुरक्षा करेंगे, उनकी मदद करेंगे, मेरी राय है कि हम निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को भी शामिल करेंगे।''

चुनाव आयोग ने लिया देशभर में एसआईआर शुरू करने की तैयारियों का जायजा

नई दिल्ली, 10 सिंतबर (एजेंसियां)।
बिहार की तरह देश भर में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लागू करने की दिशा में बुधवार को राष्ट्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को राजधानी दिल्ली में सभी राज्यों एवं केंद्र शासित क्षेत्रों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) के साथ बैठक कर इसकी तैयारियों की समीक्षा की। भारतीय अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में दिन भर चली इस बैठक का उद्घाटन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने किया। बैठक में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी शामिल थे। राज्यों के सीईओ का राजधानी में इस साल आयोजित होने वाला यह तीसरा सम्मेलन था। जिसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ मौजूद थे।

एससीओ की क्षेत्रीय परिषद ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली, 10 सिंतबर (एजेंसियां)।
शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्र प्रमुखों के बाद उसकी क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी परिषद (आरएटीएस) की बैठक में भी पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गयी है। सरकारी सूत्रों ने बुधवार को बताया कि किर्गिज्सतान के चोलपोन अता में परिषद की 44 वीं बैठक आज हुई। बैठक में सदस्य देशों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की। परिषद ने एससीओ के राष्ट्र प्रमुखों की तियांजिन में एक सितम्बर को हुई बैठक के बाद पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करने वाले घोषणा पत्र का भी समर्थन किया। तियांजिन में हुए शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हिस्सा लिया था।

किर्गिज़स्तान की अध्यक्षता में हुई आरएटीएस परिषद की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डिप्टी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार टीवी रविचंद्रन ने किया। उन्होंने बर्बर पहलगाम आतंकवादी हमले के प्रायोजकों, आयोजकों और वित्तपोषकों को जवाबदेह ठहराने की अपील की। उन्होंने सदस्य देशों का आह्वान किया कि सभी को आतंकवाद पर दोहरे मापदंड छोड़ने होंगे तथा सभी तरह के आतंकवाद से लड़ने का संकल्प लेना होगा।

पेपर व्यापार में जीएसटी की विसंगति पर व्यापारी चिंतित

द लखनऊ पेपर मर्चेंट्स एसोसिएशन ने जताई चिंता

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
लखनऊ पेपर मर्चेंट्स एसोसिएशन ने हाल ही में जीएसटी परिषद द्वारा एचएसएन 4802 (पेपर) पर दोहरे कर दर लागू करने के निर्णय पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। इस सिलसिले में एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना से मिला और आग्रह किया कि इस निर्णय को शीघ्र समीक्षा की जाए तथा सीबीआईसी एवं जीएसटी परिषद से कागज तथा एक्सरसाइज बुक पर एक समान दर से कर लागू करने का अनुरोध किया जाए, ताकि व्यापार, उद्योग और सुशासन के हितों की रक्षा हो सके। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय काबरा, उपाध्यक्ष मनोज तिवारी एवं सक्रिय कार्यकर्ता विष्णु अग्रवाल और उमेश गोयल शामिल थे।

एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि निल-रेटेड पेपर हेतु कोई भी व्यावहारिक व्यवस्था असंभव है। सरकार ने प्रस्ताव किया है कि अभ्यास पुस्तिकाओं के निर्माण हेतु आपूर्ति किए गए पेपर पर शून्य जीएसटी लगेगा, जबकि अन्य किसी भी प्रयोजन हेतु आपूर्ति किए गए उसी पेपर पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाएगा। एसोसिएशन ने इंगित किया है कि ऐसी आपूर्ति को सही ढंग से अलग-अलग करना संभव नहीं है क्योंकि मिल और वितरक अंतिम उपयोग की पुष्टि नहीं कर सकेंगे। इससे अनिवार्य रूप से दुरुपयोग, मुकदमेबाजी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा।

एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि यह एक अनोखी एवं अव्यवहारिक पहल की शुरुआत है। यद्यपि जीएसटी कानून में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां एचएसएन कोड के अंतर्गत अलग-अलग उत्पादों पर अलग-अलग दरें लागू हैं-जैसे चीनी बनाम खांडसारी, लकड़ी के फर्नीचर बनाम प्लास्टिक/लौह फर्नीचर, जीवन रक्षक दवाइयां बनाम अन्य दवाइयां-परंतु ये सभी उत्पाद भिन्नता पर आधारित हैं। पहली बार ऐसा हो रहा है कि उसी उत्पाद पर, उसी एचएसएन के अंतर्गत केवल अंतिम उपयोग के आधार पर भिन्न कर दरें लागू की गई हैं, जो अभूतपूर्व और अव्यवहारिक है।

बिल ऑफ सप्लाई से बड़ा जोखिम निल-रेटेड आपूर्ति के लिए विक्रेताओं को टैक्स इनवॉइस के स्थान पर बिल ऑफ सप्लाई जारी करना होगा। चूँकि बिल ऑफ सप्लाई पर ई-इन्वॉयसिंग प्रणाली लागू नहीं होती, यह भ्रष्टाचार और राजस्व हानि की संभावना बढ़ाता है। साथ ही मिलों, वितरकों और छोटे निर्माताओं पर अतिरिक्त अनुपालन का बोझ भी डालता है।

एसोसिएशन का दृढ़ मत है कि आगे बढ़ने का एक मात्र व्यवहारिक मार्ग यही है कि कागज और अभ्यास पुस्तिकाओं दोनों पर समान रूप से 5 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाए। एक समान 5 प्रतिशत जीएसटी दर से अनुपालन सरल होगा, दुरुपयोग रुकेगा और सभी हितधारकों-पेपर मिलों, वितरकों तथा कॉटेज उद्योग में कार्यरत लाखों छोटे अभ्यास पुस्तिका निर्माताओं-को लाभ होगा। साथ ही राज्य के राजस्व को भी कोई हानि नहीं होगी।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय काबरा ने कहा कि एसोसिएशन की यह मांग व्यापारियों और उद्योग के हित में पूरी तरह व्यावहारिक है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना जी ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि मामले को केंद्र सरकार तथा जीएसटी परिषद के समक्ष उचित रूप से रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार व्यापारियों की समस्याओं और व्यावहारिक कठिनाइयों को समझते हुए सकारात्मक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

डुंगरपुर केस में सपा नेता आजम खां की जमानत मंजूर

प्रयागराज, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
रामपुर के चर्चित डुंगरपुर केस में सपा नेता आजम खां की जमानत अर्जी इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली। रामपुर की एमपीएमएलए कोर्ट ने सपा नेता को 10 साल की सजा सुनाई थी। अपील लंबित रहने तक जमानत देने की गुहार लगाई गई थी, जिसे न्यायमूर्ति समीर जैन की कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

इस तरह समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आजम खां को बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली। चर्चित डुंगरपुर केस में एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान 10 साल की सजा सुनाई थी। सपा नेता ने इसके खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दाखिल की थी। अपील लंबित रहने तक जमानत की गुहार कोर्ट से लगाई थी।

12 अगस्त को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। बुधवार को कोर्ट ने आजम खां की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति समीर जैन की अदालत ने की।

जेल में बंद सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां की याचिका पर फैसला सुनाते बुधवार को उनकी जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद 12 अगस्त को फैसला सुरक्षित कर लिया था। रामपुर के चर्चित डूंगरपुर केस से जुड़े एक मामले में आजम खान ने रामपुर एमपी एमएलए कोर्ट से मिली दस साल की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की है। इस मामले में ठेकेदार बरकत अली ने भी सजा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की है।

दोनों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील के लंबित रहने तक जमानत देने की कोर्ट से मांग की थी। इस मामले में ठेकेदार बरकत अली की जमानत अर्जी भी हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली है। दोनों की क्रिमिनल अपील पर एक साथ हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। 30 मई 2024 को रामपुर एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खां को दस साल की सजा सुनाई थी। एमपी एमएलए कोर्ट से मिली सजा को आज़म खान ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। वहीं इस मामले में बरकत अली ठेकेदार को सात साल की सजा सुनाई गई थी। आजम खां की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता इमरान उल्लाह और मोहम्मद खालिद पक्ष रखा।

डूंगरपुर प्रकरण में अबरार नाम के व्यक्ति ने सपा नेता आजम खां, रिटायर सीओ आले हसन खान और ठेकेदार बरकत अली उर्फ फकीर मोहम्मद समेत तीन लोगों के खिलाफ अगस्त 2019 में रामपुर के थाना गंज में मुकदमा दर्ज कराया था।

शिकायतकर्ता अबरार के मुताबिक दिसंबर 2016 में आजम खान, रिटायर सीओ आले हसन खां और बरकत अली ठेकेदार ने उसके साथ मारपीट की थी।

घर में तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी भी दी थी। इसके साथ ही उसके मकान को तोड़ भी दिया था। तीन साल बाद 2019 में अबरार ने थाना गंज में मामला दर्ज कराया था।

इस मामले में एमपी एमएलए विशेष कोर्ट ने आजम खान को 10 साल और बरकत अली ठेकेदार को सात साल की सजा सुनाई थी। डूंगरपुर बस्ती में रहने वाले लोगों ने बस्ती को खाली कराने के नाम पर 12 मुकदमे दर्ज कराए थे। लूटपाट, चोरी, मारपीट समेत अन्य धाराओं में रामपुर के गंज थाने में मुकदमे दर्ज हुए थे।

टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ यूपी के शिक्षक

अक्टूबर में यूपी के शिक्षक दिल्ली कूच करेंगे

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
टीईटी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के आह्वान पर बुधवार को प्रदेशभर से शिक्षकों द्वारा पहले दिन ही 97890 पत्र प्रधानमंत्री के नाम भेजा गया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के आदेश के बाद प्रदेश भर के शिक्षक चिंतित और डरे हुए हैं। अगर केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय इस मामले में हस्तछेप नहीं करते हैं तो उनके सामने बड़ी विकट स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के आह्वान पर बुधवार को प्रदेश भर से शिक्षकों द्वार पहले दिन ही 97890 पत्र प्रधानमंत्री के नाम भेजा गया। यह कार्यक्रम 20 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान प्रदेशभर के शिक्षक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 25 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट देने की मांग करेंगे। संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा की 55 साल का शिक्षक कैसे परीक्षा पास कर पाएगा।

अब शिक्षक बच्चों को पढ़ाए या अब खुद पढ़े। उन्होंने कहा की केंद्र सरकार के कानून और सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से प्रदेश के काफी शिक्षकों की नौकरी पर संकट गहराया है। केंद्र सरकार व एनसीटीई चाहे तो शिक्षकों को राहत मिल सकती है।

अगर इस समस्या का समाधान नहीं निकलता है तो अक्टूबर में देश भर के शिक्षक दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना देंगे।दूसरी ओर एक शिक्षक संगठन की ओर से प्रदेश भर में जिला मुख्यालयों पर बुधवार को प्रदर्शन कर डीएम के माध्यम से पीएम को ज्ञापन दिया गया।

संगठन के सुशील कुमार पांडेय ने मांग की कि आरटीई लागू होने से पहले के शिक्षकों को इससे मुक्त रखा जाए। आरटीई एक्ट में संशोधन किया जाए। वहीं विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन 11 से 25 सितंबर के बीच पीएम और शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर इस मामले में हस्तक्षेप की अपील करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी ने हम पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को चुनौती देने के लिए अभियान चलाएंगे। प्रदेश महासचिव दिलीप चौहान ने कहा कि संगठन शिक्षकों के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ेगा।

मणिपुर की महिला और उसके नाइजीरियन दोस्त का कारनामा

शिक्षिका से ठग लिए 94.78 लाख रुपए

मुरादाबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
मुरादाबाद निवासी शिक्षिका से मणिपुर निवासी महिला और उसके नाइजीरियन साथी ने 94.78 लाख रुपए की साइबर ठगी कर ली। पुलिस ने दिल्ली से आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। मुरादाबाद के कटघर क्षेत्र में रहने वाली शिक्षिका से मणिपुर की महिला ने नाइजीरियन साथी के साथ मिलकर 94.78 लाख रुपए की साइबर ठगी की थी। मंगलवार को साइबर थाने की पुलिस ने दिल्ली में रह रही मणिपुर निवासी कोलसम सुनीता को गिरफ्तार कर साइबर ठगी का खुलासा किया।

टीम महिला के अन्य साथियों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने आरोपी महिला के पास से लैपटॉप, डेबिट कार्ड, मोबाइल, चेकबुक, सिमकार्ड और 20 हजार रुपए बरामद किए हैं।

एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि कटघर क्षेत्र में रहने वाली शिक्षिका ने साइबर थाने में 94.78 लाख रुपए ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच पड़ताल करते हुए साइबर पुलिस ने दिल्ली के उत्तमनगर ओम विहार में रह रही मणिपुर प्रदेश के चंदेल जिले के चापिकारोंग निवासी कोनसम सुनीता को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह नाइजीरियन युवक और अन्य ठगों के साथ मिलकर साइबर ठगी की घटना को अंजाम देती है।

वह मेट्रीमोनियल साइट पर नई-नई प्रोफाइल पर नजर रखती है। 25 जुलाई को शिक्षिका ने अपनी प्रोफाइल बनाई थी तो नाइजीरियन युवक ने शिक्षिका के पास एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप मैसेज भेजा। उसने अपना नाम डॉ. आरव सिंह बताते हुए कहा कि अमेरिका में जनरल सर्जन है। वह भारतीय लड़की से शादी कर भारत में ही बसना चाहता है। साइबर ठग ने शिक्षिका से कहा कि वह पार्सल भेज रहा है। शिक्षिका ने आरोपी महिला के बताए खाते में तीस हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। महिला ने दोबारा कॉल कर शिक्षिका को मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल भेजने की धमकी देकर 31 जुलाई से 18 अगस्त के बीच कुल 94.78 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए।

पुलिस ने आरोपी महिला के पास से लैपटॉप, डेबिट कार्ड, मोबाइल, चेकबुक, सिम और रकम बरामद की है। पुलिस ने आरोपी महिला को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। इस गिरोह के अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

मणिपुर के चंदेल जिले के चापिकारोंग निवासी कोनसम सुनीता ने पुलिस पूछताछ में बताया कि 15 साल पहले वह नौकरी की तलाश में दिल्ली आई थी। काफी प्रयास के बाद भी उसे नौकरी नहीं मिली। एक दिन दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास उसकी एक युवक से मुलाकात हुई। उसने नौकरी लगवाने की बात कही। इसके बाद महिला युवक के साथ चली गई। युवक और उसके साथी लोगों से साइबर ठगी करते थे। महिला ने कुछ दिन उनके साथ काम किया। बाद में उसकी मुलाकात नाइजीरियन युवक से हुई। इसके बाद महिला उसके साथ मिलकर लोगों को ठगना शुरू कर दिया।

साइबर ठगों के गिरोह में शामिल कोनसम सुनीता ने ही पूर्वोत्तर के राज्य अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और लोन दिलाने का झांसा देकर उनके दस्तावेज ले लिए थे। इसके बाद इन दस्तावेजों के जरिए बैंकों में खाते खुलवाए। इनके डेबिट कार्ड और चेकबुक अपने पास रख ली थी। फिर साइबर ठगी करने के बाद रकम इन खातों में मंगवाई जाती थी। फिर ऑनलाइन ही रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर देते थे।

संभल में एंटी टेररिस्ट स्क्वाड की यूनिट शुरू

आतंकी गतिविधियों की कई नई-पुरानी फाइलें खुलेंगी

संभल, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
संभल में एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) यूनिट का अस्थायी कार्यालय शुरू हो गया है। वर्ष 1990 के बाद से लापता हुए संभल के कई युवक आतंकवादी संगठनों में शामिल हो गए, तभी से खुफिया एजेंसियां लगातार नजर बनाए हुई थीं। अब एटीएस की इकाई उन सभी नई-पुरानी फाइलों को खंगालेगी और आवश्यक कार्रवाई करेगी।

एटीएस के अधिकारी ने बताया कि संभल के दो लोग आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की सजा भी काट चुके हैं। कई की तलाश देश की सभी बड़ी खुफिया एजेंसी कर रही हैं। एक आतंकी अमेरिका के हमले में मारा जा चुका और एक एक युवक आतंकवादी होने के आरोप में पाकिस्तान की जेल में बंद है।

इन गतिविधियों के कारण संभल जिला खुफिया एजेंसियों की रडार पर रहा है। दीपा सराय निवासी मोहम्मद उस्मान देश में आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का आरोपी है और 2023 से देश में भगोड़ा घोषित है। फिलहाल वह पाकिस्तान की जेल में बंद है। उस्मान के सम्पर्क संभल में किन लोगों से हैं इसकी छानबीन भी हो रही है। वर्ष 2005 में उसका नाम आतंकी गतिविधियों में सामने आया था। दिल्ली की स्पेशल सेल उसकी तलाश कर रही थी। लेकिन पता चला कि वह पाकिस्तान की जेल में बंद है।

दीपा सराय निवासी शरजिल और सईद अख्तर 1998 में लापता हुए थे। इन दोनों को ही दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल तलाश कर रही है। स्पेशल सेल के अनुसार यह दोनों आतंकवादी हैं और इनके पोस्टर भी दिल्ली के थानों में लगे हैं। इनके बारे में कोई सुराग नहीं मिला और यह जिंदा हैं या मर गए। इसकी भी पुष्टि 27 वर्ष के अंदर नहीं हुई। पहली बार जानकारी 2005 में सामने आई थी। जब खुफिया एजेंसियां इन लोगों के परिजनों से पूछताछ करने के लिए पहुंची। दीपा सराय निवासी मौलाना आसिम उमर उर्फ शन्नू अलकायदा का दक्षिण एशिया प्रमुख था। वह 1998 में संभल से लापता हुआ था। वर्ष 2016 में अमेरिका ने आतंकियों की सूची जारी की थी। इसमें उसका नाम शामिल था। वर्ष 2019 में अमेरिका के हमले में मारा गया। सूत्रों का कहना है कि मौलाना आसिम उमर जिस समय लापता हुआ था। उसके अगले पांच वर्ष के अंदर कई युवक लापता हुए थे। उनमें किसी की गुमशुदगी तक दर्ज नहीं हुई।

24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान बवाल हो गया था। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी। एसआईटी की छानबीन में सामने आया कि देश का बड़ा वाहन चोर शारिक साटा गिरोह के सदस्यों ने गोली चलाई थी। इन आरोपियों ने पाकिस्तानी कारतूस का इस्तेमाल किया था। तीन आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। शारिक साटा का नाम हवाला कारोबार, हथियार तस्करी से भी जुड़ा है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी सम्पर्क होने का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने नकली नोट के मामले में यह रिपोर्ट दर्ज की थी।

संभल के सपा सांसद ने खुद तोड़वाया गैरकानूनी घर

संभल, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने बिना नक्शा पास कराए निर्माण को हटवाना शुरू कर दिया है। एसडीएम विकास चंद्र के आदेश पर यह कार्रवाई हो रही है। बिना अनुमति निर्माण करने पर सांसद पर 1.35 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया था।

संभल से सपा के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने बिना नक्शा पास कराए मकान में जो निर्माण कार्य कराया, उसे अब हटवाना शुरू कर दिया है। मंगलवार को निर्माण हटाने का काम हुआ। एसडीएम विकास चंद्र के आदेश के बाद इसे हटवाया जा रहा है। संभल दंगे के दौरान यह मामला सुर्खियों में आया था। इस मामले में नियत प्राधिकारी/एसडीएम विनियमित क्षेत्र की ओर नोटिस जारी किया गया था, जिसमें कहा था कि आवास में बिना अनुमति के नवनिर्माण किया गया है और इसका नक्शा पास भी नहीं है। यह उत्तर प्रदेश रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट 1958 का उल्लंघन है। इसके चलते सांसद पर 1.35 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था, जिसे सांसद ने तत्काल ही भरवा दिया था।

एसडीएम/नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र, संभल विकासचंद्र ने बताया कि सांसद ने अपने आवास में कुछ निर्माण बिना मानचित्र स्वीकृत कराए कराया था। जिसकी सुनवाई पूरी करके इसे हटाने के आदेश दिए थे। साथ ही, जुर्माना भी लगाया था। सांसद ने इसे हटवाना शुरू कर दिया है।

संपादकीय

नेपाल में 'जेन-जेड' विद्रोह

नेपाल में जेनरेशन जेड के युवा आक्रोशित, आंदोलित और कुछ हद तक हिंसक होकर सड़कों पर ही नहीं, बल्कि संसद भवन के भीतर भी घुस गए थे। यह बगावत सोशल मीडिया पर थोपी गई पाबंदियों के मद्देनजर नहीं, बल्कि देश की 'म्यूजिकल चेयर सत्ताओं' के खिलाफ एक जन-विद्रोह है। देर रात प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार ने फेसबुक, व्हाट्स एप, एक्स, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब आदि 26 ऐप्स को पाबंदियों से मुक्त कर दिया, कई जगह कर्फ्यू भी उठा लिए गए, लेकिन जेन-जेड के युवा अब भी आंदोलित हैं। वे प्रधानमंत्री ओली की सरकार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। यह पीढ़ीगत फासलों और संक्रमण की लड़ाई है, द्वंद्व है। युवा देश में अपने प्रतिनिधित्व की सरकार चाहते हैं, ताकि उनकी तकलीफों को समझा जा सके। युवाओं का पलायन रोका जा सके। पढ़ाई और नौकरी के लिए उन्हें विदेशों में धक्के न खाने पड़ें। समग्रता में युवाओं का यह विद्रोह बेरोजगारी, महंगाई, व्यापक भ्रष्टाचार के खिलाफ है। उन्हें अब न तो प्रचंड का नेतृत्व चाहिए और न ही उन्हें ओली स्वीकार्य हैं। यह विद्रोह नेपाल में सत्ता-परिवर्तन की नई प्रस्तावना लिख सकता है। नेपाल में लोकतांत्रिक प्रणाली के प्रति भी जेन-जेड के युवाओं का मोहभंग इतना गहरा हो गया है कि वे राजशाही की बहाली के पक्ष में भी आंदोलित रहे हैं। बहरहाल नेपाल में अचानक उग्र हुए युवा विद्रोह में 20 मौतें हो चुकी हैं और करीब 500 युवा घायल हैं। पत्रकारों को भी गोली लगी है। यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। विद्रोह के कारण राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास और केंद्रीय प्रशासनिक क्षेत्र के आसपास कर्फ्यू लगाना पड़ा था। सुरक्षा बढ़ानी पड़ी थी। कर्फ्यू 7 शहरों में लगाया गया था। प्रधानमंत्री ओली की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई गई और गृहमंत्री रमेश लेखक ने नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिया। दरअसल नेपाल की सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया था कि सोशल मीडिया की सभी विदेशी कंपनियां सरकार के आदेश का अनुपालन करें और नेपाल में पंजीकरण करा स्थानीय प्रतिनिधियों की नियुक्ति करें। विदेशी कंपनियों ने इस फैसले को भी गंभीरता से नहीं लिया, नतीजतन सरकार को चीनी 'टिकटॉक' को छोड़ कर अन्य 26 ऐप्स को प्रतिबंधित करना पड़ा। नेपाल की आबादी करीब 3 करोड़ है, लेकिन करीब 1.65 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन हैं। लोग कोई न कोई सोशल मीडिया जरूर देखते हैं। सभी प्लेटफॉर्म निशुल्क हैं। ऐसे में जेन-जेड के युवाओं को लगा मानो उनकी आवाज दबा दी गई हो! नेपाल में बेरोजगारी दर 10.71 फीसदी है। महंगाई 5.2 फीसदी है। आर्थिक असमानता इतनी है कि 20 फीसदी लोगों के पास 56 फीसदी संपत्ति है। भाई-भतीजावाद और चहेतों को कुर्सी पर बिठाने से नेताओं के बच्चों की विदेशी यात्राएं, ब्रांडेड सामान, शान-ओ-शौकत की पार्टियां सोशल मीडिया पर चर्चित होने लगीं। फिलीपींस, इंडोनेशिया का 'नेपो बेबी' अभियान नेपाल में ही ट्रेंड करने लगा। सरकार ने पाबंदियां लगाईं, तो जेन-जेड ने इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश माना। बीते चार साल में तीन बड़े घोटाले सामने आए। करीब 55,000 करोड़ रुपए का 'गिरी बंधु भूमि घोटाला', करीब 14,000 करोड़ का 'ऑरेंटल कोऑपरेटिव घोटाला' और करीब 70,000 करोड़ रुपए का 'सहकारिता घोटाला' के अलावा वीजा, टेलीकॉम, पोखरा एयरपोर्ट आदि घोटाले भी चर्चा में रहे हैं। इनसे युवाओं का आक्रोश बढ़ता गया है। नेपाल के इस युवा विद्रोह पर अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस सरीखे पश्चिमी देशों ने भी चिंतित सरोकार जताया है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। नेपाल भारत का पड़ोसी देश है। हमारा 'रोटी-बेटी' का रिश्ता है। हमारे कई राज्यों की सीमाएं नेपाल से मिलती हैं। नेपाली नागरिक पढ़ने और छोटी-मोटी नौकरी करने भी भारत में आते हैं। अनुमान है कि करीब 50,000 नेपाली युवा भारत में आते-जाते रहते हैं। जो नेपाली युवा विदेशों में काम करते हैं और घर को पैसा भेजते हैं, वह नेपाल की जीडीपी का करीब 25 फीसदी है। सोचिए, नेपाली युवाओं की यह बगावत सत्ता के बूढ़ों के लिए कितनी खतरनाक साबित हो सकती है। नेपाल भारत पर इतना आश्रित है कि यदि हमारी सरकार मदद करना बंद कर दे, तो नेपाल त्राहिमाम करने लगेगा। बहरहाल आंदोलन अभी थमता नहीं लगता, क्योंकि जेन-जेड की मांग परिस्थितियों में बदलाव की है। अंततः प्रधानमंत्री ओली ने इस्तीफा भी दे दिया है।

नेपाल में लोकतांत्रिक प्रणाली के प्रति भी जेन-जेड का मोहभंग इतना गहरा हो गया है कि वे राजशाही की बहाली के पक्ष में भी आंदोलित रहे हैं। बहरहाल नेपाल में अचानक उग्र हुए युवा विद्रोह में 20 मौतें हो चुकी हैं और करीब 500 युवा घायल हैं। पत्रकारों को भी गोली लगी है। यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। विद्रोह के कारण राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास और केंद्रीय प्रशासनिक क्षेत्र के आसपास कर्फ्यू लगाना पड़ा था। सुरक्षा बढ़ानी पड़ी थी। कर्फ्यू 7 शहरों में लगाया गया था। प्रधानमंत्री ओली की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई गई और गृहमंत्री रमेश लेखक ने नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिया। दरअसल नेपाल की सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया था कि सोशल मीडिया की सभी विदेशी कंपनियां सरकार के आदेश का अनुपालन करें और नेपाल में पंजीकरण करा स्थानीय प्रतिनिधियों की नियुक्ति करें।

1990 के दशक में भारत ने उदारीकरण की राह पकड़ी और चीन पहले से ही वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति मजबूत कर चुका था

निवेश का नया दौर : भारत और चीन के बीच संभावनाओं की दिशा

शम्भू शरण सत्यार्थी

भारत, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन चुका है, इसी प्रक्रिया का एक बड़ा केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में जब चीन की 200 से अधिक कंपनियों ने भारत में निवेश करने की इच्छा जताई तो इस खबर ने आर्थिक गलियारों से लेकर राजनीतिक मंचों तक गहरी हलचल पैदा कर दी। यह महज पूँजी का मामला नहीं है बल्कि इसमें भविष्य की दिशा, भू-राजनीति और आत्मनिर्भरता का सवाल भी छिपा है। अगर हम इतिहास की ओर देखें तो भारत और चीन दोनों ही प्राचीन सभ्यताएँ रही हैं और व्यापारिक दृष्टि से एक-दूसरे के साथ लंबे समय तक जुड़े रहे हैं। रेशम मार्ग इसका सबसे बड़ा उदाहरण है जिसने न केवल वस्तुओं बल्कि विचारों और संस्कृतियों का भी आदान-प्रदान करवाया किंतु आधुनिक काल में जब 1962 का युद्ध हुआ, तो दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास की दीवार खड़ी हो गई।

आज की दुनिया उस मोड़ पर खड़ी है जहाँ कोई भी देश अपने दम पर लंबे समय तक आर्थिक विकास नहीं कर सकता। संसाधन कहीं और हैं, तकनीक कहीं और है और बाजार कहीं और। इस आपसी निर्भरता ने वैश्विक निवेश और साझेदारी को मजबूरी ही नहीं बल्कि आवश्यकता भी बना दिया है। भारत, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन चुका है, इसी प्रक्रिया का एक बड़ा केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में जब चीन की 200 से अधिक कंपनियों ने भारत में निवेश करने की इच्छा जताई तो इस खबर ने आर्थिक गलियारों से लेकर राजनीतिक मंचों तक गहरी हलचल पैदा कर दी। यह महज पूँजी का मामला नहीं है बल्कि इसमें भविष्य की दिशा, भू-राजनीति और आत्मनिर्भरता का सवाल भी छिपा है। अगर हम इतिहास की ओर देखें तो भारत और चीन दोनों ही प्राचीन सभ्यताएँ रही हैं और व्यापारिक दृष्टि से एक-दूसरे के साथ लंबे समय तक जुड़े रहे हैं। रेशम मार्ग इसका सबसे बड़ा उदाहरण है जिसने न केवल वस्तुओं बल्कि विचारों और संस्कृतियों का भी आदान-प्रदान करवाया किंतु आधुनिक काल में जब 1962 का युद्ध हुआ, तो दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास की दीवार खड़ी हो गई। इसके बावजूद आर्थिक वास्तविकताओं ने धीरे-धीरे इस दीवार में दरारें डालीं। 1990 के दशक में भारत ने उदारीकरण की राह पकड़ी और चीन पहले से ही वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति मजबूत कर चुका था। परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों में तेजी आई और आज स्थिति यह है कि चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। लेकिन तस्वीर इतनी सरल भी नहीं है। चीन ने पिछले चार दशकों में जिस चमत्कारी विकास को हासिल किया था, वह अब कई कारणों से थमने लगा है। चीन का घरेलू बाजार मंदी से गुजर रहा है, बेरोजगारी बढ़ रही है और पश्चिमी देशों के साथ उसके संबंध लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। अमेरिका और यूरोप ने चीन की कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, तकनीकी क्षेत्रों में उसे अलग-थलग करने की कोशिश की है और "चाइना प्लस वन" रणनीति के तहत कंपनियाँ अब केवल चीन पर निर्भर नहीं रहना

चाहतीं। उत्पादन लागत भी वहाँ बढ़ चुकी है। इन सब कारणों से चीन की कंपनियों को नए बाजारों और नए ठिकानों की तलाश है। भारत उनके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प बनकर उभर रहा है, क्योंकि यहाँ विशाल उपभोक्ता बाजार है, श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में है और राजनीतिक स्थिरता भी अपेक्षाकृत बेहतर है। भारत की स्थिति भी निवेश की दृष्टि से कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। यहाँ हर साल लाखों युवा शिक्षा पूरी करके नौकरी की तलाश में निकलते हैं लेकिन विनिर्माण क्षेत्र में पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। हमारी अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा सेवा क्षेत्र पर टिका हुआ है, लेकिन विनिर्माण क्षेत्र अभी भी अपनी क्षमता के अनुसार योगदान नहीं दे पा रहा। "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" जैसे अभियानों का उद्देश्य यही है कि भारत एक मजबूत औद्योगिक शक्ति बने परंतु विदेशी निवेश के बिना यह लक्ष्य पूरा करना कठिन है। ऐसे में अगर चीन की कंपनियाँ भारत में कारखाने लगाती हैं, उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करती हैं तो यह भारत के लिए एक अवसर साबित हो सकता है। अगर हम संभावित फायदों पर नज़र डालें तो सबसे पहला लाभ रोजगार के रूप में दिखाई देता है। लाखों युवाओं को सीधे-सीधे नौकरी मिलेगी और अप्रत्यक्ष रूप से भी अनेक अवसर पैदा होंगे। दूसरा लाभ तकनीकी हस्तांतरण का है। चीन ने मोबाइल निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और फार्मा जैसे क्षेत्रों में बड़ी प्रगति की है। अगर यह तकनीक भारत आएगी तो हमारी घरेलू कंपनियाँ भी इसे सीखेंगी और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाएँगी। तीसरा लाभ निर्यात क्षमता के रूप में सामने आएगा। भारत न केवल अपने उपभोक्ता बाजार को पूरा करेगा बल्कि इन कंपनियों के माध्यम से विदेशों में भी सामान निर्यात कर पाएगा। चौथा लाभ बुनियादी ढाँचे के विकास का होगा, क्योंकि जब निवेश आएगा तो सड़क, बिजली, पानी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में भी सुधार होंगे। और अंततः यह संभावना बनेगी कि भारत "दुनिया की फैक्ट्री" कहलाने वाले चीन की जगह खुद एक मैन्युफैक्चरिंग हब बन सके। लेकिन इन सबके बीच चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। सबसे बड़ा सवाल राष्ट्रीय सुरक्षा का है। चीन की कंपनियों पर कई बार डेटा चोरी और जासूसी के आरोप लगे हैं। ऐसे में भारत को सतर्क रहना होगा कि कहीं आर्थिक सहयोग सुरक्षा के लिए खतरा न बन जाए। दूसरा खतरा घरेलू उद्योगों पर असर का है। बड़े पैमाने पर उत्पादन करने वाली चीनी कंपनियाँ भारतीय लघु और मध्यम उद्योगों को कमजोर कर सकती हैं जिससे आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्रभावित होगा। तीसरा खतरा आर्थिक निर्भरता का है। अगर भारत बहुत अधिक चीन पर निर्भर हो गया और भविष्य में दोनों देशों के बीच कोई राजनीतिक विवाद हुआ तो भारत की स्थिति कमजोर हो सकती है। चौथा खतरा नीति और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए भारत को नीतियाँ स्पष्ट करनी होंगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना होगा अन्यथा निवेशक असुरक्षित महसूस करेंगे। दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों से भारत की तुलना की जाए तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। वियतनाम, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और ताइवान सभी इस दौड़ में हैं। वियतनाम की नीतियाँ और व्यापारिक सुगमता भारत से बेहतर मानी जाती हैं, बांग्लादेश वस्त्र उद्योग में बड़ा खिलाड़ी बन चुका है, ताइवान तकनीक में आगे है और चीन से दूरी बनाए रखना चाहता है परंतु भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है, जो इन देशों के पास नहीं है। यही कारण है कि चीन की कंपनियाँ भारत को प्राथमिकता दे रही हैं। अब प्रश्न उठता है कि भारत को किस तरह आगे बढ़ना चाहिए। सबसे पहली आवश्यकता है कि भारत निवेश का स्वागत तो करे, लेकिन शर्तों के साथ। रक्षा, संचार और डेटा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में चीन की कंपनियों को सीमित किया जाए। हर निवेश अनुबंध में तकनीकी हस्तांतरण की शर्त रखी जाए ताकि भारतीय उद्योग भी सीख सकें। छोटे उद्योगों को सुरक्षा कवच दिया जाए ताकि वे प्रतिस्पर्धा में टिक सकें। विदेशी निवेश की निगरानी के लिए स्वतंत्र एजेंसी बनाई जाए ताकि पारदर्शिता बनी रहे। अगर भारत इन शर्तों के साथ-निवेश स्वीकार करता है तो आने वाले दस-पंद्रह वर्षों में उसका चेहरा पूरी तरह बदल सकता है। पाँच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का सपना साकार हो सकता है, भारत मैन्युफैक्चरिंग हब बन सकता है और रोजगार का महास्रोत खुल सकता है। परंतु अगर हमने बिना सोचे-समझे आँख मूँदकर निवेश स्वीकार कर लिया तो भविष्य में हम वही गलती दोहरा सकते हैं जो कई छोटे देशों ने की जहाँ विदेशी कंपनियों ने स्थानीय उद्योगों को समाप्त कर दिया और अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण जमा लिया। इसलिए भारत को इस निवेश अवसर को अवसर की तरह ही लेना होगा, मजबूरी की तरह नहीं। निवेश तभी सार्थक है जब वह आत्मनिर्भरता, तकनीकी विकास और सामाजिक स्थिरता को मजबूत करे। यही निवेश का नया दौर है और यही भारत के लिए असली परीक्षा।

देश दुनिया से

सोशल मीडिया के जाल में फंसते युवा

मनुष्य की सभ्यता का इतिहास यदि हम गहराई से पढ़ें तो पाते हैं कि हर युग ने अपनी पहचान किसी न किसी माध्यम से रची है। कभी गुफाओं की दीवारों पर चित्र उकेरे गए, कभी ताम्रपत्रों और पांडुलिपियों पर शब्द रचे गए। मनुष्य ने जब से शब्द और विचारों को साझा करने की कला सीखी, तभी से उसके जीवन में संचार का महत्व बढ़ता चला गया। कभी चूल्हे के पास बैठकर, कभी गांव की चौपालों में, कभी नदी किनारे गीत गाकर और कभी दरबारों में गाथाएं सुनाकर लोग अपने अनुभव, अपनी भावनाएं और अपने विचार एक-दूसरे तक पहुंचाते रहे। कालांतर में जब लिपि और भाषा का विकास हुआ, तो संवाद और ज्ञान का नया संसार खुला। छपाई मशीन के आविष्कार से लेकर रेडियो, टेलीविजन और फिर इंटरनेट तक, हर युग ने इनसान को अपने-अपने तरीके से जोडऩे की कोशिश की। मनुष्य की सभ्यता की यात्रा हमेशा संचार और संवाद की नई विधाओं से जुड़ी रही है। जब आदिमानव ने पहली बार गुफा की दीवारों पर चित्र बनाए थे, वह अपने अनुभव और कल्पनाओं को स्थायी करने का प्रयास था। जिस तरह प्राचीन युग में गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई आकृतियां अपने समय की कहानियां कहती थीं, उसी तरह आज के समय में मोबाइल स्क्रीन पर स्क्रोल होती रीलें हमारे समाज और संस्कृति की गवाही देती हैं। किंतु फर्क इतना है कि गुफाओं की दीवारें स्थायी थीं, उनमें समय का धैर्य और सृजन का विस्तार था, जबकि आज की डिजिटल रीलें क्षणिक हैं, तेज हैं, और अक्सर सतहीपन के रंगों में रंगी होती हैं। यह अंतर ही हमें बताता है कि क्यों आज सोशल मीडिया, विशेषकर रीलों और पोस्टों ने हमारे युवा मन को गहराई से प्रभावित किया है। आज का युग सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का युग है। इक्कीसवीं सदी के आरंभ में इंटरनेट के आकाश में जो सबसे बड़ा सांस्कृतिक और सामाजिक विस्फोट हुआ, वह था सोशल मीडिया का जन्म जिसने पूरी दुनिया को 'वैश्विक गांव' में बदल दिया है। शुरुआत में इनका उद्देश्य सीधा था लोगों को जोडऩा, दूरियों को मिटाना और संवाद को आसान बनाना। इंटरनेट के इस आभासी संसार ने शुरुआती दौर में मित्रता, रिश्तों और विचारों को साझा करने का एक खुला मंच दिया। सोशल मीडिया की यात्रा लगभग दो दशक पुरानी है। बीसवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में जब इंटरनेट आम जीवन में दस्तक देने लगा, तब ही संवाद के नए रूप जन्म लेने लगे। 1997 में 'सिक्स डिग्रीज' नामक पहला सोशल नेटवर्किंग प्लेटफार्म सामने आया। फिर आईसीक्यू और याहू चैट जैसे माध्यमों ने लोगों को आपसी संवाद का नया स्वाद दिया। धीरे-धीरे इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और यूट्यूब ने चित्र, वीडियो

मनुष्य ने जब से शब्द और विचारों को साझा करने की कला सीखी, तभी से उसके जीवन में संचार का महत्व बढ़ता चला गया। कभी चूल्हे के पास बैठकर, कभी गांव की चौपालों में, कभी नदी किनारे गीत गाकर और कभी दरबारों में गाथाएं सुनाकर लोग अपने अनुभव, अपनी भावनाएं और अपने विचार एक-दूसरे तक पहुंचाते रहे। कालांतर में जब लिपि और भाषा का विकास हुआ, तो संवाद और ज्ञान का नया संसार खुला। छपाई मशीन के आविष्कार से लेकर रेडियो, टेलीविजन और फिर इंटरनेट तक, हर युग ने इनसान को अपने-अपने तरीके से जोडऩे की कोशिश की। मनुष्य की सभ्यता की यात्रा हमेशा संचार और संवाद की नई विधाओं से जुड़ी रही है।

और संगीत को जोडक़र संवाद को और अधिक आकर्षक बना दिया। भारत में यह यात्रा 2000 के दशक के अंत से तेजी पकड़ती है। पहले शहरों में साइबर कैफे के माध्यम से, फिर स्मार्टफोन के प्रसार और सस्ते इंटरनेट ने इसे गांव-गांव तक पहुंचा दिया। 2004 में फेसबुक और ऑर्कुट जैसी साइटों ने युवाओं को जोड़ा, तो 2006 में ट्विटर ने विचारों को 140 अक्षरों में बांधकर पूरी दुनिया में फैला दिया। इसके बाद यूट्यूब, ट्विटर और इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, स्नैपचैट ने इसे और व्यापक बना दिया। शुरू में लोग फोटो और छोटे संदेश साझा करते थे, लेकिन जल्द ही वीडियो का दौर आया। 2020 में इंस्टाग्राम ने रील्स की सुविधा शुरू की, जिसने युवाओं को 15-30 सेकंड की वीडियो के जरिए अपनी प्रतिभा, विचार और भावनाएं व्यक्त करने का नया मंच दिया। आज रील्स मनोरंजन, कला, शिक्षा और यहां तक कि रोजगार का बड़ा जरिया बन चुकी हैं। यह सब कुछ मात्र दो दशकों के भीतर हुआ, और इसने हमारे सोचने, बोलने, यहां तक कि जीने के ढंग को भी बदल दिया। साहित्यिक दृष्टि से देखें तो सोशल मीडिया एक नया 'महाकाव्य' है जिसकी पंक्तियां पोस्ट और रीलें हैं, जिसके कथावाचक करोड़ों लोग हैं और जिसकी कथा हमारी सामूहिक मानवता है। हिमाचल की पहाडिय़ों में जब कोई युवक अपनी मां की बोली में एक छोटा-सा वीडियो डालता है, तो वह केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि इस महाकाव्य का एक नया श्लोक जोड़ देता है। हिमालय की गोद में बसा हिमाचल प्रदेश भी इस वैश्विक लहर से अछूता नहीं रहा। जिन गांवों तक कभी केवल डाक से चि_यिां पहुंचती थीं, वहां आज स्मार्टफोन की स्क्रीन चमक रही है। एक समय था जब लोग अपनी कहानियां गांव की चौपाल, मेलों, त्योहारों, देव-यात्राओं, शादी-ब्याह, मंदिर के आंगन या रिश्तेदारों की महफिलों में साझा करते थे। संवाद का अर्थ था आमने-सामने बैठकर बात करना, आंखों में झांक कर जीवन की पीड़ा और सुख को समझना। लेकिन इक्कीसवीं सदी की शुरुआत से ही एक नया युग जन्मा, सोशल मीडिया का। फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसी साइटों ने केवल लोगों को जोडऩे का वादा नहीं किया, बल्कि उन्होंने एक नई सांस्कृतिक धारा को जन्म दिया रील संस्कृति। सोशल मीडिया केवल तकनीक का खेल नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना और सामाजिक मनोविज्ञान का हिस्सा है। रील्स और पोस्ट हमारी भावनाओं को आकर्षित करती हैं क्योंकि मनुष्य हमेशा कहानी सुनना चाहता है। जब कोई छोटी-सी रील हजारों बार देखी जाती है तो यह उसी परंपरा का विस्तार है जिसमें पहले गांव की चौपाल में लोग एक ही कथा बार-बार सुनते थे। फर्क केवल इतना है कि अब चौपाल आभासी हो गई है और कथा कहने वाला हर कोई बन सकता है। किन्तु इस यात्रा की एक और परत है, जो हमें सोचने पर मजबूर करती है। जब हम सोशल मीडिया पर रील बनाते हैं, सुंदर तस्वीरें डालते हैं, या ट्रेंडिंग म्यूजिक पर झूमते हैं, तब कहीं न कहीं हम वास्तविकता से थोड़ा दूर भी हो जाते हैं। रील की कृत्रिम चमक कई बार जीवन की असलियत को ढक देती है। युवा अब मोबाइल स्क्रीन पर पूरी तरह व्यस्त है। बहरहाल, सोशल मीडिया के कई सकारात्मक और नकारात्मक पहलू हैं।

कुछ अलग

घड़ियाली शुभाकांक्षी दिनों बाद...

पानी जिंदगी में दरवाजे पर रोज की तरह ये समय पानी लेकर दूधवाले के आने का होता है। पानी में दूध हो या न। पानी में दूध की शिकायत पर उसके पास हर रोज कोई न कोई नया लॉजिक उपलब्ध रहता है। शिकायतों की सीरीज में जैसे ही बीते कल फिर मैंने पतीले में पानी में मिला दूध लेते शिकायत की थी कि यार! पानी में ही आज भी दूध है तो उसने लॉजिक देते पूरे कांफिडेंस से कहा था, 'अब रोज रोज क्या कहूं जनाब! आप तो जानते ही हैं कि दिन रात पानी बरस रहा है। गाय को कितना भी छप्पर के नीचे बांध कर रखो पानी छप्पर से उस पर टपक ही जाता है। और वही पानी दूध में आ जाता है। मैं तो अपनी ओर से पूरी कोशिश करता हूं कि गाय पर बरसात का पानी न पड़े और सबको दूध ही दूध दूं, पर अब इसमें मेरा क्या दोष! ऊपर वाले से आपकी पहचान हो तो प्लीज! उससे बात कीजिएगा ताकि...।' बंधुओ! स्मार्ट आदमी के पास और कुछ हो या न, पर अपनी बदतमीजी को छुपाने के लिए कोई न कोई लॉजिक हर समय उपलब्ध रहता है। लॉजिक इलॉजिकल हो तो होता रहे। पर दरवाजा खोला तो दूधवाले के बदले सामने बड़े दिनों बाद दिखा बेगाना सा लगता मुस्कुराता हुआ एक चेहरा। मैं उसको बड़ी देर तक पहचानने की कोशिश करता रहा। कभी इस एंगिल से तो कभी उस एंगिल से उसका चेहरा ताकता रहा तो उसने ही अपना परिचय देते कहा, 'बंधु! मैं सूरज! कैसे हो? सब कुशल मंगल है न!' 'सो तो ठीक है, पर कौन सूरज?' मैं पूछता हुआ सिर में बाल न होने के बाद भी सिर के बालों के बीच खारिश करता रहा।

आप का नजरिया

फिलहाल 1500 करोड़

राहत बटोरने के परिश्रम में लगी हिमाचल सरकार के सामने कुछ बादल अवश्य छंटे हैं। आपदा से ग्रस्त हिमाचल ने अपनी फरियाद की जो किश्तियां चलाईं, उन पे बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंततः हिमाचल में राहत के टापू तक पहुंचे। कई दिनों की कसरतें, सत्ता-विपक्ष के प्रयत्न, सांसदों की चिट्ठियां और जनता की चीखो-पुकार के बीच प्रधानमंत्री ने 1500 करोड़ की राहत का पैगाम दिया है। गगल हवाई अड्डे पर एक उच्च स्तरीय बैठक, वकालत और दुख के दृश्य में तैरते मानवीय सवालों का उत्तर देते प्रधानमंत्री ने फिलहाल 1500 करोड़ का इंतजाम तो कर ही दिया। यह दीगर है कि अकेले सराज विधानसभा के नुकसान की ही पूर्ण भरपाई करनी हो, तो यह किस्त भी छोटी पड़ जाएगी, फिर भी राहत की एक गुंजाइश तो पूरी हुई। बारिश के बाद केंद्र से राहत की तैयारी तो शुरू हुई। राहत के अनेक पड़ाव हो सकते हैं और अगर पंद्रह सौ करोड़ की राशि एकमुश्त पेशकश बनती है, तो प्रदेश फौरी तौर पर पुनर्निर्माण के आरंभिक कदम ले पाएगा। प्रदेश में नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र को अभी अपनी उदारता, सदाशयता और ईमानदारी दिखानी होगी, क्योंकि अभी हिमाचल की आहें पूरी तरह सुनी नहीं गई हैं। शहर और गांव आज भी प्यासे हैं, क्योंकि जलापूर्ति की नब्बे फीसदी परियोजनाएं नष्ट हो चुकी हैं। इसी तरह सडक़ें भी सत्तर फीसदी बर्बाद हो चुकी हैं और कहीं-कहीं तो नामोनिशान भी मिट चुका है। कृषि क्षेत्र में सब्जियां और फसलें अब अगले सीजन तक अपनी हानि के मातम में हैं, तो ग्रामीण आर्थिकी पर यह कहर पूरी तरह टूट कर बरसा है। नुकसान का वास्तविक आकलन अभी नहीं हुआ है। यहां मानवीय आधार पर देखें तो कितने ही घर, कितने ही कुनबे, कितने ही गांव और बस्तियां तबाह हो चुकी हैं। राहत की व्याख्या को व्यापक आधार चाहिए। एक ओर अल्पावधि भरपाई है, तो दूसरी ओर दीर्घकालीन सहायता योजना की दरकार हिमाचल के भविष्य को रहेगी। प्रदेश का पूरा पर्यटन उद्योग मिट्टी में मिल गया है। ऐसे में राहत के सीमित दायरे को पुनर्वास की व्यापकता में दीर्घकालीन योजनाओं से जोडऩा होगा। थुनाग जैसे कस्बे को फिर से बसाने के लिए वहां एक टाउनशिप परियोजना की जरूरत है। पूरे प्रदेश की जल निकासी को एक खास प्रबंधन के तहत देखते हुए प्रमुख खड्डों, नालों व कूहलों के चैनलाइजेशन की जरूरत है। प्रदेश में निर्माण के मानदंड सुनिश्चित करते हुए केंद्र प्रदत्त योजनाओं की लागत का अनुमान बढ़ाना पड़ेगा। पूरे हिमालयी क्षेत्र की भूगर्भीय परिस्थिति, आर्थिकी तथा पर्यावरणीय सहयोग को देखते हुए भू-राजस्व तथा वन मिलकीयत के बीच एक नए रिश्ते का करार चाहिए। राज्य की 68 प्रतिशत वन भूमि के दबाव में ही निर्माण असुरक्षित स्थानों पर होने लगा है। वन भूमि किसी भी सूरत में 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए ताकि जंगलों के तहत मापी गई भौगोलिक दृष्टि से अति सुरक्षित तथा बंजर जमीनों को पुनर्वास, पुनर्निर्माण तथा आर्थिकी निर्माण के लिए उपलब्ध कराया जा सके। वन नीति के वर्तमान फार्मूले के कई घातक चिन्ह पैदा हुए हैं, अतः राज्य सरकार को आगे बढऩे तथा नागरिकों के बचाव की अनिवार्यता में वन संरक्षण अधिनियम के कुछ बाड़ हटाने पड़ेंगे। अंत में हिमाचल जैसे राज्य की तकदीर का फैसला अब वार्षिक फंडिंग के तहत अन्याय ही कर रहा है। एक लाख करोड़ के कर्ज तले दबे पर्वतीय राज्य को अटल सरकार की तरह आपदा,

आपदा से ग्रस्त हिमाचल ने अपनी फरियाद की जो किश्तियां चलाईं, उन पे बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंततः हिमाचल में राहत के टापू तक पहुंचे। कई दिनों की कसरतें, सत्ता-विपक्ष के प्रयत्न, सांसदों की चिट्ठियां और जनता की चीखो-पुकार के बीच प्रधानमंत्री ने 1500 करोड़ की राहत का पैगाम दिया है। गगल हवाई अड्डे पर एक उच्च स्तरीय बैठक, वकालत और दुख के दृश्य में तैरते मानवीय सवालों का उत्तर देते प्रधानमंत्री ने फिलहाल 1500 करोड़ का इंतजाम तो कर ही दिया। यह दीगर है कि अकेले सराज विधानसभा के नुकसान की ही पूर्ण भरपाई करनी हो, तो यह किस्त भी छोटी पड़ जाएगी, फिर भी राहत की एक गुंजाइश तो पूरी हुई। बारिश के बाद केंद्र से राहत की तैयारी तो शुरू हुई। राहत के अनेक पड़ाव हो सकते हैं और अगर पंद्रह सौ करोड़ की राशि एकमुश्त पेशकश बनती है, तो प्रदेश फौरी तौर पर पुनर्निर्माण के आरंभिक कदम ले पाएगा। प्रदेश में नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र को अभी अपनी उदारता, सदाशयता और ईमानदारी दिखानी होगी, क्योंकि अभी हिमाचल की आहें पूरी तरह सुनी नहीं गई हैं। शहर और गांव आज भी प्यासे हैं, क्योंकि जलापूर्ति की नब्बे फीसदी परियोजनाएं नष्ट हो चुकी हैं। इसी तरह सडक़ें भी सत्तर फीसदी बर्बाद हो चुकी हैं और कहीं-कहीं तो नामोनिशान भी मिट चुका है। कृषि क्षेत्र में सब्जियां और फसलें अब अगले सीजन तक अपनी हानि के मातम में हैं, तो ग्रामीण आर्थिकी पर यह कहर पूरी तरह टूट कर बरसा है।

कनेक्टिविटी, आर्थिकी व पर्यटन जैसे पैकेज तुरंत मिलने चाहिएं। सरकार और विपक्ष ने मिलकर प्रधानमंत्री से जो हासिल किया है, वह अभी थोड़ा है, बहुत अभी बाकी है।

दृष्टि कोण

क्यों हुई बाढ़ से इतनी तबाही?

देश के अनेक राज्य पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश समेत देश के कई इलाके भारी बारिश और बाढ़ का सामना कर रहे हैं। इस बार पंजाब और हिमाचल में आई बाढ़ ने इन्हें आर्थिक तौर पर काफी पीछे धकेल दिया है। इसे पिछले कई सालों की सबसे भीषण बाढ़ माना जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि अब तक सैंकड़ों गांव पानी में डूब चुके हैं, लाखों लोग बेघर हो गए हैं और हजारों एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हो गई है। सडक़ों, पुलों और घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। यह राष्ट्रीय आपदा से कम नहीं है। भारत में बाढ़, एक बार-बार आने वाली घटना रही है और इससे जान-माल, आजीविका प्रणालियों, बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक उपयोगिताओं को भारी नुकसान होता है। भारत की उच्च जोखिम संवेदनशीलता इस तथ्य से उजागर होती है कि 3290 लाख हेक्टेयर के भौगोलिक क्षेत्र में से 40 मिलियन हेक्टेयर बाढ़ की चपेट में है, जो कि 12 फीसदी है। राज्यवार अध्ययन से पता चलता है कि देश में बाढ़ से होने वाली क्षति का लगभग 27 प्रतिशत बिहार में, 33 फीसदी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में और 15 फीसदी पंजाब और हरियाणा में होता है। हिमाचल प्रदेश में भी इस बार बाढ़ और बारिश ने भारी नुकसान किया है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, मानव जीवन और उद्योगों को क्षति पहुंची है। सेब उद्योग के अलावा होटल और पर्यटन उद्योग भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 4 सितंबर को हिमाचल प्रदेश में आई बाढ़ के दौरान पानी में बहते लकड़ी के ल_ों के वीडियो का संज्ञान लेते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि हिमालयी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई हो रही है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की खंडपीठ ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा, 'हमने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी है। मीडिया रिपोट्र्स से यह भी सामने आया कि बाढ़ के

दौरान बड़ी संख्या में लकड़ी के ल_ बहते हुए दिखे। प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि पहाड़ों में अवैध पेड़ कटाई हो रही है।' पिछले दो महीनों में मौसम से जुड़ी घटनाओं में देश के अलग-अलग हिस्सों में अनेक लोगों की मौत हुई है और कई लापता हैं। इस तबाही का क्या कारण है? विश्लेषकों के मुताबिक हीट वेव और मानसून के पैटर्न में हो रहे बदलाव का कारण पृथ्वी का गर्म होना है। इन एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स और जलवायु परिवर्तन में सीधा संबंध है। अभी मौसम की वजह से जो आपदाएं आ रही हैं, ये सीधे तौर पर जलवायु परिवर्तन का असर है। 1950 से 2015 के बीच मध्य भारत में एक दिन में 150 मिलीमीटर से अधिक वर्षा की घटनाएं 75 फीसदी तक बढ़ गई हैं। साथ ही, शुष्क अवधि भी पहले से अधिक लंबी हो रही है। इन प्राकृतिक आपदाओं का असर लोगों के जीवन और कारोबार पर भी पड़ रहा है। भूस्खलन की वजह से फसलों को नुकसान हुआ है। सडक़ें और पुल बह जाने से कई इलाकों में आवागमन ठप हो गया है। पिछले डेढ़ दशक में तापमान में निरंतर वृद्धि देखी गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक भीषण गर्मी पहले भी पड़ती थी और भारी बारिश भी होती थी, लेकिन पिछले कुछ सालों से इसकी इंटेंसिटी और फ्रीक्वेंसी दोनों बढ़ी हैं। खासकर हीट वेव के मामले में। इससे एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स की फ्रीक्वेंसी और इंटेंसिटी बढ़ रही है। इसका सीधा संबंध ग्लोबल वॉर्मिंग से है। अगर तापमान एक डिग्री बढ़ता है तो वायुमंडल की नमी और भाप को रखने की क्षमता 7 प्रतिशत बढ़ जाती है।

पाक के खैबर पख्तूनख्वा में सेना ने टीटीपी कमांडर अलीमुल को मार गिराया, 8,000 से ज्यादा आतंकी अभी भी मौजूद

इस्लामाबाद,10 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू के जानी खेल इलाके में एक अभियान में प्रतिबंधित टीटीपी गुल बहादुर समूह के प्रमुख कमांडर को मार गिराया। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। इस बीच, सरकारी अधिकारियों ने खुलासा किया है कि खैबर पख्तूनख्वा में 8,000 से अधिक तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी मौजूद हैं। रक्षा सूत्रों ने बताया कि मारे गए आतंकवादी की पहचान अलीमुल हक के रूप में हुई है, जिसे जानी में कमांडर मंसूर के नाम से भी जाना जाता है। वह सेना के खिलाफ हमलों का सीधा नेतृत्व कर रहा था। उसने हाल ही में तोची चेकपोस्ट को अवरुद्ध करने का प्रयास किया था। अभियान के दौरान सुरक्षाकर्मियों और आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। कमांडर मंसूर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। द न्यूज इंटरनेशनल अखबार के अनुसार, सरकारी अधिकारियों ने एक चिंताजनक खुलासा करते हुए कहा है कि खैबर पख्तूनख्वा में 8,000 से ज्यादा टीटीपी के आतंकवादी सक्रिय हैं। ये आतंकवादी पड़ोसी अफगानिस्तान से सीमा पार करके देश में घुस आए हैं और पेशावर, टैंक, डेरा इस्माइल खान, बन्नू, लक्की मरवत, स्वात, शांगला और अन्य जिलों में मौजूद हैं।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने सीपीईसी रोड, डी खान-बन्नू रोड और टैंक में चौकियां बना रखी हैं। ये आतंकवादी आम लोगों में शरण लेते हैं और सुरक्षा बलों पर हमला करते हैं। यह चिंताजनक खुलासा ऐसे समय पर हुआ है जब पड़ोसी अफगानिस्तान की सीमा से लगा ख़ैबर पख़्तूनख़्वा प्रांत, बलूचिस्तान के साथ-साथ आतंकवादी घटनाओं का दंश झेल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर की अध्यक्षता में आयोजित जिरगा में कबायली नेताओं ने अफगानिस्तान से आतंकवादियों की घुसपैठ पर निराशा व्यक्त की है। कबीलाई नेताओं ने मांग की है कि मुख्यमंत्री अफगान सरकार के समक्ष घुसपैठ का मुद्दा उठाएं।

न्यूज ब्रीफ

रूस पर निर्भर हंगरी ने शेल से 10 साल का गैस समझौता किया

बुडापेस्ट। रूस से ऊर्जा आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर हंगरी ने ब्रिटेन की ऊर्जा कंपनी शेल के साथ 10 साल का नया गैस आपूर्ति समझौता किया है। हालांकि हंगरी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह कदम रूस से दूरी बनाने या रूसी गैस पर निर्भरता कम करने के लिए नहीं है। पश्चिमी साझेदार के साथ अब तक का सबसे बड़ा सौदा, लेकिन रूसी आपूर्ति बनी रहेगी मुख्य आधार हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने मिलान में एक गैस सम्मेलन के दौरान बताया कि यह अब तक का पश्चिमी साझेदार के साथ सबसे लंबी अवधि और सबसे बड़ी मात्रा का अनुबंध है। इस समझौते के तहत 2026 से शुरू होकर 10 वर्षों तक हंगरी को कुल दो अरब घनमीटर गैस की आपूर्ति होगी। इससे पहले, 2021 से 2027 तक सालाना 250 मिलियन घनमीटर गैस आपूर्ति का अनुबंध पहले से ही शेल के साथ था। सिज्जार्टो ने कहा कि यह नई आपूर्ति रूस से आयातित गैस की जगह नहीं लेगी। उनके अनुसार, हमारे लिए डाइवर्सिफिकेशन का मतलब मौजूदा स्रोतों और मार्गों को छोड़ना नहीं है, बल्कि नए स्रोत और मार्ग जोड़ना है। हंगरी ने रूस की गैजप्रोम कंपनी के साथ 15 साल का समझौता पहले ही किया हुआ है, जिसके तहत सालाना 4.5 अरब घनमीटर गैस की आपूर्ति 2036 तक सुनिश्चित है। हाल के वर्षों में इस अनुबंध को अतिरिक्त आपूर्ति समझौतों से भी पूरक किया गया है। हंगरी की अधिकतर गैस आपूर्ति रूस से टर्कस्ट्रीम पाइपलाइन और उसकी बाल्कन स्ट्रीम विस्तार परियोजना के जरिये बुल्गारिया और सर्बिया से होकर आती है।

प्रधानमंत्री मोदी से ट्रंप कुछ हफ्तों में कर सकते हैं टैरिफ पर बात

वाशिंगटन (अमेरिका)। राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने कहा कि वह आने वाले हफ्तों में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करने का इरादा रखते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता एक मुश्किल व्यापार विवाद को सुलझाने के लिए एक समझौते पर पहुंच पाएंगे। ट्रंप ने नौ सितंबर को सोशल मीडिया पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका अपने दोनों देशों के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखे हुए हैं। मैं आने वाले हफ्तों में अपने बहुत अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे दोनों महान देशों के लिए एक सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी! वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच संबंधों का सकारात्मक मूल्यांकन करने वाली ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति यूरोपीय संघ के नेताओं पर दबाव डाल रहे हैं कि वे भारत और चीन पर टैरिफ बढ़ाने में उनका साथ दें ताकि रूस से ऊर्जा खरीद के लिए इन देशों को दंडित किया जा सके। ट्रंप ने मंगलवार को हुई एक बैठक में यूरोपीय संघ के अधिकारियों से कहा कि अगर वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर यूक्रेन के साथ युद्धविराम वार्ता में शामिल होने का दबाव बनाने के लिए भारत और चीन पर नए टैरिफ लगाते हैं, तो वह उनके साथ शामिल होने को तैयार हैं।

एक और जंग की आहटः इजरायल ने कतर पर कर दिया हमला, इस्लामिक देशों में हड़कंप

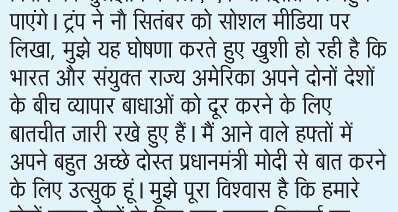

दोहा। इजरायल ने हमास से लड़ते-लड़ते कतर पर भी हमला कर दिया है। इससे तमाम इस्लामिक देशों में हड़कंप मच गया है। आशंका जताई जाने लगी कि इसी तरह हमले होते रहे तो एक और जंग को रोक पाना कठिन हो जाएगा।लेबनान, गाजा, सीरिया में हमलों के बाद इजरायल ने अब कतर पर भी हमला बोल दिया है। यह वही कतर है, जहां हमास के साथ उसकी मध्यस्थता वाली बैठकें चल रही थीं। लेकिन इजरायल ने जिस तरह से मंगलवार को ताबड़तोड़ हमले दोहा के अंदर घुसकर किए हैं, उसने मिडिल ईस्ट में एक नई आग लगा दी है। पाकिस्तान, अल्जीरिया, सऊदी अरब, यूएई समेत कई मुसलमान देशों ने इन हमलों की निंदा की है और इसे पूरे मिडिल ईस्ट के लिए खतरनाक बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस हमले को गलत बताया है और कहा कि इसकी लोकेशन ठीक नहीं थी।

नेपाल में चप्पे-चप्पे पर सेना, नियंत्रण संभाला, प्रदर्शनकारियों से होगी वार्ता

काठमांडू (नेपाल),10 सितंबर (एजेंसियां)।

देश में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी आंदोलन का (बुधवार) तीसरा दिन है। नेपाल की सेना ने हिंसा रोकने के लिए मंगलवार रात 10 बजे से पूरे देश का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। सेना ने कहा कि मुश्किल घड़ी का फायदा उठाकर कुछ उपद्रवी आम लोगों और सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचा रहे हैं। सेना ने अपील की है कि लोग ऐसी गतिविधियां बंद कर दें। नेपाल में राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल की मौजूदगी में नेपाल सेना और प्रदर्शनकारी युवाओं के बीच औपचारिक बातचीत होनी है। हालांकि, अभी इसका समय तय नहीं किया गया है।

ओली का इस्तीफा, काठमांडू छोड़ा – सारे देश में चल रहे प्रदर्शन और लोगों का गुस्सा देखते हुए केपी शर्मा ओली ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर काठमांडू छोड़ दिया है। इससे पहले आंदोलनकारियों ने केपी ओली के निजी घर, राष्ट्रपति भवन और उच्चतम न्यायालय भवन को आग के हवाले कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, राजधानी काठमांडू और आसपास के इलाकों में हुई झड़पों में अब तक 22 लोगों की जान जा चुकी है और 400 से अधिक लोग घायल हुए हैं। कहा जा रहा है कि सुरक्षा बलों ने ओली को हेलिकॉप्टर से सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया है। उन्हें कहां ले जाया गया है, इसकी जानकारी नहीं है। आंदोलनकारियों ने मंगलवार को नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, झालानाथ खलान और पुष्प कमल दहल प्रचंड के घर में आग लगा दी। पूर्व पीएम झालानाथ खनाल के घर में आग लगाने से उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार गंभीर रूप से झुलस गईं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को उनके घर में घुसकर पीटा गया। यही नहीं वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को काठमांडू में उनके घर के पास दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया।

सेना प्रमुख अशोक राज सिग्देल मिले प्रदर्शनकारियों से – नेपाल में राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल की मौजूदगी में नेपाल सेना और प्रदर्शनकारी युवाओं के बीच औपचारिक बातचीत होगी। हालांकि, अभी इसका समय तय नहीं किया गया है। मंगलवार रात राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में युवा प्रतिनिधियों और सेना प्रमुख अशोक राज सिग्देल के बीच अनौपचारिक बातचीत हुई है। इसके बाद सुबह से औपचारिक बातचीत की तैयारी की गई है।

बातचीत का एजेंडा – इस बातचीत का मुख्य एजेंडा नागरिक सरकार का गठन, संसद भंग करना और नए चुनाव कराना होगा। प्रदर्शनकारी युवा मांग कर रहे हैं कि पार्टियों को सत्ता से हटाकर जनता के नेतृत्व में नई सरकार बनाई जाए। काठमांडू महानगर के प्रमुख बालेन शाह ने भी संसद भंग करने की शर्त पर बात करने का समर्थन किया है। प्रदर्शन के चलते कई फ्लाइट रद्द कर दी गई हैं। खबर है कि चितवन जिले में प्रदर्शनकारियों ने रात को जिला प्रशासन कार्यालय और चुनाव कार्यालय में आग लगा दी। आग इतनी भयानक थी की बुधवार सुबह तक इसे नहीं बुझाया जा सका। पुलिस के अनुसार, जिला अदालत और सरकारी वकीलों के ऑफिस में भी आग लगाई गई, जिससे कई कागजात नष्ट हो गए। भारतपुर और दूसरे क्षेत्रों में नगरपालिका और वार्ड कार्यालयों पर भी हमला हुआ है। नेपाली कांग्रेस, यूएमएल और माओवादी सेंटर के कार्यालयों को भी आग के हवाले कर दिया गया है।

सेना कर रही काठमांडू में गश्त, संयुक्त राष्ट्र संघ ने चिंता जताई – सेना ने काठमांडू सहित प्रमुख शहरों में सुबह से गश्त शुरू कर दी है। सेना ने लाउडस्पीकर के जरिए लोगों से प्रदर्शन न करने और शांति बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रमुख ने नेपाल में चल रहे प्रदर्शनों पर चिंता जताई है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने नेपाल में चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर चिंता जताई है। उन्होंने प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया। गुटेरेस ने अधिकारियों से मानवाधिकार कानूनों का पालन करने और प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने, जीवन और संपत्ति का सम्मान करने की अपील की।

सेना ने प्रधानमंत्री कार्यालय से प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा – नेपाल की सेना ने प्रधानमंत्री कार्यालय यानी सिंहदरबार और सरकार के मुख्य सचिवालय भवन पर कब्जा कर लिया। यहां प्रदर्शनकारियों ने इमारतों में आग लगा दी थी। सेना ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया है। इसके अलावा पशुपतिनाथ मंदिर के दरवाजों को तोड़ने की कोशिश करने वाले प्रदर्शनकारियों को भी सेना ने रोका है।

काठमांडू एयरपोर्ट पर सेना का कब्जा, कई उड़ानें रद्द – नेपाल में मंगलवार को हिंसक प्रदर्शनों के बाद सेना ने काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कब्जा कर लिया। एयरपोर्ट ऑथोरिटी के मुताबिक प्रदर्शनों के कारण नेपाल के सभी हवाईअड्डे बुधवार दोपहर 12 बजे तक बंद रहेंगे। बढ़ती अशांति के बाद मंगलवार दोपहर 2 बजे से सभी उड़ानें निलंबित कर दी गई थीं। उड़ानें रोक दिए जाने से सैकड़ों यात्री नेपाल और विदेशों में फंस गए हैं। वहीं, एयर इंडिया ने दिल्ली-काठमांडू के बीच चलने वाली अपनी छह में से चार उड़ानें रद्द कर दीं।

ट्रंप प्रशासन ने दवा कंपनियों के भ्रामक विज्ञापनों पर कानूनी शिकंजा कसा

वाशिंगटन (अमेरिका),10 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में पहली बार ट्रंप प्रशासन ने दवा कंपनियों के भ्रामक विज्ञापनों पर कानूनी शिकंजा कसा है। अमेरिका दुनिया भर के उन दो देशों में से एक है जो सीधे उपभोक्ता तक पहुंचने वाली दवाओं के विज्ञापनों की अनुमति देता है। दूसरा देश न्यूज़ीलैंड है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके माध्यम से दवा कंपनियों पर विज्ञापनों में पारदर्शिता कानूनों का पालन करने का दबाव डाला गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन इन कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 100 चेतावनी पत्र भेजेगा।

एबीसी न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारियों ने मंगलवार सुबह पत्रकारों कहा कि लक्ष्य पहले से मौजूद कानूनों का इस्तेमाल करके यह सुनिश्चित करना है कि लोगों को दवाओं, खासकर संभावित जोखिम कारकों के बारे में पारदर्शी और सटीक जानकारी मिले। अधिकारियों ने उन दवाओं या उत्पादों की ओर इशारा किया जिनका प्रचार इंस्टाग्राम या टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया साइटों पर होता है।

रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर दवाओं के प्रचार पर किए गए कई अध्ययनों में पाया गया है कि अकसर दी जाने वाली जानकारी डॉक्टर से बात करने पर मिलने वाली जानकारी से कमतर होती है। 2015 के एक अध्ययन में पाया गया कि केवल एक तिहाई पोस्ट में ही दवाओं के संभावित नुकसानों का जिक्र था। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा, भ्रामक प्रभाव पैदा करने वाले इन विज्ञापनों के बढ़ते प्रचलन, खासकर दुष्प्रभावों का उचित रूप से खुलासा न करने से व्यापक निराशा हुई है। ये विज्ञापन अब बिना उचित जानकारी के सोशल मीडिया पर छा गए हैं और ऑनलाइन फ़ार्मेसियों के विज्ञापन भी उन्हीं नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं जिनका पालन कई दवा कंपनियां करती हैं।

एक अधिकारी ने कहा कि इन नियमों को लागू करने से सोशल मीडिया पर अराजकता कम होगी और कंपनियां समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रशासन के अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि यह राष्ट्रपति का सबसे साहसिक कदम है। हालांकि यह स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के पदभार ग्रहण करने से पहले किए गए वादे से कम है। उन्होंने कहा था कि टीवी पर दवाओं के विज्ञापनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना होगा। कैनेडी ने चुनाव से पहले ट्रंप की एक रैली में कहा था, मैं डोनाल्ड ट्रंप को पुरानी बीमारियों की महामारी को दूर करने के लिए टीवी पर दवाओं के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने की सलाह दूंगा।

रूस के खिलाफ पोलैंड ने खोला मोर्चा, गिरा दिए रूसी ड्रोन

वारसॉ। रूस-यूक्रेन के बीच चल रही जंग में पोलैंड ने भी मोर्चा खोल दिया है। पोलैंड ने कई रूसी ड्रोन्स को अपने हवाई क्षेत्र में मार गिराने का दावा किया है। इससे पहले बुधवार की अहले सुबह पोलैंड ने नाटो देशों के साथ मिलकर अपने एफ-16 लड़ाकू विमानों को उतार दिया और राजधानी वारसॉ स्थित अपने मुख्य हवाई अड्डे समेत कुल चार एयरपोर्ट्स बंद कर दिए। यूक्रेन के पश्चिम में स्थित इस देश ने यह कदम तब उठाया है, जब रूस से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन की वायु सेना ने पोलैंड को चेतावनी दी थी कि रूसी ड्रोन्स अब यूक्रेन की सीमा पार कर पोलैंड में घुसने जा रही है। इस सूचना पर पोलैंड की वायु सेना ने आननफानन में अपने लड़ाकू विमानों की तैनाती कर दी और कुछ ही देर बाद रूसी ड्रोन मार गिराए। पोलिश वायु सेना ने कहा है कि बार-बार उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया जा रहा था। इसके बाद यह कदम उठाया गया है। इससे इस क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। पिछले साढ़े तीन साल से रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग की वजह से पड़ोसी देश भी परेशान हैं। इसी क्रम में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने अब घोषणा की है कि एक दिन बाद यानी गुरुवार को पोलैंड बेलारूस के साथ लगी पूर्वी सीमा को बंद करने जा रहा है। दरअसल, पोलिश ससरकार बेलारूस में चल रहे रूसी सेना के आक्रामक सैन्य अभ्यास से चिंतित है।

फेडरल रिजर्व गवर्नर लीसा कुक को हटाने के ट्रंप के फैसले पर संघीय न्यायाधीश ने अस्थायी रोक लगाई

वाशिंगटन (अमेरिका),10 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने मंगलवार देररात राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के लीसा कुक को फेडरल रिजर्व के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स से हटाने पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। कोलंबिया के अमेरिकी जिला न्यायालय की न्यायाधीश जिया एम. कॉब का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के लिए झटका है। इस फैसले से कुक को अपनी हालिया बर्खास्तगी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ते हुए सेवा जारी रखने की अनुमति मिल गई।

रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कुक को उनके बंधक संबंधी दस्तावेजों में हेराफेरी के आरोपों के चलते बर्खास्त करने की कोशिश की थी। उन पर न तो कोई सीधा लिखित आरोप लगाया था और न ही उन्हें किसी अपराध का दोषी ठहराया गया था। कुक के वकीलों ने उन्हें पद से हटाने के प्रयास को राजनीति से प्रेरित बताया था।

यह फैसला राष्ट्रपति के किसी फेड अधिकारी को कारणवश हटाने की क्षमता को लेकर चल रही लंबी कानूनी लड़ाई की पहली कड़ी है। कारणवश शब्द का अर्थ आमतौर पर पेशेवर लापरवाही या गलत काम करना समझा जाता है। फैसले में न्यायाधीश कॉब ने कहा कि कुक को हटाने के लिए ट्रंप द्वारा दिए गए तर्क पर्याप्त कारण की सीमा को पूरा नहीं करते, क्योंकि यह कार्रवाई फ़ेड गवर्नर के रूप में उनके कार्यकाल शुरू होने से पहले हुई थी। कुक ने बंधक दस्तावेजों पर 2021 में हस्ताक्षर किए थे। यह समय तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन के उन्हें नियुक्त किए जाने के बाद फ़ेड में शामिल होने से लगभग एक साल पहले का था।

न्यायाधीश ने कहा, कारणवश प्रावधान का सबसे अच्छा अर्थ यह है कि बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के किसी सदस्य को हटाने का आधार गवर्नर के पद पर आचरण और उनके द्वारा अपने वैधानिक कर्तव्यों का ईमानदारी और प्रभावी ढंग से पालन किए जाने तक सीमित है। इस प्रकार, कारणवश किसी व्यक्ति को केवल उसके पदभार ग्रहण करने से पहले किए गए आचरण के आधार पर हटाने की बात नहीं करता।

माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारियों को अगले साल फरवरी से हफ्ते में तीन दिन कार्यालय से करना होगा काम

वाशिंगटन,10 सितंबर (एजेंसियां)।

दुनिया की बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारियों को अगले साल से सप्ताह में कम से कम तीन दिन कार्यालय से ही काम करना होगा। इस योजना को तीन चरणों में लागू किया जाएगा। पहला चरण 2026 में फरवरी से शुरू होगा। माइक्रोसॉफ्ट की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य मानव संसाधन अधिकारी एमी कोलमैन ने नौ सितंबर को लिखे ब्लॉग पोस्ट के माध्यम से यह सूचना साझा की। माइक्रोसॉफ्ट के दुनियाभर में 2,20,000 से ज्यादा कर्मचारी हैं।

एमी कोलमैन के अनुसार, इसकी शुरुआत वाशिंगटन के रेडमंड स्थित कंपनी के मुख्यालय के पास के कर्मचारियों से होगी। सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण महामारी के बाद घर से काम करने की व्यवस्था शुरू हुई थी। ब्लॉग के अनुसार, मुख्यालय के बाद अमेरिका के अन्य स्थानों और वैश्विक कर्मचारियों के लिए यह योजना लागू की जाएगी। ब्लॉग में कहा गया है कि माइक्रोसॉफ्ट के मुख्यालय के 50 मील के दायरे में रहने वाले कर्मचारियों से फरवरी 2026 के अंत तक हफ्ते में तीन दिन ऑफिस में काम करने की उम्मीद की जाएगी। कोलमैन ने कहा कि अमेरिका स्थिति अन्य कार्यालयों के लिए समय-सीमा और विवरण जल्द ही घोषित किए जाएंगे। उन्होंने लिखा है, मुझे याद है कि 90 के दशक के अंत में मैं हमेशा ऑफिस में रहती थी। लैपटॉप नहीं होते थे।ज्यादातर हॉल के ठीक नीचे के लोगों के साथ काम करती थी। जैसे-जैसे तकनीक विकसित हुई हम ज्यादा खुले, ज्यादा वैश्विक होते गए। उन तरीकों से विस्तार करने में सक्षम हुए जिनकी हमने कल्पना भी नहीं की थी। फिर महामारी ने सब कुछ बदल दिया। इसने हमें काम के बारे में अलग तरह से सोचने, पहले से कहीं अधिक जुड़ने के लिए प्रेरित किया। माइक्रोसॉफ्ट की मुख्य मानव संसाधन अधिकारी एमी कोलमैन ने लिखा, कार्यपद्धति में बदलाव से हम पीछे नहीं जा रहे हैं। यह समय की मांग है। हमने जो कुछ भी सीखा है, उसका सर्वोत्तम लाभ उठाकर आगे बढ़ना चाहिए। एआई युग में हम पहले से कहीं अधिक तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। विश्वस्तरीय तकनीक का निर्माण कर रहे हैं जो लोगों के जीने और काम करने के तरीके और हर जगह संगठनों के संचालन के तरीके को बदल रही है। उन्होंने कहा कि सप्ताह में तीन दिन कार्यालय में करने की योजना लागू करने के यह प्रमुख कारक हैं। फरवरी के आखिर में पुगेट साउंड से इसकी शुरुआत होगी। इसके बाद अमेरिका के अन्य स्थानों पर इसे लागू किया जाएगा।

2026 में भारत-श्रीलंका में 7 फरवरी से 8 मार्च के बीच होगा टी20 वर्ल्ड कप

अहमदाबाद को मिल सकती है फाइनल की मेजबानी, पाकिस्तान बन सकता है रोड़ा

नई दिल्ली,10 सितंबर (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 की संभावित तारीखें सामने आ गई है। यह आईसीसी टूर्नामेंट 7 फरवरी से 8 मार्च के बीच भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। 10वें आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल की मेजबानी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को मिल सकती है, लेकिन अगर फाइनल में पाकिस्तान पहुंचता है तो वेन्यू में बदलाव हो सकता है। बता दें भारत टी20 वर्ल्ड कप का डिफेंडिंग चैंपियन है, 2024 में रोहित शर्मा की अगुवाई ने साउथ अफ्रीका को फाइनल में हराकर खिताब जीता था।

आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी और 55 मैच खेले जाएंगे, जो भारत में पांच और श्रीलंका में दो वेन्यू पर होंगे। बताया जा रहा है कि फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। हालांकि, अगर पाकिस्तान फाइनल के लिए क्वालीफाई करता है, तो मैच कोलंबो में होगा। बीसीसीआई 2026 टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा। हालांकि, पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में होंगे। इस साल की शुरुआत में बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच एक समझौता हुआ था कि वे दोनों सरकारों के बीच लंबे समय से चल रहे राजनीतिक तनाव के कारण एक-दूसरे के देशों में नहीं खेलेंगे। इस साल अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आईसीसी ने अभी तक शेड्यूल तय नहीं किया है, लेकिन टूर्नामेंट की तारीख तय कर ली गई है और सभी प्रतिभागी देशों को सूचित कर दिया गया है।

फिलहाल अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए केवल 15 टीमें ही क्वालीफाई कर पाई हैं, जिनमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, कनाडा, नीदरलैंड और पहली बार खेल रहा इटली भी शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

कमिंस, स्टार्क और मेरा अभी संन्यास का इरादा नहीं : हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि अभी उनका ,पैट कमिंस और मिचेल

स्टार्क का करियर काफी समय तक चलेगा और कोई भी संन्यास के बारे में विचार नहीं कर रहा। इसलिए ये कहना कि एशेज सीरीज में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की तिकड़ी अंतिम बार उतरेगी कहना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हम तीनों में ही अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेलेंगे। अभी हम तीनों की उम्र 35 साल के आसपास है। कमिंस ने कमर में खिंचाव है। वहीं स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। हेजलवुड के हवाले से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं जिसमें हम अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर तीनों ही इनका हिस्सा बनना चाहता है।

फिडे ग्रैंड स्विस 2025: गुकेश को मिली दूसरी हार , एरिगैसी की उम्मीदें बरकरार

समरकंद। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार का

सामना करना पड़ा। छठे दौर में उन्हें ग्रीस के निकोलस थियोडोरू ने मात दी। पिछले दौर में अमेरिका के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा से हारने के बाद गुकेश एक बार फिर ड्रॉ की स्थिति से जीत की कोशिश में उलझ गए और गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा। शीर्ष तालिका पर ईरान के परहम मघसूदलू ने बढ़त बनाए रखी है। हालांकि, भारत के अर्जुन एरिगैसी ने काले मोहरों से शानदार खेल दिखाते हुए मघसूदलू को रोक लिया और अब केवल आधे अंक पीछे (4.5 अंक) रहते हुए खिताबी दौड़ में मजबूती से टिके हुए हैं। एरिगैसी के साथ ही अभिमन्यु मिश्रा (अमेरिका), जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम और भारत के निहाल सरीन भी 4.5 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। इस बीच, शीर्ष वरीयता प्राप्त आर. प्रज्ञानानंद को अज़रबैजान के रऊफ मामेदोव के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बावजूद ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। वहीं, उनकी बहन आर. वैशाली ने अज़रबैजान की उल्विया फातालिएवा को हराकर महिला वर्ग में संयुक्त बढ़त कायम रखी। वैशाली के साथ फिडे प्रतिनिधि कतेरीना लाग्नो भी शीर्ष पर बनी हुई हैं। वैशाली ने काले मोहरों से बेहतरीन आक्रामक खेल दिखाया और अतिरिक्त प्यादे के सहारे हाथी और प्यादों के एंडगेम में जीत दर्ज की। गुकेश अब 50 प्रतिशत स्कोर पर हैं और टूर्नामेंट में टिके रहने के लिए उन्हें बचे हुए पांच में से कम से कम चार मैच जीतने होंगे। प्रज्ञानानंद जीत से चूक गए, लेकिन निहाल सरीन ने पोलैंड के सिमोन गुमुलार्ज़ की गलती का फायदा उठाते हुए अंक तालिका में छलांग लगाई। बुधवार को खिलाड़ियों को विश्राम मिलेगा और गुरुवार से पुरुष एवं महिला वर्ग में 8.55 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि और 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाने की जंग फिर से शुरू होगी।

आरसीबी से प्रस्ताव मिलने के समय नाइट क्लब में था : गेल

जमैका। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल ने खुलास किया है कि साल 2011 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

(आरसीबी) ने जब उनसे संपर्क किया था। तब वह बेहद निराश होने के कारण मन बहलाने के लिए एक नाइट कलब गये हुए थे। गेल के अनुसार उन दिनों विश्व कप में मिली हार के बाद उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भी टीम से बाहर कर दिया गया था। इसी कारण वह क्रिकेट से दूर होने के कारण परेशान थे। इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा, साल 2011 में जब उन्हें आरसबी से फोन आया तो वह एक नाइट क्लब में गये हुए थे। विश्वकप में हार के साथ ही मुझे चोट भी आई हुई थी। इसी कारण मैं बहुत निराश था। गेल ने कहा, 'मुझे कॉल आया। दूसरी ओर विजय माल्या और अनिल कुंबले थे। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं फिट हूं। मैं सोच रहा था कि क्या यह सब कुछ सच में हो रहा है। मैंने जवाब दिया- हां, मैं फिट हूं। उन्होंने कहा- अगर आप फिट हैं तो कल आप दूतावास जाइए और वीजा ले लीजिए। फिर मैंने कहा, लेकिन कल तो शनिवार है। तब उन्होंने कहा उसकी चिंता मत करो। बस तैयारी करो।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर्स : रोनाल्डो ने की सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड की बराबरी, हंगरी को हराकर पुर्तगाल शीर्ष पर

बुडापेस्ट,10 सितंबर (एजेंसियां)।

पुर्तगाल ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर्स में मंगलवार रात रोमांचक मुकाबले में हंगरी को 3-2 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। मैनचेस्टर सिटी के जोआओ कैंसिलो ने बॉक्स के किनारे से शानदार गोल दागते हुए विजयी गोल किया। वहीं, स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी गोल कर विश्व कप क्वालिफाइंग में सर्वाधिक गोल करने का संयुक्त रिकॉर्ड अपने नाम किया।

रोबर्टो मार्टिनेज की टीम ने शुरुआती दो मुकाबलों में लगातार जीत दर्ज की है। इससे पहले उसने आर्मेनिया को 5-0 से हराया था। पुर्तगाल अब ग्रुप एफ में छह अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि आर्मेनिया तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

हालांकि मुकाबले की शुरुआत हंगरी के पक्ष में रही। फरेंकवारोस क्लब के स्ट्राइकर बारनाबास वार्गा ने जोल्ट नागी के क्रॉस पर हेडर लगाकर गोल किया और मेजबान टीम को बढ़त दिलाई।

पहले हाफ में हंगरी के गोलकीपर बालाज तोथ ने रोनाल्डो की नजदीकी दूरी से लगाई शॉट को शानदार तरीके से रोक दिया। लेकिन छह मिनट बाद मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर बर्नार्डो सिल्वा ने मौका पाकर गोल दाग दिया और स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरे हाफ में 58वें मिनट में रोनाल्डो ने पेनाल्टी पर गोल कर पुर्तगाल को 2-1 से आगे कर दिया। यह गोल उनके विश्व कप क्वालिफाइंग करियर का 39वां गोल था, जिससे वह ग्वाटेमाला के पूर्व स्टार कार्लोस रूइज के रिकॉर्ड की बराबरी पर पहुंच गए।

84वें मिनट में वार्गा ने एक और हेडर लगाकर हंगरी को बराबरी पर ला दिया। लेकिन सिर्फ दो मिनट बाद पुर्तगाल ने गेंद छीनकर तेजी से हमला किया और कैंसिलो ने निर्णायक गोल दागकर टीम को 3-2 से जीत दिला दी। हंगरी 1986 के बाद से विश्व कप में क्वालिफाई नहीं कर पाया है और पुर्तगाल के खिलाफ अब तक एक भी जीत दर्ज नहीं कर सका है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आजकल बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तेजी से उबर रहे हैं। वह विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्थ के बाद अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भारतीय टीम में वापस कर सकते हैं। चोटिल होने के कारण ही एशिया कप से भी बाहर हैं। ऋषभ के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भारतीय चयनकर्ताओं ने एशिया कप के लिए संजू सैमसन और जितेश शर्मा को विकेटकीपर के रूप में रखा है। ऋषभ अब वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो

मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज से वापसी करेंगे। यह सीरीज 2 से 6 अक्टूबर तक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू होगी और फिर 10 से 14 अक्टूबर तक होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेली जाएगी। वहीं अगर वह वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज से वापसी नहीं कर पाते हैं तो अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज से खेलेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद भारतीय टीम सीमित ओवरों के दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। उसे 19, 23 और 25 अक्टूबर को पर्थ, एडिलेड और सिडनी में तीन एकदिवसीय मैच और उसके बाद 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

हांगकांग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से पीवी सिंधु बाहर, प्रणय और लक्ष्य सेन आगे बढ़े

हांगकांग,10 सितंबर (एजेंसियां)।

हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का सफर बुधवार को समाप्त हो गया। सिंधु को डेनमार्क की गैर वरियता प्राप्त खिलाड़ी लाइन क्रिस्टोफर्सन से तीन गेमों की कड़ी भिड़ंत में 15-21, 21-16, 21-19 से हार झेलनी पड़ी। करीब एक घंटे चले मुकाबले में क्रिस्टोफर्सन के खिलाफ सिंधु की यह पहली हार है।

पहले गेम में सिंधु ने दमदार शुरुआत करते हुए बढ़त बनाई और 21-15 से जीत हासिल की, लेकिन दूसरे गेम में वह 13-12 की बढ़त के बावजूद लगातार पांच अंक गंवाकर पिछड़ गईं। निर्णायक गेम रोमांचक रहा और स्कोर 19-19 की बराबरी पर पहुंचा। यहां डेनमार्क की खिलाड़ी ने दबाव संभालते हुए लगातार दो अंक जीतकर सिंधु को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दूसरी ओर, भारत के पुरुष शटलरों ने शानदार प्रदर्शन किया। एच.एस.प्रणय ने विश्व नंबर-14 चीन के लु गुआंग जू को 21-17, 21-14 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, पूर्व विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता लक्ष्य सेन ने कड़े संघर्ष में 22-20, 16-21, 21-15 से जीत दर्ज की। किरण जॉर्ज ने सिंगापुर के उच्च वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जेसन टेह को 21-16, 21-11 से पराजित कर अगला दौर पक्का किया। डबल्स मुकाबलों में भारतीय बहनों रुतापर्णा और स्वेतापर्णा पांडा की जोड़ी को 17-21, 9-21 से हार मिली। वहीं मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिल और तनीषा क्रास्टो भी चीनी ताइपे की जोड़ी के हाथों सीधे गेमों में हार गए। आयुष शेट्टी अपने पहले दौर के मुकाबले में बाद में उतरेंगे, जबकि मंगलवार को शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने विजयी आगाज़ किया था।

अफगानिस्तान ने हांगकांग को 94 रन से हराया

अबू धाबी। एशिया कप 2025 का आगाज धमाकेदार अंदाज में हुआ है, जब अफगानिस्तान ने उद्घाटन मुकाबले में हांगकांग को 94 रन से रौंद डाला। यह जीत टी20 एशिया कप के इतिहास में रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत साबित हुई। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 188 रन बनाए। टीम के सलामी बल्लेबाज सदीकुल्लाह अटल ने 73 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने मात्र 20 गेंदों में अर्धशतक जड़कर नया इतिहास रच दिया। अजमतुल्लाह ने 53 रन की पारी खएली। मोहम्मद नबी ने 33 रन का योगदान दिया। यह अफगानिस्तान की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक रहा। जवाब में हांगकांग की पूरी टीम अफगान गेंदबाजों के सामने बेबस नजर आई और 94 रन ही बना सकी। हांगकांग की ओर से बाबर हयात ने सबसे अधिक 39 रन बनाए, जबकि कप्तान यासिम मुर्तजा ने 16 रन बनाए। अफगान गेंदबाजों ने लगातार विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजों को टिकने का कोई मौका नहीं दिया। अफगानिस्तान की ओर से फजलहक फारूकी और गुलाबदीन नाइब ने दो-दो विकेट चटकाए। जबकि अजमतुल्लाह ओमरजाई, राशिद खान और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने न सिर्फ टूर्नामेंट की जोरदार शुरुआत की बल्कि अन्य टीमों को भी सख्त संदेश दिया कि वह खिताब की प्रबल दावेदार है।

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का निराशाजनक प्रदर्शन रहा

ग्वांगझू,10 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का बुधवार को विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। सभी तीनों खिलाड़ी व्यक्तिगत मुकाबलों में हारकर पदक दौर में जगह बनाने में नाकाम रहे।

डेब्यू करने वाले राहुल ने सबसे बेहतर खेल दिखाया और तीसरे राउंड (टॉप-32) तक पहुंचे। हालांकि, वह जॉर्जिया के एलेक्ज़ांद्रे मचावारियानी से शूट-ऑफ में 5-6 (8-10) से हार गए। 21 वर्षीय राहुल 5-3 की मजबूत बढ़त पर थे, लेकिन अंतिम दो सेटों में चूक गए। शुरुआती सेट 28-28 की बराबरी पर छूटा। इसके बाद राहुल ने दूसरा सेट परफेक्ट 30 के साथ जीता और तीसरा 28-27 से अपने नाम किया। चौथे सेट में 8 अंक की चूक ने उन्हें पीछे धकेल दिया, जहां मचावारियानी ने तीनों 10 मारकर मुकाबले में वापसी की। निर्णायक सेट 27-28 से हारने के बाद राहुल शूट-ऑफ में केवल 8 अंक ही ला पाए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी ने परफेक्ट 10 मारकर जीत दर्ज की। भारत के सबसे अनुभवी और ओलंपियन धीरज बोम्मदेवरा का सामना पहले ही राउंड में पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाज़ोज़ से हुआ। धीरज ने पहला सेट 29-29 से बराबरी पर छोड़ा, लेकिन इसके बाद 2-6 से हार गए। गाज़ोज़ ने दूसरे सेट में 29-28 से बढ़त बनाई, तीसरे में भी 29-28 से आगे निकले और चौथे सेट की बराबरी (29-29) के बावजूद मैच अपने नाम कर लिया। इसी तरह नीरज चौहान का सफर बेहद जल्दी खत्म हो गया। उन्हें उज्बेकिस्तान के बोबराजाबोव बेकज़ोद ने सीधे सेटों में 0-6 से मात दी। नीरज के स्कोर क्रमशः 27-29, 27-28 और 26-29 रहे।

स्टार फुटबॉलर लुइस सुआरेज लीग्स कप के सभी मैच नहीं खेल पायेंगे

न्यूयॉर्क,10 सितंबर (एजेंसियां)।

इंटर मियामी के स्टार फुटबॉलर लुइस सुआरेज पर छह मैचों के प्रतिबंध के कारण अगले साल होने वाले लीग्स कप के पूरे मैचों में वह भाग नहीं ले पायेंगे। ग्रुप चरण में प्रति सीजन केवल तीन मैच खेलने होते हैं, इसलिए उनपर प्रतिबंध साल 2027 के संस्करण तक जारी रह सकता है। हालांकि इस प्रतिबंध से उनके मेजर लीग फुटबॉल में उपलब्धता पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सुआरेज पर ये प्रतिबंब लीग्स कप फ़ाइनल के बाद सिएटल साउंडर्स के एक कर्मचारी पर थूकने के लिए छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह घटना सिएटल में साउंडर्स की फ्लोरिडा टीम पर 3-0 से खिताब जीतने वाली जीत के बाद हुई झड़प के दौरान हुई थी। लीग्स कप आयोजन समिति ने एक बयान में कहा कि उसने सुआरेज के आलावा इंटर मियामी के सर्जियो बुस्केट्स और टॉमस एविलेस पर भी मारपीट के कारण दो और तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया है। साउंडर्स के सहायक कोच स्टीवन लेनहार्ट को भी पांच मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है।

सुआरेज पहले भी कई बार विवादों में रहे हैं। वह लिवरपूल, बार्सिलोना और एटलेटिको मैड्रिड सहित अन्य क्लबों में रहे हैं और हर जगह उनपर कई आरोप लगे। वहीं सुआरेज ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी गलती के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा, यह बहुत तनाव और निराशा का क्षण था, जहां खेल खत्म होने के तुरंत बाद ऐसी चीज़ें हुईं जो नहीं होनी चाहिए थीं, लेकिन यह मेरी प्रतिक्रिया को उचित नहीं ठहराती। मैंने गलती की और इसके लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं।

शार्दुल ठाकुर बोले, खिलाड़ियों को नहीं मिल रहा पर्याप्त आराम

मुम्बई। हाल के दिनों में क्रिकेट में वर्कलोड मैनेजमेंट पर काफी बात हुई है। इसी कारण भारतीय टीम ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड दौरे में पांच में से तीन मैचों में ही उतार था। कई खिलाड़ी समय-समय पर आराम दिये जाने की मांग करते रहे हैं। इसी कड़ी में अब ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कहा है कि खिलाड़ियों को पर्याप्त आराम नहीं मिल रहा है। उनकी मांग को हल्के में लिया जाता है। उन्हें शरीर को नियंत्रित रखने और फिट बनाये रखने के लिए लगातार जरूरी ब्रेक नहीं मिल रहे। शार्दुल का मानना है कि वर्कलोड मैनेजमेंट का ध्यान रखा जाना चाहिये जिससे खिलाड़ी चोटों से बचे रहें। इस क्रिकेटर ने कहा, कई बार हमें हल्के में लिया जाता है। लगातार खेलने खेलने के बाद कोई भी हमसे आकर यह नहीं पूछता कि हमारा शरीर कैसा महसूस कर रहा है। जहां तक मेरी बात है मैं फिजियो और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के साथ अपने शरीर का प्रबंधन कर रहा हूं और लगातार काम कर रहा हूं। चोट से वापसी के बाद शार्दुल रणजी ट्रॉफी 2024-25, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेला था। इसके बाद वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ बहु-दिवसीय मैचों के लिए भारत ए का हिस्सा थे।

एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी का आईपीओ 11 से खुलेगा

नई दिल्ली,10 सितंबर (एजेंसियां)।

एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी का इश्यू जल्द खुलने वाला है। अगर आईपीओं में निवेश की योजना बना रहे है तो कंपनी का रुपए 91.10 करोड़ का यह एसएमई आईपीओ 11 सितंबर 2025 से निवेशकों के लिए खुलेगा और 15 सितंबर तक इसमें पैसा लगाया जा सकेगा। इस इश्यू का प्राइस बैंड रुपए 133 से रुपए 140 प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 18 सितंबर को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर होने की संभावना है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम रुपए 150 तक पहुंच चुका है। इसका मतलब है कि लिस्टिंग के समय निवेशकों को अपने निवेश पर 107 प्रतिशत से अधिक का संभावित रिटर्न मिल सकता है। कंपनी का मुख्यालय चेन्नई में है और यह भारतीय रेलवे द्वारा उपयोग किए जाने वाले रोलिंग स्टॉक के कलपुर्जों के निर्माण का काम करती है। एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी इंटीग्रल कोच फैक्ट्री और अन्य रेलवे प्रोडक्शन यूनिट्स के लिए पुर्जे उपलब्ध कराती है। इसके अलावा कंपनी रेलवे के टर्नकी इंटीरियर फर्निशिंग प्रोजेक्ट्स पर भी काम करती है।

यूरोपीय संघ ने 102 नए भारतीय मत्स्य प्रतिष्ठानों को निर्यात के लिए मान्यता दी

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ (ईयू) ने भारत के 102 नए मत्स्य प्रतिष्ठानों को अपने सदस्य देशों को समुद्री खाद्य निर्यात के लिए मान्यता प्रदान की है। यह कदम भारत के समुद्री खाद्य उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि इस निर्णय से भारत की खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन प्रणालियों पर यूरोपीय संघ का विश्वास बढ़ा है। विशेष रूप से जलीय कृषि के झींगे और सेफेलोपोड्स जैसे स्क्विड, कटल फिश और ऑक्टोपस के निर्यात में वृद्धि होगी। इससे भारत को यूरोपीय और अन्य विदेशी बाजारों में प्रवेश के नए अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही इस उद्योग में रोजगार के अवसर भी बढ़ने की संभावना है, जो आर्थिक विकास के लिए सहायक होगा। यह कदम भारत के निर्यात क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

न्यूज ब्रीफ

जीएसटी कटौती से ऑटो सेक्टर में आई तेजी, बाजार पूंजीकरण में 3 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। सरकार द्वारा वाहनों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में बड़ी कटौती की घोषणा के बाद भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को नया बल मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को एक दशक में सबसे बड़ी टैक्स राहत का ऐलान किया था, जिसके तहत अधिकतर यात्री वाहनों पर जीएसटी दर 31 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दी गई। इसका सीधा असर ऑटो सेक्टर पर देखने को मिला है। निफ्टी ऑटो इंडेक्स, जो 15 प्रमुख वाहन कंपनियों को ट्रैक करता है, तब से अब तक करीब 3 लाख करोड़ रुपये (लगभग 34 अरब डॉलर) का बाजार पूंजीकरण जोड़ चुका है। इंडेक्स में 12.7 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है, जो इसी अवधि में निफ्टी 50 की महज एक फीसदी की बढ़त की तुलना में कहीं ज्यादा है। मारुति सुजुकी इंडिया, जो बाजार पूंजीकरण के हिसाब से सबसे बड़ी वाहन निर्माता है, के शेयर में 19 फीसदी की वृद्धि हुई है। आयशर मोटर्स और टीवीएस मोटर जैसी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनियाँ भी इस तेजी में अग्रणी रही हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के एक विश्लेषक शशांक का कहना है कि यह ऑटो सेक्टर के लिए रोमांचक समय है। उनका मानना है कि कर कटौती से कंपनियाँ कीमतें घटाएंगी, जिससे खासकर एंट्री-लेवल कारों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारत के निर्यात पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ ने वैश्विक बाजार की धारणा को प्रभावित किया है, लेकिन घरेलू बाजार में त्योहारी सीजन से पहले मांग में मजबूती बनी हुई है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चा तेल 49 रुपये चढ़ा

नई दिल्ली। कतर में हमास नेताओं को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमले के बाद पश्चिम क्षेत्र में संघर्ष बढ़ने की चिंताओं के बीच बुधवार को वायदा बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 49 रुपये बढ़कर 5,593 रुपये प्रति बैरल हो गईं।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सितंबर डिलिवरी के लिए सबसे अधिक कारोबार वाले कच्चे तेल के वायदा भाव 49 रुपये या 0.88 प्रतिशत बढ़कर 5,593 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसमें 10,812 लॉट के लिए कारोबार हुआ।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल 1.18 प्रतिशत बढ़कर 63.37 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि ब्रेंट क्रूड 1.17 प्रतिशत बढ़कर 67.17 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता फिर शुरू ट्रंप ने मोदी को बताया अच्छा दोस्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार संबंधों में सुधार का संकेत देते हुए घोषणा की है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार वार्ता फिर से शुरू कर दी गई है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि दोनों देश व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना 'बहुत अच्छा दोस्त' बताया और कहा कि वह जल्द ही उनसे बातचीत के लिए उत्सुक हैं। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को 'महान प्रधानमंत्री' करार देते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे दोनों देशों के लिए व्यापार वार्ता सफल रहेगी। ट्रंप के इस नरम रुख के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनकी बातों की सराहना की और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बताया। मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं और उनका पूरा समर्थन करता हूं। यह कदम अमेरिका की ओर से हाल ही में टैरिफ बढ़ाने के बाद आया है। 27 अगस्त को अमेरिकी प्रशासन ने भारत से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था। यह निर्णय भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद जारी रखने के कारण लिया गया था। इसके कारण दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ गया था। अब व्यापार वार्ता के फिर से शुरू होने से उम्मीद जताई जा रही है कि इस तनाव को कम किया जा सकेगा और द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आएगी।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार निवेशकों को 1 दिन में 2.65 लाख करोड़ का हुआ मुनाफा

नई दिल्ली,10 सितंबर (एजेंसियां)।

मजबूत ग्लोबल संकेतों और अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर बढ़ी उम्मीद की वजह से घरेलू शेयर बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा। के कारोबार के दौरान दिन के पहले सत्र में लगातार खरीदारी होती रही। हालांकि दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर में लगातार दूसरे दिन जमकर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही बैंकिंग, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा एफएमसीजी, फार्मास्यूटिकल, एनर्जी, कैपिटल गुड्स, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 456.49 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 453.84 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.65 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,282 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,409 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,717 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 156 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,779 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,655 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,124 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 403.04 अंक की तेजी के साथ 81,504.36 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण 11 बजे के करीब ये सूचकांक 542.56 अंक की मजबूती के साथ 81,643.88 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 323.83 अंक की मजबूती के साथ 81,425.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 122.40 अंक उछल कर 24,991 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10-30 बजे तक ये सूचकांक 167.10 अंक की छलांग लगा कर 25,035.70 अंक तक पहुंच गया। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बिकवाली के दबाव की वजह से शाम 3 बजे के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक फिसल कर 24,915.05 अंक आ गया। कारोबार के आखिरी आधे घंटे में हुई खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी निचले स्तर से करीब 60 अंक की रिकवरी करके 104.50 अंक की बढ़त के साथ 24,973.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 4.33 प्रतिशत, विप्रो 2.65 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 2.58 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.06 प्रतिशत और टीसीएस 1.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.49 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 1.67 प्रतिशत, बजाज ऑटो 1.48 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 1.35 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सेडान डिजायर पर 25,000 रुपये के खास ऑफर की घोषणा

नई दिल्ली,10 सितंबर (एजेंसियां)।

अपनी पॉपुलर सेडान डिजायर पर मारुति सुजुकी ने खास ऑफर की घोषणा की है। ग्राहक इस ऑफर का लाभ नजदीकी डीलरशिप से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। सेडान डिजायर कार पर अधिकतम 25,000 रुपये तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है, जिसमें 10,000 रुपये का कंज्यूमर डिस्काउंट और 15,000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस शामिल है।

डिजाइन के लिहाज से मारुति डिजायर में बड़ा फ्रंट ग्रिल, स्लिक एलईडी डीआरएल, एलईडी टेल लैंप और नए 15-इंच डुअल टोन अलॉय व्हील दिए गए हैं। इंटीरियर में 9-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जर और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मौजूद हैं। खास बात यह है कि यह भारत की पहली सब-कॉम्पैक्ट सेडान है जिसमें सिंगल-पैन सनरूफ का विकल्प दिया गया है। सेफ्टी के मामले में भी डिजायर ने खास पहचान बनाई है। ग्लोबल एनकैप ने इस कार को फैमिली सेफ्टी के लिए 5-स्टार रेटिंग दी है। इसके साथ ही इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और अन्य सुरक्षा फीचर्स शामिल हैं। माइलेज की बात करें तो यह कार ग्राहकों को काफी आकर्षित करती है। मैनुअल ट्रांसमिशन में इसका माइलेज 24.79 किमी प्रति लीटर और ऑटोमेटिक गियरबॉक्स में 25.71 किमी प्रति लीटर तक का है।

वहीं, सीएनजी मॉडल 30 किमी प्रति किलोग्राम से ज्यादा का माइलेज देता है। पावरट्रेन में 1.2-लीटर 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 81.58बीएचपी की पावर और 111.7 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसके अलावा, सीएनजी विकल्प भी उपलब्ध है। कीमत की बात करें तो भारतीय बाजार में मारुति डिजायर की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 6.84 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप मॉडल के लिए 10.20 लाख रुपये तक जाती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

घर भारत में...

आजादी के बाद 1950 की भारत-नेपाल शांति और मैत्री संधि ने सुगौली को आधार बनाया, लेकिन सीमा मुद्दे अनसुलझे हैं। आज भी दोनों देश इन मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन समस्याएं बनी हुई हैं। दरअसल, राजनीतिक दबाव से बात अटक जाती है।

भारत-नेपाल सीमा का सबसे बड़ा करीब 729 किमी हिस्सा बिहार से लगता है। यहां के लोग नेपाल के तराई इलाकों से इतने जुड़े हैं कि इसे रोटी-बेटी का रिश्ता कहा जाता है। दोनों तरफ के लोग एक-दूसरे के यहां रोटी खाते हैं और बेटियां ब्याहते हैं। भाषा भी मिलती-जुलती है, बज्जिका, मैथिली, भोजपुरी और नेपाली का मिश्रण। नेपाल के तराई में रहने वाले मैदानी लोग बिहार के लोगों से सांस्कृतिक रूप से बहुत करीब हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में ये जुड़ाव साफ दिखता है। नेपाली लोग भारत में इलाज के लिए आते हैं, क्योंकि नेपाल में स्वास्थ्य सुविधाएं कम हैं। बिहार के अस्पतालों में नेपाली मरीज आम हैं। व्यापार भी खूब होता है सब्जियां, अनाज और दैनिक सामान सीमा पार आते-जाते हैं। शादियां दोनों तरफ होती हैं, जो परिवारों को जोड़ती हैं। लेकिन हाल के सालों में ये रिश्ते कमजोर पड़ रहे हैं।

नेपाल में कोई भी तनाव होता है, तो किसानों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। किसान अपने खेतों तक जाने के लिए सीमा पार करते हैं, लेकिन उन्हें काफी दिक्कतें आती हैं। समस्या यह है कि कई किसानों का घर तो भारत में है, लेकिन उनके खेत और खलिहान नेपाल की जमीन पर हैं। ये किसान सालों से अपनी जमीन पर खेतीबाड़ी करते आए हैं, लेकिन अब सख्ती ने सबकुछ उलट-पुलट कर दिया है। किसानों को खेतों तक पहुँचने के लिए घंटों पूछताछ से गुजरना पड़ता है। ट्रैक्टर, बैलगाड़ी तक ले जाना मना है, जिससे फसल कटाई, लाने और नई बुआई में भारी दिक्कत हो रही है। ऊपर से नेपाल सरकार ने जमीन बिक्री के नियम कड़े कर दिए हैं। अब भारतीय किसान अपनी जमीन केवल नेपाली नागरिकों को ही बेच सकते हैं और वो भी कम दाम पर।

नेपाल के नागरिकों द्वारा भारतीय सीमा क्षेत्र, खासकर बिहार के सीतामढ़ी, मधुबनी और सुपौल जैसे जिलों में अतिक्रमण की खबरें सामने आई हैं। नेपाल के लोग भारतीय जमीन पर कब्जा कर रहे हैं और फर्जी दस्तावेज बनाकर आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज हासिल कर रहे हैं। ये लोग भारतीय नागरिकों की तरह सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। नेपाल से सटे सीमावर्ती गांवों में ये गतिविधियां तेजी से चल रही हैं। कुछ लोग शादी के बहाने या अन्य तरीकों से भारत में बस रहे हैं और स्थानीय अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज बनवा रहे हैं। इससे भारत की सुरक्षा और सीमा की अखंडता पर खतरा बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने कुछ मामलों में कार्रवाई शुरू की है, लेकिन समस्या अब भी गंभीर है। इस स्थिति ने भारत-नेपाल सीमा विवाद को और जटिल कर दिया है, खासकर सुगौली संधि से जुड़े क्षेत्रों को लेकर।

भारत-नेपाल सीमा पर फेंसिंग क्यों नहीं है? वजह साफ है दोनों देशों के लोगों का आपसी मेल-जोल। अगर दीवार बना दी तो रोटी-बेटी का रिश्ता टूट जाएगा। सरकारें कहती हैं कि खुली सीमा दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक है। 1970-80 के दशक में चीनी कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की सामान्य तस्करी होती थी। धीरे धीरे यह संगठित अपराध बनता चला गया। सोना, नशीले पदार्थ, हथियार और मानव तस्करी ने पूरे भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र को प्रदूषित कर दिया। इस प्रदूषण को बढ़ावा दिया इस्लामिक कट्टरपंथियों और पाकिस्तान परस्त तत्वों ने। अब तो इसमें बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिये भी शामिल हो गए हैं।

सबसे बड़ा खतरा पाकिस्तान की आईएसआई से है। आईएसआई नेपाल को भारत विरोधी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल कर रही है। नेपाल की खुली सीमा से घुसपैठ आसान है। आईएसआई ने नेपाल में अड्डे बना रखे हैं, जहां से भारत में आतंकवाद फैलाने की साजिशें रची जाती हैं। उदाहरण के लिए लश्कर ए तैयबा, खालिस्तान और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के लोग नेपाल रूट से भारत आते हैं। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया, जो आईएसआई को भारतीय सिम कार्ड सप्लाई कर रहा था। पाकिस्तानी एजेंट नेपाल की राजनीति में घुस गए और महत्वपूर्ण पदों पर बैठ गए। मिर्जा दिलशाद बेग, आफताब आलम जैसे दर्जनों नाम हैं जिन्होंने नेपाल का पूरा माहौल सड़ा कर रख दिया।

नेपाल की सीमा धर्मांतरण के धंधे से भी भर गई। नेपाल में इस्लामी आबादी तेजी से बढ़ी। खासकर तराई इलाकों में। पाकिस्तानी फंडिंग से नेपाल में मस्जिदें बन रही हैं और गरीब हिंदुओं का धर्म परिवर्तन हो रहा है। ये भारत की सुरक्षा के लिए खतरा है, क्योंकि सीमा के दोनों तरफ मुस्लिम आबादी बढ़ने से कट्टरवाद फैलता जा रहा है। नेपाल में हिंदू बहुल समाज था, लेकिन अब इस्लामी संगठन सक्रिय हैं, जो गोहत्या और बीफ खाने की मांग कर रहे हैं। भारत के सीमावर्ती इलाकों में भी ये असर दिखता है, जहां जनसांख्यिकीय असंतुलन राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दे रहा है। अगर इस पर समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया तो जल्दी ही नेपाल भी पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरह का एक और व्याकुल देश के रूप में परिवर्तित हो जाएगा और भारतवासियों की जिंदगी दुरूह करता रहेगा।

अब अंतरिम...

पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का समर्थन किया। पहले काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेन शाह का नाम चल रहा था, लेकिन अब वह नाम पीछे रह गया है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री पद के लिए कुलमैन घिसिंग, सागर ढकाल और हर्क साम्पांग जैसे नामों का भी जिक्र हुआ था। लेकिन अब तक किसी चयनित नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

10 दिन में...

इसके तहत स्थानीय प्रशासन को सीधे कार्रवाई का अधिकार मिलेगा।

नए एसओपी पर सीएम सरमा ने कहा, अब हमें हर बार अदालत जाने की जरूरत नहीं है। जिला आयुक्त अब सीधे घुसपैठियों की पहचान कर डिपोर्टेशन या निष्कासन का आदेश जारी कर सकते हैं।

असम में लागू किए गए नए एसओपी के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध घुसपैठिया पाया जाता है, तो उसे अपनी भारतीय नागरिकता साबित करने के लिए 10 दिन का समय दिया जाएगा। अगर 10 दिन में वह अपनी नागरिकता साबित नहीं कर पाता तो जिला प्रशासन 24 घंटे के भीतर उसके लिए डिपोर्टेशन का आदेश जारी कर सकता है। इसके बाद व्यक्ति को या तो होल्डिंग सेंटर में भेजा जाएगा या सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मदद से देश से बाहर खदेड़ दिया जाएगा। यह प्रक्रिया अब विदेशी न्यायाधिकरणों को दरकिनार कर सीधे प्रशासनिक स्तर पर की जा सकेगी।मुख्यमंत्री सरमा ने इस फैसले को ऐतिहासिक और निर्णायक बताया। उन्होंने कहा, हमारे न्यायाधिकरणों में 82,000 से अधिक मामले लंबित हैं और यह एसओपी उस प्रणाली को दरकिनार करता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह एसओपी उन लोगों पर भी लागू होगा जिनका नाम एनआरसी में शामिल होने के बाद भी उनकी नागरिकता पर संदेह हो।

असम कैबिनेट ने यह भी तय किया है कि सभी चिन्हित व्यक्तियों के बायोमेट्रिक और जनसांख्यिकीय विवरण को फॉरेनर्स आइडेंटिफिकेशन पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। इससे भविष्य में निगरानी और प्रवर्तन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति सीमा पार करते हुए 12 घंटे के भीतर पकड़ा जाता है, तो उसे बिना किसी लंबी कानूनी प्रक्रिया के तुरंत वापस भेजा जा सकता है। यह एसओपी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ द्वारा अक्टूबर 2024 में दिए गए उस निर्णय के बाद लागू किया गया है जिसमें कहा गया था कि असम सरकार को 1950 के कानून का उपयोग करने की पूरी आजादी है। इस फैसले को असम में दशकों से चली आ रही घुसपैठ की समस्या से निपटने में एक निर्णायक बदलाव माना जा सकता है।

सीएम हिमंत ने यह भी साफ किया कि विदेशी न्यायाधिकरणों में लंबित 42,000 मामलों की सुनवाई जारी रहेगी। नए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) का उपयोग उन घुसपैठियों के मामलों में किया जाएगा जिनके खिलाफ न्यायाधिकरणों में कोई मामला लंबित नहीं है। पुराने आंकड़ों के अनुसार, विदेशी न्यायाधिकरणों में कुल 1,68,000 मामले दर्ज थे। हालांकि इनमें से कई घुसपैठिए गायब हो चुके हैं, जिनके मामले अभी तक निपटाए नहीं गए हैं। ऐसे में यह स्थिति प्रशासन के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई है।

दिवालिया कंपनी ...

परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित कर दिया गया। बाद में 13 जून, 2024 को आरबीआई के पास इसके बतौर धोखाधड़ी के रूप में नामित करने की रिपोर्ट भेज दी गई।कर्नाटक के चित्रदुर्ग से कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र की की अवैध कमाई और सम्पत्तियों की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच कर रहा है। 6 सितंबर को चल्लकेरे में विधायक के ठिकानों पर छापे में सोना, चांदी और करोड़ों की सम्पत्ति बरामद हुई थी। ईडी ने विधायक के ठिकानों से 21.43 किलो सोने के बिस्किट, 10.98 किलो सोने की परत वाली चांदी और करीब 1 किलो के गहने जब्त किए। इनकी कुल कीमत करीब 24 करोड़ रुपए बताई गई है। यह कोई पहली बरामदगी नहीं है। इससे पहले हुई छापेमारियों और जब्तियों को मिलाकर इस पूरे केस में अब तक 100 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध सम्पत्ति सामने आ चुकी है।ईडी की जांच में सबसे बड़ा खुलासा यह हुआ है कि विधायक वीरेंद्र और उनके साथियों ने ऑनलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क चलाया। उन्होंने किंग567, राजा567, लायन567, प्ले567 और प्लेविन567 जैसी वेबसाइटें बनाकर लाखों लोगों से करोड़ों रुपए वसूले। यह पैसा सीधा उनके खातों में नहीं डाला जाता था, बल्कि इसे पेमेंट गेटवे और फर्जी (म्यूल) बैंक खातों के जरिए इधर-उधर घुमाया जाता था, ताकि इसकी असली पहचान छुपी रहे। जांच एजेंसी के पास अब ऐसे ठोस सबूत हैं, जिनसे यह साफ हो गया है कि सारी कमाई अवैध थी और मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए इसे सफेद दिखाने की कोशिश की गई।जांच में यह भी सामने आया है कि विधायक और उसका परिवार इस काले धन का इस्तेमाल शाही जीवनशैली अपनाने में कर रहे थे। उसने कई बार अंतरराष्ट्रीय यात्राएं कीं, जिनका खर्च इन्हीं पैसों से उठाया गया। साथ ही करोड़ों रुपए की लग्जरी कारें भी खरीदी गईं। ईडी ने दस्तावेजों से यह भी पाया कि एक मर्सीडीज कार एबीएच इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर खरीदी गई थी। वहीं, एक रेंज रोवर कार की फंडिंग गुलशन खट्टर नाम के व्यक्ति ने की थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि यह सारी सम्पत्ति अवैध रूप से अर्जित पैसों से खरीदी गई और इन्हें भी जब्ती की कार्रवाई में शामिल किया जाएगा। इससे पहले 4 सितंबर को बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने विधायक वीरेंद्र की ईडी कस्टडी को 4 दिन और बढ़ा दिया था। अदालत में पेश किए गए दस्तावेजों से साफ हुआ कि उसने सट्टेबाजी से कमाए गए पैसों को वैध दिखाने के लिए बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग की। ईडी अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और आने वाले दिनों में इस केस से जुड़े और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

पितृदोष कितनी पीढ़ियों तक रहता है? गरुड पुराण से जानें लक्षण और उपाय

पितृदोष ऐसे दोष है जो न केवल एक व्यक्ति पर सिमट कर रह जाता है। यह ऐसा दोष है जो पीढ़ी दर पीढ़ी पीछा करता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार सात पीढियों तक पितृ दोष बना रहता है। लेकिन ऐसी मान्यता भी है कि जब तक पितृदोष की शांति नहीं हो जाती है तब तक यह कुल परिवार में किसी न किसी रूप में प्रभावित करती रहती है। वैसे यह जरूरी नहीं है कि हर व्यक्ति को परिवार में पितृ दोष लगे। इसमें व्यक्ति के अपने कर्मों का भी फल शामिल होता है। इसलिए एक ही परिवार में दो संतान या उससे अधिक संतान होने पर पर किसी को भी इसका फल भोगना पड़ सकता है। लेकिन यह तो निश्चित माना जाता है कि पितृदोष होने परिवार में किसी न किसी एक व्यक्ति की कुंडली में जिनका पूर्वजन्म का संचित कर्म बलवान नहीं है वह इस दोष से प्रभावित हो जाता है। आइए जानते हैं पितृदोष कब तक रहता है साथ ही जानें गरुड पुराण से पितृ दोष से बचने के उपाय।

पितृदोष से बचने के उपाय

पितृपक्ष में पितरों की शांति के लिए हवन पूजन कराएं। पितरों के निमित्त पितृ पक्ष श्राद्ध के दौरान पितरों को जल और तिल अर्पित करें और ब्राह्मण और जरूरतमंदों को भोजन कराएं।

कुल देवी देवता की पूजा करें और कुलदेवता के नाराज होने पर भी पितृदोष परिवार पर बना रहता है।

महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करवाकर हवन करवाएं और पार्थिव शिवलिंग बनवाकर कम से कम सवा लाख शिवलिंग की पूजा करें।

ब्राह्मणो को खीर का भोजन करवाएं। किसी भी शुभ अवसर पर कुल देवी देवता से आशीर्वाद लें और उनको वस्त्र और चढावा भेंट करें।

पितृदोष के लक्षण

जिस व्यक्ति पर पितृ दोष होता है वह हमेशा क्रोध, निराशा और अवसाद से घिरा रहता है। साथ ही वंश वृद्धि में भी समस्याएं आती हैं।

घर परिवार में कोई न कोई हादसा होता रहता है। साथ ही परिवार में संतान को सफलता नहीं मिल पाती है।

घर परिवार में सुख समृद्धि नहीं रहती है। परिवार में कलह क्लेश बना रहता है।

कैसे लग जाता है पितृ दोष

गरुड़ पुराण के अनुसार, पितृ दोष का कारण यह है कि अगर परिवार के मुखिया ने अगर किसी जीव जंतु, सांप या फिर किसी असाहय मनुष्य की हत्या करता है या उन पर अत्याचार करते हैं तो व्यक्ति को पितृ दोष लगता है। इसके अलावा ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर किसी की कुंडली में दूसरे, आठवें और दसवें भाव में सूर्य के साथ केतु या राहु होते हैं तो पितृ दोष लगता है। गरुड़ पुराण में यह भी बताया गया है कि जब तक पितरों की शांति के लिए जप तप नहीं किया जाता है तब तक पितृदोष से मुक्ति नहीं मिलती है। कहा जाता है कि कई पीढ़ियों तक पितृदोष बना रहता है।

श्राद्ध पक्ष में कौए, कुत्ते और गौमाता को भोजन का अंश देने से होते हैं लाभ

श्राद्ध में काले तिलों से तर्पण होता है। काले तिलों से ही पितृ देवता तृप्त होते हैं। गरुड़ पुराण में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि तिल मेरे पसीने से निकले हैं। चूंकि श्रीकृष्ण श्याम छवि के हैं और भवसागर से पार लगाने वाले हैं। काले तिलों से तर्पण किया जाता है, काले तिल काल के प्रतीक हैं, एक तिल का दान, स्वर्ण के 32 सेर तिल के बराबर है। तिल दान से अभीष्ट सन्तान की प्राप्ति होती है और शनि, राहु जनित दोष सहित अनेक दोषों का निवारण होता है। पितृ पक्ष में पितरों को श्रद्धापूर्वक याद कर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके तिलांजलि देने से पितृ देवता तृप्त होते हैं और कल्याण करते हैं।

कौआ – कहा जाता है कि कौआ भी यम पक्षी है। काले रंग का है और वह भी काल को पहले से ही पढ़ लेता है। सदियों पुरानी कहावत है, कौआ यदि घर की मुंडेर पर बैठ जाए तो मान लिया जाता है कि मेहमान आने वाला है, वहीं कौआ किसी के सिर पर बैठ जाए तो उसे बहुत अशुभ माना जाता है। ग्रामीण अंचलों में जब कभी किसी के सिर पर कौआ बैठ जाता है, तो उसे संकट से बचाने के लिए लोग उस व्यक्ति की मृत्यु की सूचना झूठ-मूठ रिश्तेदारों को दे देते हैं, फिर बाद में बताते हैं कि कौआ बैठने के कारण यह भ्रमित सूचना दी गई है, ऐसा करने से माना जाता है कि व्यक्ति सुरक्षित रहता है, उस पर संकट टल जाता है। कौआ श्राद्ध में आपको पितृ की याद दिलाता है, इस नाते यम का एक अंश कौओं को भी दिया जाता है।

कुत्ता – मनुष्य के लिए सबसे वफादार कुत्ता है। मान्यताओं के अनुसार कुत्ता भैरव जी की सवारी के कारण यम पशु है, वह भी काल का प्रतीक है। जरा सी आहट होने और अनहोनी की आशंका होते ही कुत्ता सोते हुए भी जाग जाता है। कुत्ते को भोजनांश देने का अर्थ यह है कि हमारे पितृ जहां भी जिस योनि में हों, सुरक्षित रहें। भारतीय ज्योतिष में जन्मपत्री में केतु की पीड़ होने पर कुत्ते की देखभाल, सेवा एवं भोजन देने से अनिष्ट केतु का प्रकोप समाप्त होता है, जिससे जीवन में अचानक चमत्कारिक परिवर्तन आते हैं।

मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पक्ष में कौए, कुत्ते और गाय को भोजन का अंश देने से अकाल मृत्यु से रक्षा होती है तथा पितरों के आशीर्वाद से रुके हुए कार्य पूर्ण होते हैं।

सर्वपितृ अमावस्या 21 को

इस बार बने कई शुभ योग, जानें तर्पण की विधि

सर्वपितृ अमावस्या पितृपक्ष के अंतिम दिन होती है जिसे जाता है। सर्वपितृ अमावस्या का महालय और सर्व मोक्ष अमावस्या भी कहा जाता है। पितरों की कृपा प्राप्त करने के लिए यह पितृ पक्ष का आखिरी दिन होता है। इस दिन किया गया श्राद्ध कर्म और तर्पण सभी पितरों के नाम से किया जाता है। इस दिन पितरों को विदाई दी जाती है। आइए जानते हैं कब है सर्वपितृ अमावस्या जानें तारीख और महत्व।

सर्वपितृ अमावस्या पर किसका श्राद्ध होता है ?

सर्वपितृ अमावस्या के दिन इन सभी पितरों का श्राद्ध किया जाता है जिनका श्राद्ध करना आप भूल गए हों या फिर जिनकी श्राद्ध की पुण्यतिथि याद नहीं हो। उस दिन सभी पितरों का नाम लेकर श्राद्ध करना चाहिए।

अमावस्या तिथि की शुरुआत 20 तारीख को रात 12 बजकर 17 मिनट पर होगी और 21 तारीख को रात में 1 बजकर 24 मिनट पर अमावस्या तिथि समाप्त होगी। ऐसे में सर्वपितृ अमावस्या उदय तिथि के अनुसार 21 तारीख को ही मनाई जाएगी। इस बार सर्वपितृ अमावस्या पर शुभ योग और सर्वार्थ सिद्धि योग भी रहेगा।

अमावस्या तिथि श्राद्ध के नियम

इस दिन स्नान करने के बाद किसी पवित्र नदी या किसी शुद्ध जगह पर अपना आसन लगाएं।

इसके बाद हाथ में थोड़ा चावल लेकर सभी पितरों को याद करते हुए श्राद्ध का संकल्प लें।

जल में अक्षत डालें और उसे देवताओं को अर्पित करें। इसके बाद पितरों के नाम से तर्पण करें।

पितरों के तर्पण के लिए काले तिल, सफेद फूल हाथ में लेकर फिर जल डालते हुए तर्पण किया जाता है।

तर्पण के लिए तर्जनी अंगुली और अंगूठे के बीच कुशा लें और एक अंजलि बनाए।

अंजलि में जल लेकर उसे खाली पात्र में अर्पित करें। सभी पितरों को याद करते हुए सभी के नाम से तीन बार जल अर्पित करें। तर्पण करते समय ओम पितृभ्य नमः का जप करते रहें।

इसके बाद तर्पण का जल किसी पेड़ में अर्पित कर दें। इसके बाद ब्राह्मण को घर बुलाकर भोजन कराएं।

पितृ आत्माएं भी देवताओं की तरह प्रसन्न होने पर पूरी करती हैं मनोकामनाऐं

अशरीरी आत्माओं का अस्तित्व तथा मनुष्यों के साथ उनका सहयोग एक अविश्वसनीय वास्तविकता है। दिव्य आत्माएं प्रसन्न होने पर अपने परिजनों की मदद करती हैं तथा भविष्य में आने वाली विपत्तियों के बारे में भी पूर्व सूचनाऐं प्रेषित करती हैं। ये अलग बात है कि कभी-कभी वंशज अपने पर्वूजों का संवाद एवं उसका अर्थ ठीक से समझ नहीं पाते हैं। दिवंगज पूर्वज कभी सपने में आकर तो कभी पितृपक्ष के दौरान सूक्ष्म रूप से संवाद करते हैं।

मनुष्यों का विश्वास प्राचीन काल से आसमानी ताकतों पर रहा है, देवी-देवता, पितृ, दिव्यात्माऐं, ग्रह-नक्षत्र इत्यादि ये सब आसमानी शक्तियां हैं, जो मनुष्य को पग-पग पर कल्याण की ओर प्रेरित करती हैं। निर्मल हृदय होने पर व्यक्ति इनसे प्राप्त शुभाशुभ संकेत समझकर पृथ्वी पर निरन्त प्रगति करता है, जिससे उसे इस लोक में सफलता और आयु पूरी करने पर मृत्यु उपरान्त परलोक में भी सद्गति प्राप्त होती है। करोना काल की एक आश्चर्यजनक घटना आज भी याद आती है, एक बड़े व्यवसायी का व्यवसाय चौपट हो गया था। कुछ समय बाद उसकी बेटी की शादी थी, लेकिन दुकान बन्द होने के कारण उसका सारा उधार दिया गया सामान का पैसा फंस चुका था।

शादी के लिए जो थोड़े-बहुत पैसे जमा किए गए थे, वे भी आकस्मिक खर्चों में खर्च हो गए। विवाह सिर पर खड़ा था, पैसों की कोई व्यवस्था समझ में नहीं आ रही थी, घर वालों को कुछ समझ में नहीं आ रहा था, कि क्या करें और न क्या करें। पितृपक्ष के दौरान पितरों को तिलांजलि देने के बाद वह व्यवसायी आसमान की तरफ सिर किए धीमे स्वर से कहने लगा, 'हे मेरे पूर्वजों! अब आप ही का सहारा है, आप ही मेरी इज्जत बचा सकते हैं, कोई ऐसा रास्ता दिखाऐं कि बिगड़े काम बन जाऐं।' वह बार-बार अन्तर्मन में इसी बात को दोहरा रहा था, तभी उसे एहसास हुआ कि कोई आसमानी ताकत मानो यह कह रही हो, 'तू चिन्ता मत कर, सब काम ठीक हो जाएगा।'

अगले दिन जैसे ही व्यापारी ने दुकान खोली, तो दो बड़े ग्राहक दुकान पर आए, जिन्होने उस व्यापारी से पहले सामान उधार ले रखा था, उन दोनों ने उधार का लाखों रुपया चुका दिया। बात ही बात में अलग-अलग दोनों ग्राहकों ने एक आश्चर्यजनक बात बताई कि उन्हें सपने में किसी अदृश्य शक्ति का साया दिखाई पड़ा जो कह रहा था, 'अगर तुमने उधार के पैसे नहीं लौटाए, तो भविष्य में कष्टों का सामना करना पड़ सकता है।' जब ये बात उस व्यापारी ने घर पर आकर बताई कि ये सब उस शक्ति का चमत्कार था, जो मानो आसमान से संवाद कर रही थी, तो उसकी पत्नी भी चकित हो गई, दिव्य अलौकि शक्तियों को धन्यवाद के रूप में दोनों पति-पत्नी ने आसमान की तरफ हाथ जोड़कर कहा, 'आप जो भी हैं, हमारे लिए ईश्वर से बढ़कर हैं।' पितृपक्ष के दौरान अगर कोई मनोकामना आपकी है, तो अपने पितरों को सच्चे मन से बताऐं, पितृ प्रसन्न होने पर आपकी सहायता अवश्य करेंगे।

आर्थिक तंगी में ऐसे करें पितरों का तर्पण

आर्थिक कारणों या किसी शारीरिक अक्षमता के चलते अगर आप पितृपक्ष में पितरों का श्राद्ध करने में असमर्थ हैं तो दुखी न हों, शास्त्रानुसार इसके लिए भी उपाय हैं, शास्त्र कहते हैं कि अगर कोई व्यक्ति श्राद्ध करने की स्थिति में नहीं हैं, अन्नविहीन है तो भी उनके दिवंगत पूर्वज की तिथि के दिन वह व्यक्ति मन ही मन पितरों का आह्वान करके गाय को हरी घास खिलाएं। अगर आप ऐसी जगह पर हैं जहां घास भी नहीं मिल सकती तो किसी निर्जन स्थान पर जाकर प्रत्यक्ष देवता सूर्य नारायण की ओर मुख करके अपने दोनों हाथ ऊपर उठाकर पितरों का आह्वान करें, श्रद्धा के साथ सूर्य से विनती करें कि, 'हे सूर्य नारायण! मेरे पितरों को तृप्त करें।' साथ ही दक्षिण दिशा की ओर भी दोनों हाथ उपर कर पितरों की मुक्ति की कामना करें। सच्चे मन से श्रद्धाभाव के साथ ऐसा करने से पितृ तृप्त होकर आशीर्वाद देकर अपने धाम को लौट जाते हैं।

श्राद्ध आदि कर्म के लिए कर्ज नहीं लेना चाहिए – कर्ज लेकर श्राद्ध नही करना चाहिए, कर्ज लेकर पितरों के पसंद के पकवान बनाकर श्राद्ध करने से पितरों को कष्ट होता है। इसलिए कर्ज लेकर पितरों का श्राद्ध न करें, ऐसी स्थितियों से बचना चाहिए। अगर किसी की आर्थिक स्थिति सही न हो, तो वह अपनी थाली में से रोटी के कुछ अंश भोजन करने से पूर्व पितरों के निमित्त निकालकर उन्हें श्रद्धापूर्वक अर्पण करें। धर्माचार्यों का यहां तक मत है कि अगर पितरों को तृप्त करने के लिए अपने आहार से थोड़ा सा भोजन निकालकर पितरों को अर्पण करना पड़े, तो श्रद्धापूर्वक थोड़ा-सा कम खाकर भी पितरों को पंद्रह दिन तृप्त करके वर्ष भर जीवन में सुख-शांति प्राप्त की जा सकती है।

शारीरिक रूप से असमर्थ वंशजों के लिए भी श्राद्ध विधान है कि वह अपनी जगह से अपने पितृ को श्रद्धापूर्वक ध्यान करके भगवान सूर्य से यह निवेदन करे कि, 'हे सूर्य नारायण! मेरे पितरों की क्षुधा तृप्त करें।' दरिद्रता के कारण जो पितृ की क्षुधा को तृप्त करने की स्थिति में नहीं है, तो वह किसी एकांत स्थान पर जाए, दक्षिण की ओर मुंह करके पितरों का श्रद्धापूर्वक आह्वान करते हुए दोनों हाथ ऊपर उठाकर प्रार्थना करें कि, 'हे प्रभु! मेरे पितरों को तृप्त कर उन्हें मोक्ष सद्गति प्रदान करें,' ऐसा करने से पितरों की क्षुधा तृप्त होती है।

17 सितंबर को खरीदें नया वाहन, मिलेगी भगवान विश्वकर्मा की कृपा

विश्वकर्मा पूजा सिर्फ पूजा-पाठ का दिन नहीं, बल्कि यह समृद्धि और निर्माण का भी महापर्व है। इस दिन देशभर में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की जाती है, जिन्हें दुनिया का पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। इस खास अवसर पर नया वाहन खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। चलिए जानते हैं इस दिन के महत्व के बारे में।

क्यों है विश्वकर्मा पूजा पर वाहन खरीदना शुभ?

भारतीय संस्कृति में हर चीज के लिए एक खास मुहूर्त होता है। धनतेरस और दिवाली जैसे पर्वों पर वाहन खरीदना शुभ माना जाता है, लेकिन विश्वकर्मा पूजा पर वाहन खरीदने का महत्व कुछ खास है। भगवान विश्वकर्मा औजारों, मशीनों और वाहनों के देवता हैं। मान्यता है कि इस दिन अगर आप कोई नया वाहन घर लाते हैं, तो उस पर भगवान विश्वकर्मा की विशेष कृपा बनी रहती है। इससे वाहन लंबी अवधि तक सुरक्षित रहता है और आपको यात्रा में सुख और समृद्धि मिलती है।

कौन हैं भगवान विश्वकर्मा?

भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि के प्रथम इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। माना जाता है कि उन्होंने न केवल देवताओं के महल और रथ बनाए, बल्कि कई दिव्य अस्त्र-शस्त्र और भवनों का भी निर्माण किया। यही कारण है कि विश्वकर्मा पूजा के दिन मशीनों, औजारों, फैक्ट्री और वाहनों की पूजा का विशेष महत्व है।

इस दिन पूजा क्यों होती है विशेष?

हर साल भाद्रपद माह या आश्विन माह के विशेष तिथि पर विश्वकर्मा पूजा मनाई जाती है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा के साथ-साथ, औजारों, मशीनों, और वाहनों की पूजा की जाती है। लोग अपने वाहनों को सजाकर, गंगाजल से शुद्ध कर, पुष्प, धूप, दीप और नारियल अर्पित करके पूजा करते हैं।

इन राज्यों में है विशेष महत्व

राजस्थान, हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में विश्वकर्मा पूजा का उत्सव विशेष रूप से मनाया जाता है। इन क्षेत्रों में वाहन और मशीनों से जुड़े काम करने वाले लोग इस दिन अपने औजारों और वाहनों की पूजा करते हैं। गैराज, कारखाने और फैक्ट्रियों में भगवान विश्वकर्मा की मूर्तियों को स्थापित किया जाता है और उनकी आरती की जाती है। इस दिन लोग अपने काम को सम्मान देते हैं और अपने औजारों को कुछ देर का आराम देते हैं।

2025 में विश्वकर्मा पूजा पर क्यों है खास मौका?

द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल, 17 सितंबर 2025 को बुधवार के दिन विश्वकर्मा पूजा मनाई जाएगी। बुधवार का दिन भगवान गणेश को समर्पित है, जो किसी भी कार्य को शुरू करने से पहले पूजे जाते हैं। भगवान विश्वकर्मा के साथ गणेश जी का आशीर्वाद मिलने से यह दिन और भी शुभ हो जाता है। अगर आप नया दोपहिया या चौपहिया वाहन खरीदने का सोच रहे हैं, तो इस दिन वाहन की डिलीवरी लेना बहुत ही फायदेमंद साबित हो सकता है। यह सिर्फ एक दिन की बात नहीं है, बल्कि यह आपके जीवन में सफलता और सुरक्षा का प्रतीक भी बन सकता है।

जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर रिलीज

कोर्टरूम ड्रामा में भिड़ेंगे अक्षय कुमार और अरशद वारसी

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार ने इस ट्रेलर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।फिल्म में एक बार फिर कोर्टरूम ड्रामा, सामाजिक मुद्दे, और हास्य का मेल देखने को मिलेगा।

इस बार कहानी और भी गंभीर और संवेदनशील विषय को उठाती नजर आती है, जिसमें दो जॉली, अक्षय कुमार और अरशद वारसी, आमने-सामने हैं।ट्रेलर की शुरुआत एक गंभीर और भावनात्मक डायलॉग से होती है, मेरे दादा को परदादा से और मुझे पिता से जो विरासत में मिली, वही सौंपना चाहता था मैं अपने बेटे को। इस वॉयसओवर के साथ दंगों, पुलिस के लाठीचार्ज और सामाजिक उथल-पुथल के दृश्य सामने आते हैं। इसी दौरान एक महिला 'स्वर्गीय राजाराम सोलंकी' की मूर्ति के पैरों से लिपटी दिखाई देती है।

इसके बाद अक्षय कुमार की एंट्री होती है, जो स्कूटर चलाते नजर आते हैं। वह पैसों के बदले में अपने असिस्टेंट से कहते हैं, कोई जॉली बोले तो उसे मेरे पास ही लेकर आना। अक्षय कुमार के साथ हुमा कुरैशी भी नजर आई हैं, जिनकी शराब पीने की आदत से अक्षय परेशान दिखाई देते हैं।वहीं, अरशद वारसी एक बार फिर वकील के किरदार में हैं, जो खुद को बेहद बिजी बताते हैं, लेकिन असल में उनके पास कोई काम नहीं होता।ट्रेलर में अक्षय और अरशद एक ही क्लाइंट को लेकर भिड़ते भी दिखते हैं। अरशद अक्षय को 'क्लाइंट चोर' तक कह देते हैं, जिसके बाद दोनों के बीच हाथापाई की नौबत आ जाती है।

यह सीन दर्शकों को फिल्म के पहले भाग की याद दिलाता है। फिल्म की कहानी में एक जमीन विवाद को प्रमुख रूप से दर्शाया गया है, जिसमें खेतान साहब, जिनका किरदार गजराज राव निभा रहे हैं, एक प्रभावशाली भूमिका में दिखाई देते हैं।

अक्षय कुमार खेतान साहब से मिलने के लिए किसी से गुजारिश करते हैं, जो कहता है कि उन्हें खुद मिलने में एक साल और नाम याद कराने में दो साल लगे। लेकिन, चौंकाने वाला मोड़ तब आता है, जब खेतान साहब खुद अक्षय से मिलने पहुंचते हैं।इस केस को लेकर अक्षय और अरशद एक बार फिर आमने-सामने आते हैं। कोर्टरूम में दोनों वकीलों के बीच की बहस, रणनीति और नोकझोंक कहानी को दिलचस्प मोड़ देती है।

ट्रेलर में अमृता राव की झलक भी देखने को मिली है। ट्रेलर से साफ है कि 'जॉली एलएलबी 3' कॉमेडी के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर गंभीरता से सवाल उठाएगी। 'जॉली एलएलबी 3' 19 सितबंर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नेहा कक्कड़ और डिनो मोरिया का तू प्यासा है, मैं पानी सनम में शानदार डांस

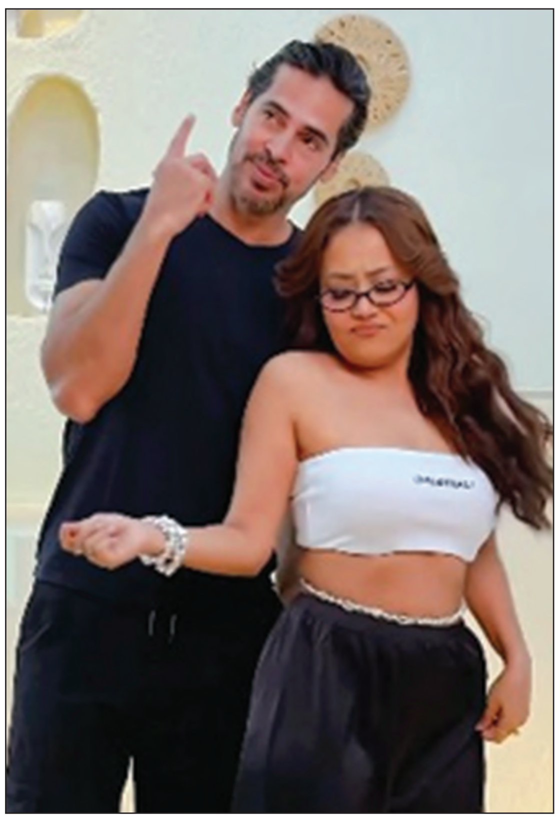

मशहूर सिंगर नेहा का हाल ही में डिनो मोरिया के साथ गाना 'तू प्यासा है, मैं पानी सनम' रिलीज हुआ था। अब गायिका ने गाने पर वीडियो बनाई है, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।वीडियो में नेहा और डिनो की जोड़ी गाने के बोल पर धमाकेदार डांस मूव्स करती नजर आ रही है।

वीडियो की शुरुआत में नेहा डिनो को डांस के लिए उकसाती हैं और खुद शानदार डांस मूव्स करने लगती हैं। उनके एनर्जेटिक मूव्स देखकर डिनो भी खुद को रोक नहीं पाते और नेहा के साथ कदम मिलाते हुए डांस करने लगते हैं। दोनों की केमिस्ट्री और डांस मूव्स ने फैंस का दिल जीत लिया है।

इस वीडियो में भी नेहा का बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज छाया हुआ है, जबकि डिनो का स्टाइलिश लुक गाने की रौनक को बढ़ा रहा है। लुक की बात करें तो नेहा ने व्हाइट क्रॉप टॉप के साथ ब्लैक पैंट पहना है, जो उनके स्टाइलिश और ट्रेंडी अवतार को बखूबी दर्शाता है। वहीं, डिनो ने ब्लैक शर्ट और पैंट में अपना क्लासिक चार्म बिखेरा है। नेहा ने वीडियो के कैप्शन में कुछ नहीं लिखा, बस दो ब्लैक एंड व्हाइट इमोजी डाले, जो उनके और डिनो के लुक के साथ परफेक्टली मेल खाते हैं।'तू प्यासा है, मैं पानी सनम' एक रोमांटिक और एनर्जेटिक गाना है, जिसमें नेहा का सिजलिंग अवतार देखने लायक है। गाने का म्यूजिक और बीट्स युवाओं को खूब पसंद आ रहा है। डिनो मोरिया की मौजूदगी ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है।इस गाने को यूट्यूब और अन्य म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किया गया है और इसे अब तक 5.5 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं।टोनी कक्कड़ ने गाने को लिखने के साथ-साथ संगीतबद्ध भी किया है। इस गाने को आदिल शेख ने डायरेक्ट किया है। इसकी कोरियोग्राफी मोहित और सेरेन ने की है।

युजवेंद्र चहल से तलाक नहीं, टैलेंट की वजह से मिल रहे हैं फिल्मों के ऑफर: धनश्री

कोरियोग्राफर और अभिनेत्री इन दिनों रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' में दिखाई दे रही हैं। उन्हें इस शो के अलावा भी कई फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं। बहुत से लोगों का मानना है कि इसकी वजह युजवेंद्र चहल से उनका तलाक है, वह इसके लिए खूब सुर्खियों में रहीं।

धनश्री वर्मा तलाक से मिली लोकप्रियता को भुना रही है, इस पर अब उनका रिएक्शन सामने आया है। धनश्री वर्मा ने बताया कि फिल्मों के ढेर सारे ऑफर मिलना तलाक की वजह से नहीं, बल्कि उनका टैलेंट है। धनश्री वर्मा ने कहा, मुझे इस पर यकीन नहीं होता। मैं यहां अकेले खड़ी हूं, पूरी दुनिया मेरे खिलाफ है। मुझे काम मिल रहा है, मैंने पहले भी कहा था, मुझे इंडस्ट्री से प्यार है, क्योंकि लोग अब भी मुझे काम दे रहे हैं। मुझे ढेर सारी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं, इसलिए नहीं कि जो मेरे साथ हुआ है, बल्कि इसलिए क्योंकि मुझमें टैलेंट है। इसका किसी और चीज से कोई लेना-देना नहीं है।

धनश्री और चहल ने 2020 में सगाई की और उसी साल दिसंबर में दोनों ने गुरुग्राम में शादी कर ली थी, जिसमें उनके परिवार और कुछ करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी के पांच साल बाद फरवरी 2025 को दोनों का तलाक हो गया था। दोनों के तलाक ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। चहल के फैंस ने धनश्री को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल भी किया था।

धनश्री वर्मा ने फिल्म 'भूल चूक माफ' के गाने 'टिंग लिंग सजना' से बड़े पर्दे पर धूम मचा दी थी। इसमें वो अभिनेता राजकुमार राव के साथ नजर आई थीं। इसके अलावा, वह वीडियो सॉन्ग 'देखा जी देखा मैंने' में भी दिखाई दी थीं। बहुत जल्द धनश्री वर्मा प्रसिद्ध फिल्म निर्माता दिल राजू की फिल्म 'आकाशम दाती वस्तावा' में दिखाई देंगी। यह उनका तेलुगु डेब्यू होगा। फिल्म की कहानी डांस पर आधारित है। इन दिनों वो रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' में सभी कंटेस्टेंट को कड़ी टक्कर देती दिखाई दे रही हैं।

अभिनेत्री वाहबिज दोराबजी ने तनाव की वजह से बीच में छोड़ा था सीरियल

टीवी एक्ट्रेस वाहबिज दोराबजी को 'प्यार की एक कहानी', 'सरस्वती चंद्र', और 'बहु हमारी रजनीकांत' जैसे सीरियल्स के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर के मुश्किल दौर को याद किया।साथ ही बताया कि कैसे काम के तनाव की वजह से उन्हें एक सीरियल को बीच में ही छोड़ना पड़ गया था।

वाहबिज ने कहा, हां, मैंने एक शो बीच में ही छोड़ दिया था। मेरे जाने के कुछ दिनों बाद वो शो बंद हो गया क्योंकि शो उन पर ही आधारित था। सच कहूं तो काम के तनाव ने मुझ पर बहुत बुरा असर डाला था। मुझे मधुमेह था और ये गंभीर स्थिति तक पहुंच गया था। डॉक्टर्स ने मुझे आराम करने की सलाह दी थी। इसलिए मेरे पास कोई विकल्प नहीं था।

अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मैं खुद पर, अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं। रिश्तों के मामले में मैं बहुत पुराने जमाने की हूं। मैं 90 के दशक के प्यार में विश्वास करती हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती हूं जो मेरे जीवन में कुछ अर्थ जोड़े, जो मेरे बराबर का हो, महत्वाकांक्षी हो, फिर भी परिवार के प्रति समर्पित हो। मुझे आजकल के स्वाइप कल्चर से बहुत डर लगता है।टीवी इंडस्ट्री के बिजी शेड्यूल पर भी उन्होंने बात की। वाहबिज दोराबजी ने अपनी राय रखते हुए कहा, टेलीविजन बहुत ही डिमांडिंग इंडस्ट्री है। जब आप इस दुनिया में आते हैं तो आपको पता होता है कि आप क्या करने जा रहे हैं। कभी-कभी प्रसारण का दबाव होता है और आप अपने प्रोडक्शन को कम नहीं कर सकते। लेकिन सच्चाई यह है कि हमारा शरीर इतना दबाव नहीं झेल पाता। मेरा मानना है कि आज की दुनिया को एक संतुलित और समग्र जीवनशैली की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर काम का समय सीमित कर दिया जाए, तो कलाकारों के अभिनय में निखार आएगा, वे स्वस्थ रहेंगे, और उत्पादकता भी बढ़ेगी। इससे सबको फायदा होगा।

मैं सुरक्षित हूं : काजल अग्रवाल

मौत की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी और बेहतरीन एक्ट्रेस काजल अग्रवाल को लेकर सोशल मीडिया पर हाल ही में एक चौंकाने वाली अफवाह फैलने लगी। कई जगहों पर यह दावा किया गया कि काजल अग्रवाल का एक सड़क हादसे में निधन हो गया है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि वह गंभीर रूप से घायल हैं और उनकी हालत नाजुक है।इन खबरों के चलते फैंस चिंता में आ गए। हर कोई उनकी सलामती को लेकर परेशान हो गया। लेकिन, अब खुद काजल ने इन तमाम झूठी बातों का जवाब दिया है और बताया है कि वह बिल्कुल ठीक हैं।काजल अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट में साफ किया कि ये सारी बातें बेबुनियाद हैं।उन्होंने लिखा कि कुछ मीडिया प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें चल रही हैं, जिनमें कहा जा रहा है कि वह किसी हादसे में मर चुकी हैं।काजल ने मजाकिया अंदाज में कहा कि ये खबरें न सिर्फ फर्जी हैं, बल्कि काफी मजेदार भी हैं, क्योंकि इसमें जरा भी सच्चाई नहीं है।उन्होंने आगे कहा कि भगवान की कृपा से वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं, स्वस्थ हैं और अच्छी जिंदगी जी रही हैं। काजल ने अपने फैंस से विनम्र निवेदन करते हुए कहा, ''कृपया इस तरह की झूठी बातों पर विश्वास न करें और न ही इन्हें आगे बढ़ाएं। हमें निगेटिव चीजों से हटकर पॉजिटिव और सच्ची बातों पर ध्यान देना चाहिए।''इस बयान के बाद उनके चाहने वालों ने राहत की सांस ली और सोशल मीडिया पर उन्हें ढेर सारा प्यार भेजा।

वर्कफ्रंट की बात करें तो काजल अग्रवाल पिछली बार एक्टर विष्णु मांचू की फिल्म 'कन्नप्पा' में नजर आई थीं। उनकी झोली में मशहूर डायरेक्टर नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' भी है। इस पौराणिक फिल्म में वह रावण की पत्नी मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। इसके अलावा, उनके पास 'द इंडिया स्टोरी' और 'इंडियन 3' जैसी फिल्में भी हैं। साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी और बेहतरीन एक्ट्रेस काजल अग्रवाल को लेकर सोशल मीडिया पर हाल ही में एक चौंकाने वाली अफवाह फैलने लगी। कई जगहों पर यह दावा किया गया कि काजल अग्रवाल का एक सड़क हादसे में निधन हो गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। कोई पौधा लगाएँ। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभा–वना है। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। अपने जरुरी कामों को निपटा–कर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। अगर आज आप किसी को सलाह देते हैं, तो ख़ुद लेने के लिए भी तैयार रहें। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर जाते समय ज़िंदगी को पूरी शिद्दत से जिएँ। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। अपने क़रीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। कोई पौधा लगाएँ। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो अनुभवी हों। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जितना आपने सोचा है, आपके दोस्त उससे ज़्यादा मददगार साबित होंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। दोस्तों की परेशानियों और तनाव के चलते आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से यह थोड़ा मुश्किल वक़्त है।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 सितंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी दोपहर 12:47 तक
नक्षत्र : अश्विनी दोपहर 12:58 तक
योग : ध्रुव सायं 05:04 तक
करण : बालव दोपहर 12:47 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:16 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:12 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चतुर्थी श्राद्ध , पंचमी श्राद्ध ,
गण्डमूल दोपहर 01:58 तक , भरणी श्राद्ध

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने जनता के बीच जाकर उनके आंसू पोंछे : भजनलाल

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सदन की अपनी परंपराएं और गरिमा होती हैं, लेकिन विपक्ष केवल सस्ती लोकप्रियता के लिए सदन का समय बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 8 करोड़ जनता की समस्याओं के समाधान के लिए ही यह सदन कार्य करता है। विपक्ष जिस तरह से व्यवधान डाल रहा है, उसे प्रदेश की जनता देख रही है और समय आने पर उन्हें माफ़ नहीं करेगी।

शर्मा ने बुधवार को विधानसभा में दिए अपने बयान में कहा कि मानसून सत्र जनता की समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करने और समस्याओं से जुड़कर उनके समाधान के लिए आहूत किया गया है। लेकिन विपक्ष की ओर से ऐसा कोई ठोस मुद्दा नहीं रखा गया जिससे जनता की वास्तविक आवाज सदन तक पहुंच सके।

शर्मा ने कहा कि हाल ही में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने एवं प्रभावित लोगों के दुख दर्द बांटने के लिए विपक्ष का कोई भी नेता या जनप्रतिनिधि जनता के बीच नहीं गया। जबकि राज्य सरकार के सासंद, मंत्री, विधायक और अधिकारियों ने फील्ड में जाकर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा पीड़ित जनता की मदद कर उनके आंसू पोंछे। हैं। उन्होंने कहा कि जनता के हित में उठाई गई मेरी आवाज को विपक्ष नहीं दबा सकता।

जयपुर में पीपीपी मॉडल पर जल्द शुरू होगी हॉप–ऑन हॉप–ऑफ बस सेवा

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को अल्बर्ट हॉल से फ्लिक्सबस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग और अग्रणी इंटरसिटी मोबिलिटी प्रोवाइडर फ्लिक्सबस के बीच विशेष साझेदारी की शुरुआत हुई। इस पहल का उद्देश्य राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और विरासत को देश–विदेश में प्रमोट करना और यात्रियों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करना है। फ्लिक्सबस, विरासत–थीम पर आधारित कस्टम–ब्रांडेड बसों के माध्यम से राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थलों और गाथाओं को प्रदर्शित करेगी। ये बसें यूके में लंदन–कैम्ब्रिज रूट पर तथा भारत में देहरादून–हरिद्वार–दिल्ली–जयपुर

जैसे प्रमुख मार्गों पर प्रतिदिन संचालित होंगी।

बसों की ब्रांडिंग पर राजस्थान की धरोहरों और प्रसिद्ध गाथाओं की झलक होगी। साथ ही, राजस्थान पर्यटन विभाग की वेबसाइट से जुड़ा क्यूआर कोड भी प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त जानकारी मिल सकेगी। प्रचार अवधि के दौरान जयपुर पहुंचने वाले 100 फ्लिक्सबस यात्रियों को अल्बर्ट हॉल संग्रहालय में निःशुल्क प्रवेश की सुविधा दी जाएगी। इस साझेदारी को संयुक्त सोशल मीडिया कैंपेन और यूज़र–जनरेटेड कंटेंट के माध्यम से बड़े स्तर पर प्रमोट किया जाएगा।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा,फ्लिक्सबस के साथ यह अनूठी साझेदारी राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और वैभवशाली विरासत को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर है। यह पहल न केवल यूके और भारत के यात्रियों को आकर्षित करेगी बल्कि राजस्थान पर्यटन के लिए नए द्वार भी खोलेगी। भविष्य में इसे और रूट्स पर भी विस्तार दिया जा सकता है। उन्होंने आगे घोषणा की कि जल्द ही जयपुर में लंदन की तर्ज पर हॉप–ऑन हॉप–ऑफ बस सेवा पीपीपी मॉडल पर शुरू की जाएगी, जिससे पर्यटकों का अनुभव और भी खास होगा।

नए उद्योगों के विकास के लिए सरकार हर संभव मदद को तैयार : कर्नल राठौड़

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में नए उद्योगों को विकसित करने के लिए हर संभव सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि रीको औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना में नए उद्योग विकसित हो रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि पानी की उपलब्धता होने पर पानी की टंकी बनवाकर उद्योगों को जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही नवगठित जिला डीडवाना–कुचामन में उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र कार्यालय भी शीघ्र ही स्थापित किया जाएगा।

उद्योग मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में लोगों द्वारा इन्वेस्मेंट की दृष्टि से जमीनें खरीद ली जाती हैं। जिसके कारण नए उद्योग नहीं लगने से औद्योगिक क्षेत्रों का विकास नहीं हो पाता है।

इससे पहले विधायक यूनुस खान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उद्योग मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र डीडवाना में एक रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थापित है। वर्ष 1998 में स्थापित यह औद्योगिक क्षेत्र उपखण्ड डीडवाना जिला डीडवाना–कुचामन में मेगा हाईवे से लगभग 02 कि.मी. दूरी पर सूपका रोड़ पर स्थित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में रीको औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना में आधारभूत सेवायें जैसे सड़क, पावर लाईन, स्ट्रीट लाईट आदि उपलब्ध है। पानी की सुविधा इस औद्योगिक क्षेत्र में अभी उपलब्ध नहीं करवायी गयी है।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना में विद्युत आपूर्ति 132 केवी जीएसएस दयालपुरा से निकलने वाले 33 केवी ललासरी फीडर संचालित है, जिस पर 33/11 केवी के दो सब–स्टेशन ललासरी एवं रीको डीडवाना स्थापित है। उन्होंने बताया कि उक्त 33/11 केवी सब–स्टेशन रीको डीडवाना, औद्योगिक इकाइयों के लिए ही स्थापित किया गया है जिस पर कोई विद्युत कटौती नहीं की जाती है।

रीको क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों का भी डॉ. गर्ग ने राजस्थान विधानसभा में उठाया मुद्दा

भरतपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधान सभा में राजस्थान भू–राजस्व (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक पर पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने सलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि रीको द्वारा बिना अधिकारों व नियमों के तहत काल गुजारियां कर दी गई है। उन पर कानूनी जामा पहनाया जा रहा है। उस पर ध्यान देने की आवश्यकता है और रीको द्वारा की गई काल गुजारियों को लेकर आयोग बनाया जाये। जिससे उसकी जांच कराई जाये कि उन्होंने किन नियमों के तहत भूमि उपयोग परिवर्तित किया गया है साथ ही उन्होंने रीको क्षेत्र में जर्जर सडकों का भी मुद्दा उठाते हुये कहा कि रीको द्वारा किसी तरह की सुविधायें नहीं दी जा रही है।

डॉ. गर्ग ने विधान सभा की पटल पर राजस्थान भू–राजस्व विधेयक पर अपनी बात रखते हुये कहा कि जब राजस्थान हाउसिंग बोर्ड एवं जयपुर विकास प्राधिकरण का चैयरमेन मंत्री हो सकता है तो रीको का चैयरमेन मंत्री क्यों नहीं हो सकता। उन्होंने रीको का चैयरमेन उद्योग मंत्री को बनाने के साथ ही विधायकों को भी सदस्यों के रूप में अधिकार देने का मुद्दा जोरदारी के साथ उठाते हुये कहा कि स्थानीय निकायों के अधिकार रीको को दिये जाना गलत है। औद्योगिक क्षेत्र में रीको द्वारा कोई भी विकास के कार्य नहीं कराये जाते। उन्होंने रीको को भूमि उपयोग का अधिकार देने पर आपत्ति जताते हुये कहा कि अगर रीको का अध्ययन कराया जाये तो सामने आयेगा कि अधिकारों का किस तहस से दुरूपयोग किया गया है। उन्होंने विधान की पटल पर अपनी बात रखते हुये कहा कि सभी प्राधिकरण, कॉरपोरेशन में मंत्री व विधायकों की भूमिका के लिये संशोधन करने की आवश्यकता है। उन्होंने उद्योग मंत्री का ध्यान आकृष्ट करते हुये कहा कि रीको के लिये आयोग बनाया जाये और इसके लिये अब तक रीको ने किनको भूमि उपयोग परिवर्तित की है, कहां रिविजन हुये हैं, कहां पर उद्योग लग पाये हैं, कहां पर टाउनशिप विकसित हो पाई है, कहां पर कॉमर्सियल भूमि उपयोग परिवर्तित हुआ है इसका अध्ययन कराया जाये।

डॉ. गर्ग ने विधान सभा में भरतपुर के औद्योगिक क्षेत्र की दयनीय सडकों की स्थिति पर भी चिन्ता व्यक्त करते कहा कि सडके गडढों में तब्दील हो गई हैं। पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। रीको द्वारा किसी तरह की उद्य–ोगपतियों को सुविधा नहीं दी जा रही है। रीको फाटक संख्या–38 पर ओवर ब्रिज निर्माण कार्य के चलते बनाये गये वैकल्पिक मार्ग सिमको लेबर कॉलोनी, तेजसिंह का नगला आदि का सडक मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो गया है। उसका भी मुद्दा उठाते हुये डॉ. गर्ग ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुये कहा कि रीको की खराब सडकों को बनवाने के लिये मुख्यमंत्री द्वारा करीब 20 करोड रुपये मंजूर कर दिये हैं जिससे सडकों की हालत सुधरेगी और लोगों राहत मिलेगी।

केंद्र सरकार हरियाणा को 10 हजार करोड़ का आर्थिक पैकेज देवे: बजरंग गर्ग

चंडीगढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को हरियाणा को बाढ़ग्रस्त प्रदेश घोषित करना चाहिए। केंद्र सरकार को हरियाणा को 10 हजार करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज देना चाहिए। गर्ग ने कहा कि हरियाणा में 16.83 लाख एकड़ जमीन से ज्यादा फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। बाढ़ के कारण हरियाणा में कई लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार ने बाढ़ व बारिश के कारण जो लोगों की मौत हुई है उनके परिवार को 4 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है जो बहुत थोड़ी है। सरकार को मृतक के परिवार को 4 लाख रुपए

की बजाएं 25 लाख रुपए आर्थिक सहायता देनी चाहिए।

बजरंग गर्ग ने कहा कि खराब फसल का मुआवजा सरकार ने 7 हजार से 15 हजार तक प्रति एकड़ किया है जो सरासर गलत है। आज की खेती की जमीन ठेके पर 40 हजार रुपए से एक लाख रुपए तक मिलती है। उसको खेती करने के लिए खाद्य, बीज, दवाईयां का खर्च अलग होता है। सरकार को किसानों को प्रति एकड़ कम से कम 40 से 50 हजार रुपए मुआवजा राशि देनी चाहिए।

बजरंग गर्ग ने कहा की भारी बारिश व बाढ़ के कारण दुकान व मकानों की बिल्डिंग व सामान के नुकसान की भरपाई के लिए एक लाख से 3 लाख रुपए तक मुआवजा राशि देने की घो–षणा करना बहुत कम है। सरकार को व्यापारी व उद्योगपतियों का जो नुकसान हुआ है उस नुकसान की भरपाई करनी चाहिए जबकि अंबाला कैंट के साथ–साथ प्रदेश में उद्योगों को कई हजार करोड़ का नुकसान हुआ है।

विज का सुरजेवाला पर तंज

कांग्रेस नेताओं का पैर स्थाई तौर पर ब्रेक पर ही लगा

चंडीगढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने इनेलो नेता अभय चौटाला के आरोप कि भूपेंद्र हुड्डा ने ईडी के डर से भाजपा के साथ समझौता कर लिया है जिससे प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है, पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसने किसके साथ समझौता किया, किसको हराया, कौन किसके साथ था, अब इन बातों का कोई मतलब नहीं है क्योंकि दुनिया चमत्कार को नमस्कार करती है। आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में अपने दम पर जीती है। उन्होंने बताया कि मैनें पूरे चुनाव के दौरान एग्जिट पोल के विपरीत डंके की चोट पर कहा था कि इस बार भाजपा तीसरी बार बिना किसी सहयोग के

अपनी सरकार बनाएगी। हमें इन बातों का आंकलन था क्योंकि सरकार के कामों की जनता में पूरी चर्चा थी।

विज ने बताया कि वे पिछली सरकार के कार्यकाल में अम्बाला में जनता कैंप लगाते थे और उसमें पांच से छह हजार लोग उम्मीदें लेकर स्वयं आते थे। हर सप्ताह यदि छह–छह हजार लोग आते थे तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि पांच साल में कितने लोग आए होंगे।

हरियाणा सरकार ने बाढ़ से प्रभावित पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर को पहुंचाई सहायता : सैनी

चंडीगढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर को हरियाणा प्रदेश की तरफ से तुरंत 5–5 करोड़ रुपए की सहायता राशि भेजी जा चुकी है। केंद्र सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत दिवस पंजाब व हिमाचल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और दोनों प्रदेशों में हुए नुकसान के लिए 3100 करोड़ रुपए की मदद की भी घोषणा की, जिसमें पंजाब को 1600 करोड़ रुपये और हिमाचल को 1500 करोड़ रुपए शामिल हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को कुरुक्षेत्र के पिपली अनाज मंडी में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र जिला से पंजाब के लिए राहत सामग्री के 20 ट्रकों को हरी झंडी दिखा रवाना किया। इन ट्रकों को अलग–अलग जिलों के लिए भेजा गया है। ट्रकों में दाल, चावल, पानी, रस, आचार, मेडिकल किट, मच्छरदानी, तिरपाल, पशुओं के लिए हरा चारा, चौकर सहित अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री शामिल है।उन्होंने कहा कि पंजाब, हिमाचल, जम्मू कश्मीर के लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इन बाढ़ प्रभावित इलाकों में हरियाणा के नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, समितियों के सहयोग से राहत सामग्री भेजी जा रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में जो भी क्षेत्र जलभराव से प्रभावित हैं, ऐसे क्षेत्रों के नागरिकों व किसानों को सरकार मुआवजा देने का काम कर रही है। ई–क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है, प्रभावित नागरिक इस पोर्टल पर अपना आवेदन करें। उन्होंने बताया कि अब तक जलभराव से प्रभावित 5786 गांवों के 3 लाख 24 हजार 583 किसानों ने 19 लाख 22 हजार 617 एकड़ के खराबे का पंजीकरण करवाया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण मृत्यु होने पर उस परिवार को तुरंत 4 लाख रुपए की राशि सहायता के तौर पर दी जा रही है। इसके अलावा किसी भी प्रकार की हानि होने पर मुआवजा निर्धारित किया गया है। पिछले साढ़े 10 सालों में किसानों को फसलों के खराबे का 15500 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जा चुका है। उन्होंने प्रदेश सरकार के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से आग्रह किया है कि वे बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपनी इच्छा अनुसार हरियाणा मुख्यमंत्री राहत कोष में मदद करें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देश के नव निर्वाचित उप–राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इतिहास गवाह है जब भी देश में कोई विपदा या आपदा आई है तब राहुल गांधी विदेश दौरे पर चले जाते हैं। इस समय भी ऐसी ही स्थिति है। देश के पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर में बाढ़ आई हुई है और राहुल गांधी विदेश में बैठे हैं, उन्होंने कहा कि मेरा भी विदेश का दौरा था, लेकिन इस स्थिति को देखते हुए विदेश के दौरे को रद्द कर दिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक सवाल के जवाब में कहा आज पंजाब के मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि पंजाब में पैसे की कमी नहीं है, हमें किसी से पैसे मांगने की जरूरत नहीं। पंजाब हरियाणा का पड़ोसी राज्य है, हमारा दायित्व और कर्तव्य बनता है कि इस विपदा के समय में हम पंजाब के लोगों की मदद करें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले साढ़े 10 वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 7 लाख 47 हजार परिवारों को मकान बनाने के लिए 2,314 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई। इसी तरह डॉ. भीमराव अंबेडकर नवीनीकरण योजना के तहत मकान की मरम्मत के लिए 76,985 परिवारों की कच्ची छत को पक्का करने के लिए 416 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई। इस योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 80,000 रुपए दिए गए हैं। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, चेयरमैन धर्मवीर डागर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बिहार में बनेगा 4-लेन का नया कॉरिडोर

बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर को मंजूरी

डेढ़ घंटे समय की होगी बचत

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के एक अहम हिस्से को मंजूरी दे दी है। यह हिस्सा मोकामा से मुंगेर तक 82.4 किलोमीटर लंबा होगा और इसे 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल के रूप में बनाया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत 4447.38 करोड़ रुपये होगी।

यह कॉरिडोर मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर और मुंगेर जैसे महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ेगा। इससे इन इलाकों की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह कॉरिडोर कुल यात्रा समय को लगभग 1.5 घंटे तक कम कर देगा, साथ ही यात्री और मालवाहक वाहनों, दोनों के लिए सुरक्षित, तेज और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

पूर्वी बिहार का यह क्षेत्र, जिसमें मुंगेर, जमालपुर और भागलपुर शामिल हैं, एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। यहां आयुध कारखाने, लोकोमोटिव वर्कशॉप, और खाद्य प्रसंस्करण जैसी इकाइयां मौजूद हैं। भागलपुर, अपने भागलपुरी सिल्क और कपड़ा उद्योग के लिए जाना जाता है, जबकि बड़हिया खाद्य पैकेजिंग और कृषि से जुड़े कामों का केंद्र बन रहा है। इस कॉरिडोर के बनने से इन सभी क्षेत्रों में व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

इस 4-लेन कॉरिडोर पर वाहनों की औसत गति 80 किमी-घंटा होगी, जिससे यात्रा का समय लगभग 1.5 घंटे कम हो जाएगा। इससे यात्री और मालवाहक वाहन दोनों के लिए यात्रा तेज, सुरक्षित और सुगम होगी।

82.40 किलोमीटर की प्रस्तावित परियोजना से लगभग 14.83 लाख मानव-दिवस प्रत्यक्ष रोजगार और 18.46 लाख मानव-दिवस अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। प्रस्तावित गलियारे के आसपास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण यह परियोजना अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

बेगूसराय में दिनदहाड़े सीएसपी संचालक से 2.49 लाख और लैपटॉप की लूट

बेगूसराय (एजेंसियां)। बिहार में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं, इसकी बानगी बुधवार की सुबह बेगूसराय में देखने को मिली। मटिहानी थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव में नकाबपोश बदमाशों ने सीएसपी संचालक से 2 लाख 49 हजार रुपये नकद, लैपटॉप और जरूरी कागजात लूट लिए। यह पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

जानकारी के अनुसार, वृंदावन निवासी बिपिन कुमार अपने घर से कैश लेकर सीएसपी सेंटर जा रहे थे। सुबह करीब 9 बजे खरीदी मोड़ के पास जैसे ही वह पहुंचे, तभी दो बाइक पर सवार छह बदमाश वहां पहुंचे और उन्हें घेर लिया। हथियार दिखाकर उन्होंने बैग छीन लिया, जिसमें नकदी, लैपटॉप और दस्तावेज रखे थे।

सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि तीन नकाबपोश बदमाश चौक पर खड़े थे और बाकी बाइक सवारों ने बिपिन को ओवरटेक कर लूटपाट की। इसके बाद सभी बदमाश दो बाइकों पर सवार होकर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। डीएसपी अरुण कुमार पांडे के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है और अपराधियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

दिनदहाड़े हुई इस लूटकांड ने स्थानीय लोगों में दहशत फैला दी है। ग्रामीणों का कहना है कि अपराधियों के बढ़ते मनोबल से आम लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

चिराग बिहार का कोहिनूर है, लोजपा रामविलास ने बढ़ाया सियासी पारा

पटना (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव में अब कुछ वक्त ही बचा है। चुनाव के नजदीक आते ही सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। राजधानी पटना के वीरचंद पटेल पथ पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यकर्ताओं ने एक पोस्टर लगाकर राजनीतिक हलचल मचा दी है। इस पोस्टर में पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान को 'बिहार का कोहिनूर हीरा' बताया गया है। पोस्टर में लिखा है- बिहार मांगे चिराग

पोस्टर पटना में आरजेडी कार्यालय के सामने और जदयू दफ्तर के बगल में लगाया गया है। इसे पार्टी के शेखपुरा जिलाध्यक्ष इमाम गजाली ने लगवाया है। पोस्टर पर लिखा गया है - 'तन बदन का नूर है, चिराग बिहार का कोहिनूर है।' पोस्टर के बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या चिराग पासवान को लोजपा (रामविलास) सीएम मटेरियल के रूप में प्रोजेक्ट करने की कोशिश हो रही है?

हालांकि चिराग पासवान खुद कई बार कह चुके हैं कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए बिहार चुनाव लड़ेगा। फिलहाल एनडीए में सीट बंटवारे पर चर्चा जारी है और जल्द फैसला होना है।

राजनीति के जानकार लोगों का मानना है कि ये लोजपा (रामविलास) की प्रेशर पॉलिटिक्स है। सीट बंटवारे से पहले यह पोस्टर लगाना कहीं न कहीं यह संदेश देता है कि लोजपा (रामविलास) को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि 2020 के विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान ने सीट बंटवारे को लेकर एनडीए से नाता तोड़ लिया था और नीतीश कुमार की जदयू के खिलाफ हर सीट पर उम्मीदवार खड़ा किया था।

नतीजा यह हुआ कि जदयू तीसरे नंबर पर सिमट गया और सिर्फ 43 सीटें जीत पाया। अब दोबारा इस तरह के पोस्टर सामने आने से पार्टी की महत्वाकांक्षा साफ झलक रही है।

पाकिस्तान जाने की साजिश में पकड़ी गई नवादा की किशोरी, इंस्टाग्राम पर हुई थी युवक से दोस्ती

नवादा (एजेंसियां)। बिहार के नवादा जिले की एक किशोरी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। दसवीं कक्षा तक पढ़ी एक छात्रा महाबोधि एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12397) से दिल्ली और फिर पंजाब के रास्ते पाकिस्तान जाने की योजना बनाकर घर से भाग गई थी। हालांकि छात्रा भागने में कामयाब नहीं हो पाई और उसे प्रयाग रेलवे स्टेशन पर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलने पर बिहार पुलिस प्रयागराज पहुंची

और सीडब्ल्यूसी के समक्ष आवेदन देकर किशोरी को अपने साथ ले गई। इस दौरान उसके परिजन भी मौजूद थे। किशोरी की गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही नवादा के पकरीबरवां थाना में दर्ज की गई थी। अब इस मामले की आगे की जांच बिहार पुलिस करेगी।

पूछताछ में सामने आया कि किशोरी की इंस्टाग्राम पर पंजाब की एक युवती से दोस्ती हुई थी। उसी युवती ने उसकी मुलाकात पाकिस्तान के एक युवक से कराई। चैटिंग और वीडियो कॉलिंग बढ़ने पर जब परिवार ने सोशल मीडिया पर रोक लगाई तो किशोरी ने घर छोड़ने का कदम उठा लिया। योजना के मुताबिक, वह पहले पंजाब जाती और फिर वहां से पाकिस्तान।

5 सितंबर को बिहार पुलिस ने आरपीएफ प्रयागराज को सूचना दी थी कि किशोरी बुर्का पहनकर घर से निकली है। जब वह महाबोधि एक्सप्रेस से प्रयागराज जंक्शन पहुंची, तो पुलिस ने उसे ट्रेन से उतार लिया। इस बीच पाकिस्तानी युवक ने किशोरी को इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर ब्लॉक कर दिया।

प्राथमिक जांच में साफ हो गया है कि पंजाब की युवती ने ही किशोरी की दोस्ती पाकिस्तानी युवक से कराई थी। अब एजेंसियां पुराने चैट और कॉल डिटेल्स को रिकवर कर मामले की गहराई तक जाने की कोशिश करेंगी।

भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी

3,169 करोड़ रुपये होंगे खर्च

रांची (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर कुल 3,169 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य रेलवे की क्षमता और गतिशीलता को बढ़ाना है। इससे इस व्यस्त मार्ग पर ट्रेनों का आवागमन सुगम और सुरक्षित होगा। यह परियोजना पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का भी हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है।

यह रेलवे लाइन बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पांच जिलों को कवर करेगी, जिससे लगभग 177 किलोमीटर का नया ट्रैक जुड़ेगा। इससे 28.72 लाख लोगों और 441 गांवों को सीधा फायदा मिलेगा। यह तीन आकांक्षी जिलों (बांका, गोड्डा और दुमका) की कनेक्टिविटी को भी बेहतर बनाएगा।

परियोजना खंड देवघर (बाबा बैद्यनाथ धाम), तारापीठ (शक्ति पीठ) आदि जैसे प्रमुख स्थलों को भी रेल संपर्क प्रदान करता है, जो देश भर से तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करता है।

इसके अलावा, यह मार्ग कोयला, सीमेंट, उर्वरक और पत्थर जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 15 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे, पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (5 करोड़ लीटर) कम करने और सीओटू उत्सर्जन (24 करोड़ किलोग्राम) कम करने में मदद करेगा, जो एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

घर से अगवा कर पिकअप वैन चालक की हत्या, इलाके में फैली दहशत

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार-रविवार की दरमियानी रात घर से अगवा कर हत्या की एक सनसनीखेज घटना सामने आई। मृतक की पहचान मथुरा गांव निवासी अशोक सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अशोक सिंह अपने घर में सो रहे थे, तभी उनके पास के रहने वाले आरोपियों ने उन्हें अगवा किया और फिर गला दबाकर हत्या कर दी। इसके अलावा, सर पर कई बार चाकू से वार किया गया। हत्या की घटना के बाद आरोपी मौके से

फरार हो गए।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या के पीछे डेढ़ साल पहले केला काटने को लेकर हुए विवाद का बदला बताया जा रहा है। मृतक के भतीजे करण कुमार ने कहा कि उसी समय आरोपियों ने अशोक सिंह को जान से मारने की धमकी दी थी और मामले की शिकायत बिदुपुर थाने में भी दर्ज कराई गई थी।

पुलिस ने आरोपी दिलीप महतो के चारों पुत्र - गुड्डू, अभिषेक, देवा और सन्नी की मां को हिरासत में लिया, जिन्होंने हत्या की बात स्वीकार कर ली। मृतक के परिवार में दो पुत्र और एक पुत्री हैं। परिवार का भरण-पोषण अशोक सिंह अपनी पिकअप वैन चलाकर करता था। शव को कब्जे में लेकर पुलिस आवश्यक कागजी कार्रवाई कर रही है और इसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा जाएगा। घटना से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

विधान सभा चुनाव से पहले फिर छह सीनियर आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर, नोटिफिकेशन जारी

पटना (एजेंसियां)। विधान सभा चुनाव होने में अब कुछ ही दिन रह गये हैं। इससे पहले एक बार फिर छह सीनियर आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर हुआ है। गृह विभाग ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। उन छह सीनियर आईएएस अधिकारियों में दो अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

1998 बैच के आईएस नर्मदेश्वर लाल को गन्ना उद्योग विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। अब तक वह लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव के पड़ पर पदस्थापित थे। आईएस नर्मदेश्वर लाल सामान्य प्रशासन विभाग में प्रदत जांच आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। 2008 बैच के आईएएस बी. कार्तिकेय. धनजी को लघु जल

संसधान विभाग का सचिव बनाया गया है। उद्योग विभाग का सचिव का भी प्रभार होगा। बी. कार्तिकेय. धनजी उद्योग विभाग के सचिव का पद भी संभालेंगे।

2014 बैच के आईएएस अधिकारी रजनीश कुमार सिंह को सहयोग समिति के निबंधक की जिम्मेदारी दी गई है। अब तक वह निबंधन महानिरीक्षक-सह-उत्पाद आयुक्त, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना की जिम्मेदारी संभल रहे थे। इसके अतिरिक्त वह अपर निदेशक, (कार्यक्रम अनुश्रवण), बिहार विकास मिशन, पटना का अतिरिक्त प्रभार भी संभल रहे थे। अब भी वह इस अतिरिक्त प्रभार में बने रहेंगे।

2016 बैच के आईएएस अधिकारी अंशुल अग्रवाल को निबंधन महानिरीक्षक-सह-उत्पाद आयुक्त, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना की जिम्मेदारी दी गई है। अब तक वह निबंधक, सहयोग समितियां, बिहार, पटना की जिम्मेदारी संभल रहे थे।

नेपाल की कई जेलों पर प्रदर्शनकारियों का हमला 3000 से ज्यादा कैदी फरार, बिहार में अलर्ट

अररिया (एजेंसियां)। नेपाल में जेन-जी आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया है। राजधानी काठमांडू से लेकर तराई के विराटनगर, बीरगंज, राजविराज, इटहरी और सीमावर्ती इलाकों तक अराजकता फैल गई है। कर्फ्यू के बावजूद आंदोलनकारी दिन-रात सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन, आगजनी और तोड़फफोड़ कर रहे हैं। हालात इतने बिगड़ गए कि आंदोलनकारियों ने कई जिलों की जेलों पर धावा बोल दिया और तीन हजार से ज्यादा कैदियों को छुड़ा ले गए। नेपाल के सप्तरी जिला जेल को भी ब्रेक कर कैदी वहां से भाग निकले हैं। नेपाल में जिन जेलों को ब्रेक किया है,

उनमें से कई जेल बिहार के सीमावर्ती जिलों से कुछ किलोमीटर की दूर हैं। इधर अररिया जिले की सीमा की सील कर एसएसबी की गश्त बढ़ा दी गई है, ताकि कोई कैदी बिहार में घुसपैठ न कर ले।

भारत-नेपाल सीमा से करीब 23 किलोमीटर दूर सुनसरी जिले के झुमका जेल पर भी उपद्रवियों ने हमला किया। जेलर सुवास लामिछाने के मुताबिक, देर रात उपद्रवियों ने बलपूर्वक हमला कर कैदियों को छुड़ा लिया। जेल के ए और बी ब्लॉक में कुल 1098 कैदी थे, लेकिन बुधवार सुबह की परेड में फरार कैदियों की संख्या बढ़कर 1576 हो गई। कई कैदी हथियार और अन्य सामान भी ले भागे। हालात बेकाबू होने पर सेना को बुलाना पड़ा।

झुमका जेल से हजारों कैदियों के फरार होने के बाद अररिया जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। डीएम अनिल कुमार, एसपी अंजनी कुमार और एसएसबी 56वीं बटालियन के कमांडेंट शाश्वत कुमार ने जोगबनी बॉर्डर का दौरा किया और जवानों को कड़े निगरानी के निर्देश दिए। सीमा से आने वाले संदिग्धों की सघन जांच का आदेश दिया गया है।

काठमांडू के नक्खू जेल को प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया। यहीं पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने बंद थे, जिन्हें उनके समर्थक जेल से निकालकर घर ले गए।

फरार कैदी अपने निजी सामान के साथ जेल का सरकारी सामान और हथियार भी लेकर भाग गए। वहीं नेपाल के विराटनगर जेल ब्रेक को सेना ने नाकाम कर दिया है। सेना के जवान मोर्चा संभाल लिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com